THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 326 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.4, 2082 शनिवार, 21 फरवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उपनेता प्रतिपक्ष कटारे के इस्तीफे की सूचना

खड़गे को लिखा-परिवार और क्षेत्र की जनता को समय नहीं दे पा रहा

भोपाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अटेर से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे के मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देने की सूचना है। कटारे ने इस्तीफा पत्र में लिखा कि परिवार और क्षेत्र की जनता को पर्याप्त समय नहीं दे पाने के कारण वे यह जिम्मेदारी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे पत्र में लिखा कि संगठन जिसे चाहे इस पद की जिम्मेदारी दे, वे पूर्ण सहयोग करेंगे। पार्टी ने उन्हें इस योग्य समझा, इसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। हेमंत कटारे की आज मैरिज एनिवर्सरी है, इसी बीच उन्होंने इस्तीफा दिया।

> एआई के संबंध में यूएन की भूमिका पर चर्चा

मोदी ने एंटोनियो गुटेरस से की मुलाकात

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस के साथ दिल्ली में द्विपक्षीय बातचीत की। गुटेरेस एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत आए थे। इससे पहले, गुटेरेस ने दुनिया की भलाई के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने और इंसानियत के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने की अपील की। उन्होंने देशों से एक साथ आने और लोगों को तैयार करने, उनकी सुरक्षा करने और उनमें इन्वेस्ट करने की अपील की।

एआई के संबंध में यूएन की भूमिका पर चर्चा :

उन्होंने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मुश्किल है। भरोसा कम हो गया है, और टेक्नोलॉजिकल मुकाबला बढ़ रहा है। वहीं, पीएम मोदी ने भी गुटेरेस से मुलाकात को लेकर एक ट्वीट किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी जनरल, मिस्टर एंटोनियो गुटेरेस के साथ मीटिंग के दौरान, हमने एआई को सबको शामिल करने वाला बनाने और इस मामले में यूएन कैसे एक कंस्ट्रक्टिव रोल निभा सकता है, इस बारे में बात की। पीएम मोदी ने आगे लिखा कि एक बेहतर दुनिया के लिए एआई का इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश के लिए भारत का सपोर्ट दोहराया। उन्होंने आगे लिखा कि हमने संयुक्त राष्ट्र सुधार, खासकर ग्लोबल साउथ को अधिक आवाज देने पर भी अपने विचार शेयर किए।

संयुक्त राष्ट्र का एआई के संबंध में प्रैक्टिकल आर्किटेक्चर :

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूनाइटेड नेशंस एक प्रैक्टिकल आर्किटेक्चर बना रहा है जो साइंस को एआई पर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के सेंटर में रखता है। और इसकी शुरूआत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर इंडिपेंडेंट इंटरनेशनल साइंटिफिक पैनल से होती है। उन्होंने कहा कि यह पैनल एआई नॉलेज गैप को कम करने और इकोनॉमी और सोसाइटी में एआई के असली असर का पता लगाने में मदद करने के लिए बनाया गया है ताकि एआई कैपेसिटी के हर लेवल पर देश एक ही क्लैरिटी के साथ काम कर सकें। गुटेरस ने कहा कि यह पूरी तरह से इंडिपेंडेंट है, यह ग्लोबली डायवर्स है, और यह मल्टीडिसिप्लिनरी है क्योंकि एआई हर सोसाइटी के हर एरिया को छूता है।

पैक्स सिलिका समझौते पर भारत ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने आज औपचारिक रूप से अमेरिका की अगुवाई वाली पहल 'पैक्स सिलिका' में शामिल होने के लिए हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बनाई गई है।

वहीं इस हस्ताक्षर के बाद ट्रंप सरकार में मंत्री जैकब हेलबर्ग ने कहा, पैक्स सिलिका इस बात की घोषणा है कि भविष्य उन्हीं का है जो निर्माण करते हैं और जब स्वतंत्र लोग एकजुट होते हैं।

इस घोषणा में कहा गया है कि एआई भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है और सुरक्षित सप्लाई चेन किसी भी देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। इस समझौते पर हस्ताक्षर के समय भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, अमेरिका के मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत के आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद थे। यह अमेरिकी विदेश विभाग की प्रमुख पहल है। इसका मकसद एआई तकनीक को सुरक्षित तरीके से विकसित करना, महत्वपूर्ण सामान और संसाधनों की सप्लाई चेन को भरोसेमंद बनाना और सहयोगी देशों के बीच आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना है। इस पहल की घोषणा में कहा गया है कि मजबूत सप्लाई चेन आर्थिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। एआई भविष्य की समृद्धि और विकास की सबसे बड़ी ताकत बनेगा। इस घोषणा पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, यूएई, सिंगापुर, इस्राइल, कतर और ग्रीस शामिल हैं।

राहुल गांधी ने समिट को बताया पीआर स्टंट

> सीएम फडणवीस ने बताया देश के लिए गौरव का क्षण

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन चल रहा है। इसी बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस आयोजन पर तंज कसते हुए इसे एक पीआर स्टंट बताया है। राहुल गांधी के इस बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने कहा कि सबसे ज्यादा एआई की जरूरत राहुल गांधी को है, क्योंकि कई बार जब ह्यूमन इंटेलिजेंस यानी एचआई निष्क्रिय हो जाता है, तब एआई मदद कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने समिट के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के लिए बेहद अहम है और यह भारत की एआई क्षमता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से कृत्रिम बुद्धिमता आगे बढ़ रहा है, उसने अलग-अलग क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। ऐसे समय में वैश्विक नेताओं का भारत आना, देश की तकनीकी ताकत को देखना और एआई पर चर्चा करना बहुत महत्वपूर्ण है।

फडणवीस ने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में एआई के उपयोग को भारत जैसे देश के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने इस दिशा में तेज गति से काम किया है और राज्य के प्रयासों को इस मंच पर प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि एआई को किसानों के अनुकूल बनाया जाए तो किसान इसे अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राज्य में एआई आधारित कीट निगरानी और क्रॉप-सैप इंटीग्रेशन पर काम किया जा रहा है।

25 से 27 फरवरी तक तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग 25 से 27 फरवरी तक चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेगा। इस दौरे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भी शामिल रहेंगे। यहां अप्रैल में चुनाव होने की संभावना है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के अलावा, असम, केरल और पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। पांच विधानसभा का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है।

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा-सीजेएम हटाकर पुराने जजों को खोजें

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने सख्त रूख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया।

मामले में कोर्ट ने क्या-क्या निर्देश दिए

> जिन लोगों के नाम तार्किक विसंगति सूचीमें डाले गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों का फैसला अब सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे।

> कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे इस काम के लिए न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध कराएं और जरूरत पड़े तो पूर्व जजों को भी नियुक्त करें।

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी इस काम में लगे सीजेएम (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) को हटाकर अन्य उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों/पूर्व जजों को लगाया जाए।

> कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों को तैनात न करने पर गंभीर नाराजगी जताई।

> सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 28 फरवरी को बंगाल की ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी है।

> साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर बाद में पूरक (सप्लीमेंट्री) सूची भी जारी की जा सकती है।

> अदालत ने पश्चिम बंगाल के सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर प्रक्रिया में लगे न्यायिक अधिकारियों को लॉजिस्टिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करें।

> एसआईआर प्रक्रिया में न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी भी तैनात रहेंगे।

> सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे मुख्य सचिव, डीजीपी और चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ एक बैठक करें, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

> कोर्ट ने साफ कहा कि एसआईआर से जुड़े मामलों में न्यायिक अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशों को अदालत का आदेश माना जाएगा और जिला प्रशासन व पुलिस को उनका पालन करना होगा।

> इन निर्देशों के बाद साफ है कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के मुताबिक पूरा कराने के लिए सख्त रुख अपना रहा है।

कोर्ट ने विवाद को क्यों बताया गंभीर :

मतदाता सूची से जुड़े इस मामले को गंभीर बताते हुए कोर्ट ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी तार्किक विसंगति सूची में शामिल लोगों के दावों और आपत्तियों पर फैसला करेंगे। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को भी लगभग एक हफ्ते की मोहलत दी। अदालत ने कहा कि निर्वाचन आयोग 28 फरवरी को बंगाल में मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित कर सकता है।

भारत ने संभाली इंडियन ओशन नेवल सिंपोजियम की कमान

30 से अधिक देशों के बीच बढ़ेगा आपसी सहयोग

विशाखापट्टनम, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नौसेना के डिप्टी चीफ वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने शुक्रवार को एक बहुत ही महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया भारत ने यहां हो रहे 9वें कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स के दौरान इंडियन ओशन नेवल सिंपोजियम (आईओएनएस) की अध्यक्षता संभाल ली है।

वाइस एडमिरल सोबती ने कहा कि भारत इस मंच का नेतृत्व संभालते ही एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार है। भारत का मुख्य उद्देश्य समुद्री इलाकों में शांति, स्थिरता और सुरक्षा पक्की करना है। उन्होंने बताया कि आज के समय में समुद्री चुनौतियां सभी देशों के लिए लगभग एक जैसी हैं।

'कांग्रेस ने सीमाएं खुली छोड़ीं, घुसपैठ बढ़ी'

> असम से 6900 करोड़ की योजना लॉन्च की

गुवाहाटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ दी थीं, जिसकी वजह से असम में घुसपैठ बढ़ी। भाजपा सरकार ने इस समस्या से सख्ती से निपटा है। शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ।

आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से 6,900 करोड़ रुपये की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरूआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता सीमावर्ती गांवों का विकास है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम उसी दिशा में उठाया गया कदम है। योजना के दूसरे चरण में 6,900 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 1,954 गांव इसमें शामिल हैं। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश से सटे 334 ब्लॉकों का समग्र विकास किया जाएगा। योजना का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों से पलायन रोकना और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से होने वाली घुसपैठ पर अंकुश लगाना है। पिछले 10 साल में भाजपा ने असम के विकास को नई दिशा दी है। अगले पांच साल में हम असम को बाढ़मुक्त राज्य बनाएंगे। असम पिछले 10 साल में स्वास्थ्य सुविधाओं का हब बना है।

सीआरपीएफ के परेड में भी शामिल होंगे :

शाह नाथनपुर स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा चौकी का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। वे शनिवार को गुवाहाटी के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सीआरपीएफ के वार्षिक दिवस परेड में शामिल होंगे। यह आयोजन पहली बार पूर्वोत्तर में हो रहा है। इसके अलावा वे सोनापुर के कसुतोली में 10वीं असम पुलिस बटालियन के नए परिसर की आधारशिला रखेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के दौरे से पहले बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी राज्य का दौरा किया था।

कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय बाधा पैदा करने का रास्ता चुना : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट में इंडियन नेशनल यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन किया। भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना।

राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, जब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है।

रक्षा मंत्री ने कहा, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है।

बच्चों का यौन शोषण करने वाले जेई पति-पत्नी को फांसी

> बांदा जज बोले-मरते दम तक लटकाओ

अश्लील वीडियो बेचता था

बांदा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी में बच्चों का यौन शोषण करने वाले पति-पत्नी को शुक्रवार को बांदा कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई। ये दोनों बच्चों के अश्लील वीडियो-फोटो डार्क वेब के जरिए विदेशों में बेचते थे।

पति रामभवन सिंचाई विभाग का जेई था, जबकि पत्नी दुर्गावती हाउस वाइफ थी। रामभवन की पोस्टिंग चित्रकूट में थी। फैसला देते समय पॉक्सो कोर्ट के जज प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा- दोनों पति-पत्नी को मरते दम तक फंदे पर लटकाए रखा जाए। कोर्ट ने दोनों को 18 फरवरी को दोषी ठहराया था। सीबीआई ने रामभवन को 18 नवंबर, 2020 को अरेस्ट किया था। वहीं, दुर्गावती को गवाहों पर दबाव डालकर समझौता कराने का दोषी पाया गया था।

चित्रकूट में सिंचाई विभाग में तैनात था :

बांदा का रहने वाला रामभवन (55) चित्रकूट में सिंचाई विभाग में जेई के पद पर तैनात था। वह चित्रकूट की एसडीएम कॉलोनी में पत्नी दुर्गावती (50) के साथ रहता था। दोनों के कोई संतान नहीं थी। रामभवन अपनी पत्नी के साथ मिलकर गरीब घरों के बच्चों को लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। दोनों मिलकर नाबालिगों का कुकर्म करते थे। बच्चों की उम्र 5 से 16 साल के बीच होती थी। बच्चों के साथ पत्नी संबंध बनाती थी, जबकि रामभवन उनसे कुकर्म करता था। इतना ही नहीं, दोनों लैपटॉप के कैमरे के जरिए बच्चों के अश्लील वीडियो भी बना लेते थे।

इस दौरान अगर कोई बच्चा विरोध करता था, तो पति-पत्नी उन्हें मारते-पीटते थे। चिल्लाने पर उनका मुंह दबा देते थे। फिर पैसे या खिलौने, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट देने का लालच देकर उसकी जुबान बंद करा देते थे। एक बच्चे ने बताया था कि रामभवन मोबाइल फोन में गेम खेलने और यूट्यूब पर वीडियो दिखाने का लालच देकर अपने घर बुलाता था।

'पुलिस-सत्ता गठजोड़ निंदनीय'

अदालत का फरमान: आंध्र एमएलसी के खिलाफ हत्या का मामला 30 नवंबर तक निपटाएं

नई दिल्ली, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के चर्चित हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कहा कि पुलिस और सत्ता के बीच गठजोड़ दिखाई दे रहा है। अदालत ने वाईएसआरसीपी के एमएलसी अनंथा सत्य उदया भास्कर राव के खिलाफ चल रहे 2022 के हत्या केस का ट्रायल 30 नवंबर तक पूरा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामले में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समयसीमा में सुनवाई पूरी होनी चाहिए।

मामला क्या है :

अनंथा सत्य उदया भास्कर राव पर मई 2022 में अपने पूर्व ड्राइवर वीधी सुब्रमण्यम की हत्या का आरोप है। बताया गया कि पैसों के विवाद को लेकर यह वारदात काकीनाडा में हुई थी। मृतक दलित समुदाय से था। इस मामले में हत्या और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज हुआ था। राव को गिरफ्तार भी किया गया था। यह मामला उस समय का है जब राज्य में वाईएसआरसीपी की सरकार थी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी :

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड देखने पर साफ लगता है कि राज्य पुलिस आरोपी के साथ 'हॉबनॉबिंग' कर रही थी। कोर्ट ने इसे सत्ता और पुलिस के बीच स्पष्ट गठजोड़ बताया। पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि जांच और ट्रायल में पारदर्शिता और तेजी जरूरी है।

सितंबर 2022 में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने राव की डिफॉल्ट बेल याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट को केवल तकनीकी खामियों के कारण अधूरा नहीं कहा जा सकता। बाद में दिसंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी और कहा था कि आरोपी को अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता।

ऑनलाइन ठगी के दो मामलों में 3.29 लाख रुपए गायब

ग्वालियर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में ऑनलाइन ठगी के दो मामलों में अज्ञात आरोपियों ने दो लोगों से कुल 3 लाख 29 हजार रुपए की धोखाधड़ी कर ली। महाराजपुरा और जनकगंज थाना पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम निवासी महेंद्र सिंह हिण्डोलिया के मोबाइल में सुबह करीब 11:30 बजे अपने आप अपडेट शुरू हुआ। इसके कुछ देर बाद उनके एसबीआई खाते से 39 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। महेंद्र सिंह को तुरंत बाद उनकी मां के खाते से 94 हजार रुपए निकलने का मैसेज भी मिला। बैंक में जानकारी लेने पर पता चला कि दोनों खातों से कुल 1 लाख 34 हजार 996 रुपए निकाल लिए गए हैं। इसके बाद उन्होंने महाराजपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

दुबई में बेटे की मौत, मां की गुहार पर अदालत सख्त

प्रवासी मजदूर की मौत पर केंद्र से जवाब तलब

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दुबई में मजदूरी करने गए बेटे की मौत के बाद उसकी पार्थिव देह भारत लाने की मांग को लेकर एक मां ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार समेत अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया और अगली तारीख 16 मार्च तय की है। मां ने अपने बेटे के अंतिम संस्कार के लिए उसकी देह भारत लाने की अनुमति मांगी है। यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के सामने आया। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता से कई सवाल किए। अदालत ने पूछा कि बेटे की मौत कब और कैसे हुई। अदालत ने कहा कि याचिका में मौत की तारीख और कारण का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि महिला को 4 फरवरी को दूतावास से फोन आया, जिसमें उसके बेटे की मौत की सूचना दी गई।

मां को कैसे मिली जानकारी?

वकील ने अदालत को बताया कि महिला विधवा है और उसका बेटा दुबई में मजदूरी करता था। उसे बताया गया कि बेटे की मौत 4 दिसंबर को हुई थी, लेकिन परिवार को इसकी जानकारी दो महीने बाद 4 फरवरी को मिली। महिला को यह भी नहीं बताया गया कि मौत किस कारण से हुई। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि बिना पूरी जानकारी के अदालत कैसे आदेश दे सकती है।

पार्थिव देह लाने की मांग क्यों?

याचिका में मांग की गई है कि बेटे की पार्थिव देह भारत लाई जाए, ताकि मां अंतिम संस्कार और धार्मिक रस्में पूरी कर सके। महिला का कहना है कि दुबई में उसका कोई परिचित नहीं है, जो इस प्रक्रिया में मदद कर सके। अदालत ने पूछा कि क्या दुबई में कोई अन्य व्यक्ति है जो पार्थिव देह ला सके, जिस पर वकील ने 'नहीं' में जवाब दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने मामले को 16 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया है।

अब केंद्र सरकार को बताना होगा कि इस मामले में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। अदालत ने साफ किया कि पूरी जानकारी मिलने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। यह मामला उन परिवारों की परेशानी को सामने लाता है, जिनके परिजन विदेश में काम करते हैं और किसी अनहोनी की स्थिति में उन्हें कानूनी व प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज से गुजरात दौरे पर केजरीवाल

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 21 और 22 फरवरी को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनके साथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह दौरा संगठनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर अहम माना जा रहा है। 21 फरवरी को अरविंद केजरीवाल अहमदाबाद में मीडिया को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही स्थानीय स्वराज चुनावों की तैयारियों को लेकर प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। बैठक में संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति और पार्टी की आगामी योजनाओं पर चर्चा होने की संभावना है।

भावनगर में सामूहिक विवाह समारोह में होंगे शामिल

22 फरवरी को केजरीवाल और भगवंत मान भावनगर में मांधाता ग्रुप द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम आप नेता राजू भाई सोलंकी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाएगा।

मुरलीधर मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता

दौरे के दूसरे दिन दोनों नेता वल्लभीपुर तालुका के पछे गांव पहुंचकर मुरलीधर मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में भी शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी का यह दौरा गुजरात में संगठन को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमृता फडणवीस ने एक्सिस बैंक से दिया इस्तीफा

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस से जुड़ी हुई बड़ी खबर सामने आ रही है। अमृता फडणवीस ने जानकारी दी है कि उन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। आपको बता दें कि अमृता फडणवीस भारत के प्रसिद्ध एक्सिस बैंक में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थीं। हालांकि, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की खबर देते हुए अमृता ने भावुक कर देने वाला मैसेज शेयर किया है।

अमृता फडणवीस ने क्या बताया?

अमृता फडणवीस अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल से लिखा- 23 साल पहले, मैं एक यंग मैनेजमेंट ट्रेनी के तौर पर एक्सिस बैंक में आई थी। आज मैं कृतज्ञता से भरे दिल के साथ सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर पद से इस्तीफा दे रही हूं। ब्रांच ऑपरेशन से लेकर कॉर्पोरेट बैंकिंग, राजकोष से लेकर कस्टमर रिलेशंस तक के अनुभव के साथ, यह संस्थान मेरा परिवार, शिक्षक और दूसरा घर रहा है।

खूबसूरत अध्याय समाप्त हो रहा- अमृता फडणवीस

सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में आगे कहा- मैं हर तरह के सहयोग के लिए अपने सहयोगियों और लीडर्स, विशेष रूप से एमडी और सीईओ अमिताभ चौधरी की आभारी हूं। यह खूबसूरत अध्याय समाप्त हो रहा है, ऐसे में मैं आजीवन सबक और मित्रता लेकर चलूंगी। शुक्रिया एक्सिस बैंक।

रिटायर्ड फौजी ने नशे में खुद को गोली मारी

ग्वालियर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक रिटायर्ड फौजी ने शराब के नशे में अपनी लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। फौजी अपने बिस्तर पर बैठकर लाइसेंसी राइफल की नली अपने सिर के पास रखी और ट्रिगर दबा दिया। गोली लगते ही सिर फट गया। खून के छींटे कमरे की छत तक जा पहुंचे। मामला महाराजपुरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम श्याम बिहारी भदौरिया (50) है, जो शताब्दीपुरम के रहने वाले थे।

वे मूल रूप से भिंड जिले के तुकेड़ा, मालनपुर के निवासी थे। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

हिमंत बिस्वा सरमा के बयान का प्रियंका गांधी ने दिया तीखा जवाब, बोलीं-ऐसी राजनीति कौन करता है भला

गुवाहाटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी की चेयरपर्सन व कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, मेरी सोच है कि ऐसी चीज़ों का हमें राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ज़ुबीन गर्ग की जब मृत्यु हुई तो हम सबने देखा कि असम की जनता उनसे कितना प्रेम करती है।ज़ुबीन गर्ग असम की आत्मा की आवाज़ थे, असम की अभिव्यक्ति थे। उनके हर गाने में प्रेम, एकता, असम की अस्मिता थी। हम भी उसी चीज़ के लिए लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई असम की संस्कृति, सभ्यता बचाने की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर उन्होंने कहा, चुनाव के समय दो तरह के नेता होते हैं एक जो बताते हैं कि वे जनता के लिए क्या करना चाहते हैं। दूसरे, ध्रुवीकरण कराओ, एक-दूसरे से लड़ाओ, किसी के परिवार पर आक्रमण करो।

हमारी यह राजनीति न कभी रही है और न रहेगी। जिस तरह गौरव गोगोई और उनके परिवार पर आक्रमण हो रहा है मुझे लगता है कि यह एक उदाहरण होना चाहिए कि ऐसी राजनीति गलत है। असम विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरपर्सन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य भी अलग-अलग जगहों पर गए हैं और लोगों से बात की है। जनता देख रही है कि कैसे असम की सारी संपत्ति, असम के लोगों की संपत्ति, बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दी जा रही है। यहां के लोग यह जानते हैं। हमारे नेता ने यह दिखाने के लिए एक पैम्फलेट तैयार किया है कि क्या हो रहा है।

प्रॉपर्टी विवाद में कारोबारी को जान से मारने की धमकी

इंदौर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर एक कारोबारी को जान से मारने और 40 लाख रुपए की मांग को लेकर धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी और धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस के मुताबिक ऋषि नगर निवासी सौरभ राठौर ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह प्रॉपर्टी का काम करता है। वह अपनी बेटी को लेने जा रहा था, तभी कार शोरूम के पास आरोपी प्रेम पुत्र भुजराम प्रजापत ने अपनी गाड़ी लगाकर उसे रोक लिया।

आरोप है कि प्रेम ने कहा कि जिन अधिकारियों को वह आवेदन दे रहा है, उससे कुछ नहीं होगा और प्लॉट पर कब्जा वे ही करेंगे। साथ ही 40 लाख रुपए देने और कुख्यात बदमाश किशोर हटकर उर्फ भाऊ से समझौता करने का दबाव बनाया। धमकी देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद सौरभ थाने पहुंचा और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई।

डिपोर्ट होगा मूसेवाला मर्डर का मास्टरमाइंडः कनाडा ने शुरू की 296 गैंगस्टरों की डिपोर्टेशन की प्रक्रिया

जालंधर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने संगठित अपराध, अंतरराष्ट्रीय गैंग नेटवर्क और अलगाववादी गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए 296 संदिग्ध गैंगस्टरों और आपराधिक तत्वों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुरुआती चरण में 32 आरोपियों के खिलाफ रिमूवल आदेश जारी किए गए हैं। सूची में सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के कथित मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ का नाम भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, कनाडाई एजेंसियों ने रंगदारी, ड्रग तस्करी, टारगेट किलिंग और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गठजोड़ की जांच कर सूची तैयार की। इसमें ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जिनके खिलाफ भारत में हत्या, जबरन वसूली और आतंक से जुड़े मामले दर्ज हैं। गोल्डी बराड़ पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ने के आरोप हैं। लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क के कई अन्य सदस्य भी सूची में हैं, जिन पर पंजाब व अन्य राज्यों में अपराध संचालित करने के आरोप हैं।

बाबर के नाम पर न बने कोई मस्जिद

ऐसी मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें मुगल बादशाह बाबर के नाम पर कोई भी मस्जिद नहीं बनाने देने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान याचिककर्ता के वकील ने तर्क दिया कि बाबर के नाम पर देश में किसी भी मस्जिद का निर्माण नहीं होना चाहिए।

याचिकाकर्ता के वकील ने बाबर को आक्रांता बताया है। कोर्ट में दलील दी गई कि बाबर ने हिंदुओं को गुलाम कहा था। याचिका में मांग की गई है कि ऐसे लोगों के खिलाफ तो कार्रवाई की जानी चाहिए। याचिका में मांग की गई कि अधिकारियों को आदेश दिया जाए कि बाबर के नाम पर किसी मस्जिद के निर्माण पर रोक लगे। गौरतलब है कि हाल में ही टीएमसी से निलंबित किए गए विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव बंगाल में रखी है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कबीर ने कहा था कि वो यहां बाबरी मस्जिद बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की इजाजत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा था कि 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस को कानून के शासन का घोर उल्लंघन बताया था। कोर्ट ने अपने इस फैसले में सरकार को मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष को अयोध्या के किसी मशहूर जगह पर ये जमीन देने का आदेश शासन को दिया था।

एमएलए मामन खान को लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग से खतरा, कोर्ट से मांगी सुरक्षा

पंचकूला, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले की फिरोजपुर झिरका विधान-सभा सीट से कांग्रेस विधायक मामन खान ने अपनी जान को खतरा बताते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में विधायक ने राज्य और केंद्र सरकार से पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने, जेड या जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा देने तथा बिना न्यायालय की अनुमति सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं करने के निर्देश देने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता को वाई सुरक्षा के अतिरिक्त पांच जवान अतिरिक्त दे रखे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उनमें से तीन जवान वापस ले लिए गए हैं और एस्कार्ट भी नहीं है। उनको बुलेट प्रूफ गाड़ी दी जाए। कोर्ट ने सुनवाई 24 मार्च तक स्थगित कर हरियाणा सरकार को यलो बुक अनुसार वाई श्रेणी के सुरक्षा मापदंडों के बारे में नए सिरे से शपथ पत्र दायर करने का आदेश दिया है। याचिका में विशेष रूप से कुख्यात गैंग्सटरों लारेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा से जुड़े तत्वों द्वारा निगरानी और संभावित हमले की आशंका का जिक्र किया गया है।

आरती-अजान एक साथ होने से हुआ पथराव

जबलपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सिहोरा के आजाद चौक स्थित दुर्गा मंदिर के पास गुरुवार रात आरती और अजान के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने 15 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई थी, जिसे पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में नियंत्रित किया गया। फिलहाल इलाके में शांति है और पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय मौके पर पहुंचे।

भोपाल में फ्लाइट मैनेजर ने फांसी लगाई

भोपाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल के परवलिया सड़क स्थित शांति एनक्लेव में रहने वाले एक एयरलाइंस कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। पुलिस ने एफएसएल टीम से मौके का निरीक्षण कराने के बाद मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय मुर्तजा हसन, पिता परवेज हसन, निवासी शांति एनक्लेव, परवलिया सड़क थाना क्षेत्र, के रूप में हुई है। वह इंडिगो एयरलाइंस में फ्लाइट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। उसने पांच साल पहले लव मैरिज की थी और उसकी चार साल की एक बेटी है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे मुर्तजा हसन ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उसकी पत्नी घर पर ही मौजूद थी। देर रात जब पत्नी की नींद खुली, तो उसने दूसरे कमरे में पति के शव को फांसी के फंदे पर लटका देखा।

मेट्रो स्टेशन पर युवक ने किया सुसाइड

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर एक युवक ने कथित तौर पर सुसाइड कर लिया। युवक की उम्र 17 साल बताई जा रही है। घटना शुक्रवार सुबह की है। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 11:07 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एक युवक ने मेट्रो ट्रेन के सामने छलांग लगा दी है। पुलिस के अनुसार कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि एक युवक प्लेटफॉर्म से ट्रैक पर कूद गया है और ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और मेट्रो स्टाफ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि प्लेटफॉर्म नंबर-1 से द्वारका की ओर से आ रही मेट्रो ट्रेन के सामने युवक ने अचानक छलांग लगा दी। ट्रेन की स्पीड अधिक होने के कारण चालक को ब्रेक लगाने का पर्याप्त समय नहीं मिला और युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

घर के सामान के साथ गद्दे में लिपटा था बेटी का शव

संभाजीनगर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। वाळूज एमआईडीसी इलाके में एक युवती का शव मिला है। तिसगांव चौफुली के पास गद्दे में लिपटी हुई 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, घर के सामान के साथ युवती के शव को गद्दे में लपेटकर रिक्शा से गांव ले जाया जा रहा था। पुलिस को शक होने पर रिक्शा रोका गया और जांच के दौरान गद्दे के अंदर से युवती का शव बरामद हुआ। प्राथमिक पूछताछ में पीड़ित मां ने दावा किया कि युवती के प्रेम संबंध थे। इसी कारण उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव ले जा रहा था। हालांकि, मामला संदिग्ध होने के चलते पुलिस ने मां-बाप को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेजः सीबीआई पर भी भरोसा नहीं

पीड़िता के पिता बोले- असली दोषी बचाए जा रहे

कोलकाता, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म और हत्या केस में अब नया विवाद खड़ा हो गया है। पीड़िता के पिता ने हाई कोर्ट और सीबीआई दोनों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पीड़िता के पिता का कहना है कि हाई कोर्ट ने बहुत बड़ी गलती की, जब केस सीबीआई को सौंप दिया। उनका आरोप है कि सीबीआई सही तरीके से जांच नहीं कर रही और सच्चाई छुपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सिर्फ एक आरोपी को पकड़कर असल दोषियों को बचाया जा रहा है। परिवार का आरोप है कि इस मामले में कुछ पुलिस अधिकारी, कुछ डॉक्टर और बड़े अधिकारी भी साजिश में शामिल हो सकते हैं। परिवार ने खास तौर पर डॉक्टर सुदीप्तो रॉय और कुछ पुलिस अधिकारियों से कस्टडी में पूछताछ की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने साजिश रची और मेरी बेटी को मारा, वे कभी सामने आकर यह नहीं कहेंगे कि उन्होंने उसे मारा है। हाई कोर्ट ने यह केस ऐसी जांच एजेंसी को सौंपकर बहुत बड़ी गलती की है।।। राज्य सरकार क्या कह सकती है? वह पहले दिन से ही इस मामले को दबा रही है। स्वास्थ्य मंत्री और विधायक सुदीप्तो रॉय इस साजिश में शामिल हैं। स्वास्थ्य सचिव भी इसमें शामिल हैं। मेरे पास इसका भी सबूत है।

पीड़िता के वकीलों का कहना है, सीबीआई की रिपोर्ट साफ नहीं है। जिन लोगों के नाम सामने आए, उनसे सही तरीके से पूछताछ नहीं हुई। कुछ लोग पॉलीग्राफ टेस्ट में फेल भी हुए, फिर भी उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया। पीड़ित के वकील, एडवोकेट राजदीप हलदर ने कहा कि पूरी कोलकाता पुलिस बिरादरी इस केस से जुड़ी हो सकती है और असली आरोपी को बचाने के लिए संजय रॉय को फंसाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस बिरादरी इस मामले से गहराई से जुड़ी हुई है और ड्यूटी में लापरवाही का हवाला दिया, जो उनके हिसाब से जानबूझकर की गई थी।

8-9 अगस्त 2024 की दरमियानी रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज कैंपस में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इस वारदात के बाद देशभर में भारी विरोध प्रदर्शन हुए थे। बाद में हाई कोर्ट ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाकर केस सीबीआई को दे दिया। मामले में सीबीआई ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया, जिसे उम्रकैद की सजा मिल चुकी है। लेकिन परिवार का कहना है कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बड़ी साजिश का मामला है।

फ्लाइट से गायब हो गया बीजेपी सांसद का सामान एमपी बोले- 'शर्मनाक, मेरा कीमती'

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन कंपनी इंडिगो एक बार फिर अपनी खराब सेवाओं और कुप्रबंधन को लेकर विवादों में है। ताजा मामला चांदनी चौक से बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल का है। सांसद और अखिल भारतीय व्यापारी संघ (सीएआईटी) के जनरल सेक्रेटी प्रवीण खंडेलवाल ने इंडिगो संग ट्रैवल को लेकर अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने इंडिगो एयरलाइन से सफर को बेहद शर्मनाक एक्सपीरियंस बताया है।

खंडेलवाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि मैंने आज नई दिल्ली से बेलगावी के लिए फ्लाइट 6ई-5237 से यात्रा की। मैं अपने डेस्टिनेशन तक तो पहुंच गया, लेकिन मेरा सामान नहीं मिला।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे अपने सामान के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। इससे मुझे बहुत मानसिक पीड़ा, गंभीर असुविधा और आर्थिक नुकसान हुआ है, क्योंकि मुझे तुरंत आवश्यक कपड़े और व्यक्तिगत सामान खरीदने पड़ रहे हैं। बीजेपी सांसद ने कहा कि मेरे सामान में महत्वपूर्ण और मूल्यवान दस्तावेज़ भी हैं, जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। इस तरह की लापरवाही और सामान प्रबंधन की इतनी खराब व्यवस्था बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। प्रवीण खंडेलवाल ने आगे कहा कि अगर एक मौजूदा सांसद को इस तरह का अनुभव हो रहा है तो आम यात्रियों की दुर्दशा का तो कोई अनुमान ही नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को टैग करते हुए लिखा कि मुझे तत्काल स्पष्टीकरण चाहिए।

पुलिस सुरक्षा विभाग के सचिव गोपाल रेड्डी का निधन डीजीपी ने व्यक्त की संवेदना

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस विभाग में लंबी सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और वर्तमान सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग के सचिव गोपाल रेड्डी (80) का शुक्रवार को निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे रेड्डी को नानक्रामगुड़ स्थित कॉन्टिनेंटल अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। ए. गोपाल रेड्डी ने पुलिस सेवा की शुरूआत सब-इंस्पेक्टर के रूप में की और अपनी निष्ठा एवं समर्पण से आईपीएस अधिकारी के रूप में सेवा निवृत्ति प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने बीते 20 वर्षों से सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा विभागों में सचिव के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गोपाल रेड्डी ने स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से पुलिस कर्मियों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के साथ-साथ सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत गृह ऋण, बच्चों की विदेशी शिक्षा जैसे मामलों की देखरेख में भी अहम भूमिका निभाई। 80 वर्ष की आयु में भी वे अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान बने रहे। राज्य पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गोपाल रेड्डी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों के कल्याण में उनके योगदान को याद करते हुए परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

रमजान के पहले जुमे पर मक्का मस्जिद में उमड़ी नमाजियों की भीड़

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रमजान के पहले शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा करने के लिए हजारों मुस्लिम श्रद्धालु ऐतिहासिक मक्का मस्जिद में एकत्रित हुए। नमाज के दौरान पूरे परिसर में धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला। नमाज की अजान मक्का मस्जिद के खतीब हाफिज मौलाना मोहम्मद रिजवान कुरैशी ने दी। सुबह लगभग 11:30 बजे से ही नमाजी मस्जिद में पहुंचने लगे थे और दोपहर करीब 1 बजे तक मस्जिद खचाखच भर गई। शहर के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करने पहुंचे। रमजान के महीने में मक्का मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करना बड़ी संख्या में लोगों की परंपरा मानी जाती है, क्योंकि यह राज्य की प्रमुख और सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना
Indian Institute of Technology Patna

Recruitment Notice

IIT Patna invites application from Indian citizen in prescribed format for the temporary posts of Contractual/Part-Time Sports Coaches at Sports Unit of IIT Patna. The application with copies of all certificates/testimonials etc. should reach "The Sports Officer, Gymkhana Building, IIT Patna, Bihta, Patna – 801106 "on or before 5th March 2026 by 5.00 pm. For application form and detailed advertisement please visit website www.iitp.ac.in under Notice Board section.

Adv: - IITP/SPORTS/2025-26/31 Registrar

cbc 21366/12/0002/2526

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर, गुड़गाँव,
हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6

सार्वजनिक सूचना

(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस :ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/1993 दिनांक: -14/02/2026

संदर्भ:

1.कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित *(32)* कम्पनियों का नाम राज्य तेलंगाना से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AC1475320	U70109TG2018PTC124056	एम्फोरा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
2	AC1490856	U70200TG2018PTC124104	अडेमार डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
3	AC1491734	U74999TG2017PTC119791	सिग्नोवेव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
4	AC2195271	U24232TG2007PTC054231	एंजोप्रो बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड
5	AC2238806	U45500TG2020PTC139096	सिद्धि एन्क्लोजर्स प्राइवेट लिमिटेड
6	AC1336648	U72900TG2022PTC169572	मायिएंट इन्फो टेक प्राइवेट लिमिटेड
7	AC1134206	U24232TG2014PTC096661	सिनैप्स ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड
8	AC1576342	U62099TS2024PTC188091	सिचर शील्ड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड
9	AC1190443	U45209TG2009PTC063149	एसए प्रॉपर्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
10	AC1688565	U74999TG2020PTC142540	प्रोटॉन ग्रीन पल्सेस प्राइवेट लिमिटेड
11	AC1560359	U72900TG2021PTC156945	सॉल्विंगमाइंड्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
12	AC1591032	U45400TG2021OPC157863	सिट्टीस्केप्स आरई एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
13	AC1716362	U47219TS2023PTC179867	इंडिक्यूज़ीन किचन क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड
14	AC2095938	U72200TG2010PTC068045	मोक्श मीडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
15	AC1877881	U46909TS2024PTC191128	स्टोनेक्सिया एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
16	AC2109262	U88900TS2023PTC174378	ओलिव मल्टीसोल्स प्राइवेट लिमिटेड
17	AC2105716	U39000TS2025OPC193925	थंदारी सॉल्यूशंस (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
18	AC2087506	U80222TG2021PTC147780	वी-इंस्पायर आस्क प्राइवेट लिमिटेड
19	AC2095346	U66190TS2025PTC198931	एट ओशन्स कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड
20	AC2114383	U72200TG2013PTC088612	स्मैन्क्स आईटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
21	AC2152800	U73100TS2025PTC207496	डिजिटल मणि वेब सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
22	AC2116407	U74999TG2022PTC166112	रेफॉर्मूला प्राइवेट लिमिटेड
23	AC2123642	U45200TG2009PTC063427	एचवीआर कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
24	AC2136926	U62090TS2024PTC180846	एपक्यूरियो प्राइवेट लिमिटेड
25	AC2131007	U51909TG2020PTC145814	इटर्नल फार्मर्स प्राइवेट लिमिटेड
26	AC2153356	U58200TS2025PTC202844	थॉट मशीन एआई लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
27	AC2173244	U72200TG2015PTC097377	बुलबुल ऐप्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
28	AC2205755	U62011TS2025PTC200630	फोर्टएआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
29	AC0889793	U93000TG2008PLC062305	इंटेग्रा हॉस्पिटैलिटी एंड फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड
30	AC1537045	U71100TS2024PTC187920	अडागिल सीस्मिक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
31	AC1518771	U24139TG2019PTC136824	एम्पायर अर्थ एंड सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड
32	AC1241848	U56100TS2025PTC196905	बृहट्टी प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

रौनक अग्रवाल
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0725/2526

विशेष मतदाता सूची संशोधन से पहले एईआर प्रशिक्षण तेज किया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर्स को अप्रैल में होने वाले विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) की तैयारियों को तेज करने का निर्देश देने के बाद, तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने क्षेत्रीय अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ा दिया है। इस प्रयास के तहत, हैदराबाद स्थित सीईओ कार्यालय से मेडचल-मलकाजगिरी, संगारेड्डी, रंगारेड्डी और हैदराबाद जिलों के सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

कुल 195 एईआरओ ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस मतदाता सूची की तैयारी, अद्यतन और रख-रखाव पर था, जिसमें चुनाव प्रक्रिया में सटीकता, समावेशिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सत्र के दौरान अधिकारियों को उनके कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करना, अयोग्य प्रविष्टियों को हटाना और विवरणों में सुधार करना शामिल है, जैसा कि ईसीआई के दिशानिर्देशों में निर्देशित है। श्री रेड्डी ने आगामी एसआईआर के लिए सभी तैयारियों को समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि एईआरओ की भूमिका मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने में निर्णायक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम सीईओ कार्यालय की निरंतर पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य निर्वाचन तंत्र को मजबूत करना और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।

एसीबी ने अदालत कर्मी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

उप-पंजीयक रिश्वत लेते पकड़ा गया

वारंगल/करीमनगर, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की वारंगल रेंज टीम ने शुक्रवार तड़के लगभग 1:08 बजे जयशंकर भूपालपल्ली जिला प्रधान एवं सत्र न्यायालय में कार्यरत स्टेनो ग्रेड-I पालकुर्थी साई चरण को 5,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, आरोप है कि निर्णय की प्रमाणित प्रति शिकायतकर्ता को सौंपने के लिए यह रिश्वत दो अधीनस्थ कर्मचारियों कोम्मू सुनीता और पुन्नम राजिता के माध्यम से ली गई।

रिश्वत की राशि आरोपियों में से एक के पास से बरामद की गई। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर वारंगल स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है। एक अन्य मामले में शुक्रवार अपराह्न लगभग 3:35 बजे एसीबी की करीमनगर इकाई ने पेद्दापल्ली जिले के मंथनी के उप-पंजीयक कसार्ली राजेंद्र को 16,500 रुपये की रिश्वत स्वीकार करते हुए गिरफ्तार किया। बताया गया कि भूमि पंजीकरण कराने के लिए शिकायतकर्ता से यह राशि एक निजी दस्तावेज लेखक राशीद के माध्यम से ली जा रही थी। एसीबी ने राशि बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर करीमनगर स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। जांच जारी है।

पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग में पदोन्नतियां 82 अधिकारियों को मिला लाभ

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग में लंबे समय के बाद अधिकारियों को पदोन्नतियां प्रदान की गईं। मंत्री सीताक्का की पहल पर विभाग में लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा किया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 27 डिप्टी सीईओ को पदोन्नत कर सीईओ बनाया गया है, जबकि 55 एमपीडीओ को डिप्टी सीईओ के पद पर पदोन्नति दी गई है। कुल मिलाकर 82 अधिकारियों को इस निर्णय से लाभ मिला है। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों ने प्रजा भवन में मंत्री सीताक्का से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। अधिकारियों ने लंबे समय बाद पदोन्नति का अवसर देने के लिए सरकार और मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंत्री सीताक्का ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारी हितैषी सरकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार न केवल रिक्त पदों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि कर्मचारियों को समयबद्ध पदोन्नति देने की दिशा में भी गंभीरता से कार्य कर रही है। अधिकारियों ने मंत्री को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की।

चटनी रेस्टोरेंट में इडली स्टीमर फटा, तीन कर्मचारी घायल

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एलबी नगर स्थित चटनी रेस्टोरेंट में शुक्रवार दोपहर इडली स्टीमर में विस्फोट होने से तीन कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद रेस्टोरेंट में मौजूद ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार रसोई क्षेत्र से अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिससे वहां भोजन कर रहे लोग घबरा गए और बाहर की ओर भागने लगे। होटल कर्मचारियों ने तुरंत स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। घायल कर्मचारियों को उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और चोटें जानलेवा नहीं हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। अधिकारियों को आशंका है कि खाना पकाने के उपकरण के भीतर अत्यधिक दबाव बनने से यह विस्फोट हुआ होगा। हालांकि, सटीक कारण तकनीकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, CH Thirumala Sirisha, W/o, No. 14655888F, Hav, Sreenivasulu Chenu, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from CH Thirumala Sirisha to Chenu Thirumala Sirisha, vide Affidavit No BN 820983 dt. 17.02.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, No. 14641618F, Hav, Rajesh Moorthy B, R/o, Dist: Chengalput, Tamil Nadu, changed my Mother's name from Senthamari to Senthamarai vide Affidavit No. 284729 dt 19.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ओयू प्राचार्य कासिम के खिलाफ अपराधिक मामले रद्द

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आपराधिक कानून में प्रक्रियात्मक सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर सी. कासिम के खिलाफ दर्ज दो अपराधिक मामलों को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति तुकाराम ने आपराधिक याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 195 के तहत अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया था। प्रोफेसर कासिम पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रजिस्ट्रार द्वारा जारी विरोध-प्रदर्शन प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन करते हुए धरना आयोजित किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता टी. राहुल ने दलील दी कि धारा 188 आईपीसी के अंतर्गत संज्ञान केवल संबंधित लोक सेवक द्वारा लिखित शिकायत प्रस्तुत किए जाने पर ही लिया जा सकता है, जैसा कि धारा 195 सीआरपीसी में अनिवार्य किया गया है। किंतु वर्तमान मामले में मजिस्ट्रेट के समक्ष ऐसी कोई लिखित शिकायत दाखिल किए बिना ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। उन्होंने तर्क दिया कि धारा 188 आईपीसी, धारा 195 सीआरपीसी के दायरे में आती है और इस मामले में सक्षम लोक सेवक होने के नाते रजिस्ट्रार को सीधे क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करनी चाहिए थी। पुलिस थाने में दी गई सूचना के आधार पर एफआईआर दर्ज करना धारा 195 सीआरपीसी के अनिवार्य प्रतिबंध का स्पष्ट उल्लंघन है। न्यायालय ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए कहा कि धारा 195 सीआरपीसी के तहत विधिक प्रतिबंध का उल्लंघन हुआ है, अतः समस्त कार्यवाही निरस्त की जाती है।

वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में विरोध पर भाजपा का हमला, बताया 'राष्ट्रीय शर्म'

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इकाई की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को ग्लोबल एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) शिखर सम्मेलन के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'शर्मनाक और राष्ट्रविरोधी मानसिकता' का परिचायक बताया। नई दिल्ली में जारी बयान में राज्य भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 22 देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति वाले अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर शर्ट उतारकर भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के खिलाफ नारेबाजी की, जो कार्यवाही बाधित करने और सुर्खियां बटोरने की सोची-समझी कोशिश थी। सुभाष ने कहा, जब भारत वैश्विक नेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों की मेजबानी कर रहा है, तब कांग्रेस ने देश को शर्मिंदा करने का काम किया। यह असहमति नहीं, बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण कृत्य था। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह विरोध कांग्रेस की 'हताशा और अप्रासंगिकता' को दर्शाता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या इस प्रदर्शन को पार्टी नेतृत्व की मौन स्वीकृति प्राप्त थी। सुभाष ने दिल्ली पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि भारत की एआई क्षेत्र में बढ़ती प्रतिष्ठा को वैश्विक मान्यता मिल रही है। उन्होंने डिजिटल नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और कहा कि राजनीतिक नाटकीयता से देश की प्रगति की यात्रा बाधित नहीं होगी।

अमीरपेट अग्निकांड के बाद सरकार ठोस कदम उठाए : तलसानी

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं सनतनगर से बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने शहर में बार-बार हो रही अग्नि दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से ठोस निवारक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने अमीरपेट के मैत्रीवनम के निकट आदित्य एन्क्लेव स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग की घटना स्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूतल पर स्थित विद्युत पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिससे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दमकल कर्मियों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीढ़ियों की मदद से लगभग 60 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। तलसानी ने अमीरपेट और एसआर नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय सरकार को नियमित निरीक्षण और सख्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने चाहिए। उन्होंने हाल ही में संगारेड्डी जिले में हुए औद्योगिक हादसे में मृत श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा न देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जन-धन की सुरक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

लाभकारी खेती के लिए तकनीक अपनाएं किसान : गुत्ता

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने किसानों से बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित खेती पद्धतियां अपनाने का आह्वान किया। वे एनटीआर स्टेडियम में आयोजित 'रैतू बड़ी एग्री शो' का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए 200 से अधिक स्टॉलों का निरीक्षण किया और प्रदर्शकों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि किसान न केवल अपने जीवनयापन के लिए, बल्कि समाज को अन्न उपलब्ध कराने के लिए भी समर्पित भाव से कार्य करते हैं। वैज्ञानिक पद्धति, आधुनिक मशीनरी और उन्नत तकनीकों के उपयोग से कृषि को लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से कृषि क्षेत्र में अधिक रुचि लेने का आह्वान किया और कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। एग्री शो के प्रभारी राजेंद्र रेड्डी ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से परिचित कराना है। तीन दिवसीय इस आयोजन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पंजाब और छत्तीसगढ़ के किसान भाग ले रहे हैं। प्रतिभा बायोटिक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजशेखर रेड्डी ने बताया कि उनकी कंपनी ऑर्गेनिक न्यूट्रिएंट बैलेंस्ड एग्रीकल्चर (ओएनबीए) को बढ़ावा दे रही है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Notice is hereby given to the General public that **Sri. T. Durga Prasad**-President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **"PRAJA VELUGU PARTY** with location of its Head Office R/o.5-21, Pulmamidi Village, Nawabpet Mandal, Vikarabad District-501111, Telangana State under the Registration of Political Parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the party are, **1) T. Durga Prasad**- President, **2) A. Praveen Kumar**- Vice President **3) U. Ramesh**-Gen Secretary **4) Sara Yadagiri Goud**- Treasurer. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C.Guards, Hyd-500 004, within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **"PRAJA VELUGU PARTY"** as a Political Party to contest Elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Date : 20.02.2026

Sd/- President
PRAJA VELUGU PARTY

चौदवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री भुरसिंह राजपुरोहित

सुपुत्र : स्व.श्री गोरधनसिंहजी मरुधर मे दोनड़ी की ढाणी (चण्डावल नगर)

स्वर्गवास: 21-02-2012

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

प्रेमलता (धर्मपत्नी) नीतु-अमरसिंहजी, रेखा-मनोहरसिंहजी, मीना-मनोहरसिंहजी, डिम्पल-प्रेमसिंहजी, पिंकी-अवतारसिंहजी, इन्द्रा-हितेशसिंहजी (पुत्री-दामाद), सूरज, नेहा, दिव्या, रोशनी, सिमरन, जितेन्द्र, मोहित, हंसिका, विशाल, राहुल, आदित्य, तनिशा, प्रियांश, यशवन्त, गुनगुन (दोयता-दोयती)
एवं राजपुरोहित परिवार

: फर्म : श्री हनुमान ज्वैलर्स
मेन रोड हयातनगर हैदराबाद 9849269271, 9849556571

P.Solankey

पड़ोसी पर फिदा हुई 5 बच्चों की मां

ग्रेटर नोएडा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पांच बच्चों की मां ने अपने प्रेमी और उसके दो साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या की। आरोप है कि पहले युवक को शराब पिलाई गई और फिर कई वार कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में पत्नी समेत उसके प्रेमी और दो साथियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल एक मोटरसाइकिल, एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक आलाकत्ल बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक 16 फरवरी को दादरी कोतवाली क्षेत्र की शिव वाटिका कॉलोनी के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मृतक की पहचान घोड़ी बछेड़ा गांव निवासी गोविंद रावल उर्फ भूरा के रूप में हुई। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

मानहानि केस में दर्ज कराया बयान

सुल्तानपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ हवाई अड्डे पर उतरे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी सुल्तानपुर जिला न्यायालय के लिए रवाना हो गए। राहुल गांधी के वकील काशी शुक्ला ने बताया कि राहुल गांधी आज तय समय पर कोर्ट पहुंचे। न्यायालय के सामने अपना बयान दर्ज कराया। यह बयान कानून की धारा 313 के तहत लिया गया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च 2026 को होगी। उस दिन शिकायतकर्ता पक्ष और बचाव पक्ष दोनों अपनी-अपनी दलीलें और सबूत कोर्ट में पेश करेंगे। वहीं, राहुल गांधी ने कोर्ट में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारा। कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है।

हाथ जोड़कर निकले राहुल

सुल्तानपुर एमपी एमएलए कोर्ट में करीब 20 मिनट राहुल गांधी रुके। वे हाथ जोड़कर कोर्ट के अंदर दाखिल हुए थे। वहीं कोर्ट से निकलते समय वे हाथ जोड़कर जज को धन्यवाद बोलते हुए बाहर निकले। कोर्ट से करीब 11:12 बजे निकले।

मीडिया से बात नहीं की राहुल ने

राहुल कोर्ट के अंदर पहुंच गए हैं। मीडियाकर्मियों ने उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बातचीत नहीं की। वह मुस्कुराते हुए कोर्ट के अंदर चले गए।

हमारे लिए सम्मान की बात: प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने कहा कि झूठे केस झेलना अब हमारी आदत हो गई है। राहुल पर केस हमारे लिए सम्मान का बैच है कि हम सही रास्ते पर हैं। तभी हम पर आक्रमण हो रहा है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला वर्ष 2018 का है। आरोप है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने एक सभा में कहा था कि जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसका अध्यक्ष हत्या का आरोपी है। इस बयान को लेकर सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्र ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। सुल्तानपुर की सांसद/विधायक कोर्ट ने 19 जनवरी को राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने उनके वकील काशी शुक्ला को चेतावनी देते हुए कहा था कि यह आखिरी मौका है इसके बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट के बाहर लगे पोस्टर

सुल्तानपुर कोर्ट परिसर के बाहर राहुल गांधी की तस्वीर वाले पोस्टर लगाए गए हैं, जिन पर 'सत्यमेव जयते' लिखा है। उनकी पेशी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

राहुल गांधी की पेशी को देखते हुए कोर्ट परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसएसएमएचआर अखंड प्रताप सिंह ने कोतवाली नगर पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

रेलवे का ओवरहेड लाइन ठीक करने आए दो अफसरों को सीबीआई ने दबोचा

चित्रकूट, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रेलवे का ओवरहेड लाइन (ओएचई) दुरुस्त करने पहुंचे दो अधिकारियों को सीबीआई ने तड़के चित्रकूट से दबोच लिया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई रेलवे के टीआरडी विभाग में संविदा भर्ती के नाम पर चल रहे कथित रिश्वतखोरी के रैकेट की जांच के सिलसिले में की गई है। दोनों को टीम पूछताछ के लिए लखनऊ ले गई है। जानकारी के अनुसार, खोह रेलवे स्टेशन की शंटिंग लाइन में ओएचटी तार ढीला होने की सूचना पर उरई स्थित रेलवे कार्यालय से डीईई टीआरडी शांतनु यादव और टेक्नीशियन प्रकाश कुशवाहा निरीक्षण के लिए पहुंचे थे।

दोनों ने सुबह करीब 10 बजे से अपराह्न दो बजे तक लाइन दुरुस्त करने का कार्य किया। इसके बाद वे चित्रकूट घूमने को रवाना हो गए और रात में एक होटल में ठहरे थे। इसी दौरान सीबीआई लखनऊ की टीम को उनकी लोकेशन मिली। सीबीआई इंस्पेक्टर देवेश के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे चित्रकूट के सिविल इलाके में दबिश देकर दोनों को हिरासत में ले लिया।

वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, संघ प्रमुख मोहन भागवत थे सवार, सी4 कोच का टूटा शीशा

मेरठ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वंदे भारत ट्रेन पर शुक्रवार को पथराव हुआ है। इस ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत सवार थे। सी4 कोच का शीशा टूट गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, लखनऊ से दिल्ली आ रही वंदे भारत ट्रेन पर पथराव हुआ है। हरदोई के पास ट्रेन पर कुछ उपद्रवी ने पत्थर मारा है। मामले की जांच में हरदोई पुलिस जुट गई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया हो। इसके पहले भी कई वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया है। आज जिस वंदे भारत ट्रेन में पथराव हुआ है, उसमें जेड-प्लस श्रेणी की 'एडवांस सिक्योरिटी लाइजन' (एएसएल) सुरक्षा से लैस संघ प्रमुख मोहन भागवत सवार थे। संघ प्रमुख मोहन भागवत पश्चिम यूपी के प्रवास पर हैं। मोहन भागवत आज मेरठ के माधवपुरम में संघ कार्यालय माधव कुंज में मेरठ और ब्रज प्रांत के 28 जिलों के खिलाड़ियों और कोच, प्रशिक्षक से संवाद करेंगे। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगा। मोहन भागवत खिलाड़ियों से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान खिलाड़ी संघ प्रमुख से सवाल पूछेंगे। यह पहली बार होगा, जब खिलाड़ियों के साथ संघ प्रमुख सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम में क्रिकेटर प्रवीण कुमार, भुनेश्वर कुमार, सुरेश रैना, अलका तोमर को आमंत्रित किया गया है। इस संवाद कार्यक्रम में लगभग 500 खिलाड़ियों को निमंत्रित किया गया है। वहीं, 21 फरवरी को संघ प्रमुख मेरठ और ब्रज प्रांत के 28 जिलों के प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में बुद्धिजीवी, वकील, डॉक्टर, व्यापारी, चार्टर एकाउंटेंट, इंजीनियर, एनजीओ भी शामिल होंगे।

मंदिर जैसी आकृति, विधानसभा जैसा लुक

काशी में होगा नगर निगम का सबसे हाईटेक भवन, पीएम मोदी देंगे सौगात

वाराणसी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। धर्म आध्यत्म की नगरी काशी में प्रदेश का सबसे हाईटेक नगर निगम मुख्यालय का निर्माण होगा। नगर निगम का ये नया भवन मिनी विधानसभा की तर्ज पर तैयार किया जाएगा। इस भवन में वाराणसी नगर निगम के सभी विभाग के दफ्तर एक जगह होंगे। माना जा रहा है जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इसकी आधारशिला रख सकतें है। इसके शिलान्यास के बाद महज 15 महीनों में युद्ध स्तर पर इसके निर्माण का काम पूरा किया जाएगा। नगर निगम का ये मुख्यालय सिगरा स्थित पुराने भवन को तोड़कर बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर 97 करोड़ रुपये ख़र्च होंगे। नगर निगम के पीआरओ संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह नया भवन काशी और गंगा की थीम पर होगा। इसका बाहरी स्ट्रक्चर पर मंदिर के शिखर जैसी आकृति भी नजर आएगी। इसके अलावा इसे चुनार के गुलाबी पत्थरों से तैयार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एक भवन में सभी कार्यालय

पहले फेज में इसका निर्माण जी-4 मे किया जाएगा।बाद में जरूरत पड़ने पर इसका विस्तार जी-7 तक किया जा सकता है।इस हाईटेक भवन के ग्राउंड फ्लोर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि आम जनता को एक ही परिसर में सभी बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। यहां पुलिस चौकी,बैंक,पोस्ट ऑफिस, पीआरओ कार्यालय, डाटा सेंटर, कंप्यूटर सेल, कैंटीन और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कक्ष प्रस्तावित हैं। वहीं फर्स्ट फ्लोर पर रिकार्ड रूम,कैश काउंटर,वॉल्ट रूम,मिटिंग रूम,ग्रीन रूम,जेसीओ रूम, शौचालय होगा।इसके अलावा सेकेंड फ्लोर में सर्विस एरिया, शौचालय,यूनियन हॉल सहित कई चीजे होंगी।

हाईटेक होगा सदन हॉल

इस नए मुख्यालय में 180 पार्षदों की क्षमता वाला भव्य सदन हॉल भी बनाया जाएगा। जहां लोकतांत्रिक चर्चाओं के लिए अत्याधुनिक व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके अलावा यहां दर्शक दीर्घा और अन्य चीजें भी होंगी। सदन के अलावा पार्षदों के लिए विशेष रूम और वीवीआईपी रूम होंगे, इतना ही नहीं चौथे फ्लोर पर महापौर और नगर आयुक्त का कार्यालय भी होगा। इसके अलावा एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल बनाया जाएगा। इस नए भवन के निर्माण के बाद जल संस्थान और नगर निगम से जुड़े सभी विभाग एक ही भवन में संचालित होंगे।

धीरेंद्र शास्त्री की कथा का कार्यक्रम रद्द

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की बहुप्रतीक्षित हनुमत कथा अब नहीं हो सकेगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण एलडीए ने वसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल मैदान का आवंटन निरस्त कर दिया है। यह कथा 14 से 18 मार्च 2026 के बीच आयोजित होनी थी, जिसकी तैयारियां अक्टूबर 2025 से चल रही थीं। आयोजकों और श्रद्धालुओं में इस फैसले से गहरी निराशा है। जानकारी के अनुसार आयोजन के लिए पुलिस से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिल सका। सुरक्षा व्यवस्था और संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट अनुमति नहीं दी गई। इसी कारण एलडीए ने आवंटन आदेश वापस ले लिया। अधिकारियों का कहना है कि जब तक पुलिस और प्रशासन से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त नहीं होतीं, तब तक किसी भी बड़े आयोजन के लिए सार्वजनिक स्थल उपलब्ध नहीं कराया जाता।

4 साल से कर रहा था रेप परेशान किशोरी ने तेजाब पीकर दी जान

हापुड़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में बार-बार के रेप से परेशान होकर किशोरी ने तेजाब पीकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि एक युवक ने 17 वर्षीय किशोरी के साथ कई बार दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और इसके बाद भी उसका लगातार उत्पीड़न करता रहा। दुष्कर्म के बाद उत्पीड़न से परेशान होकर करीब 15 दिन पहले पीड़िता ने तेजाब पी लिया था और अब उपचार के दौरान पीड़िता की मौत हो गई। मृतका के परिवार वालों ने मोहल्ले के ही युवक पर दुष्कर्म और इस उत्पीड़न में आरोपी के परिवार की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए एसपी से शिकायत की। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में आरोपी और उसके पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

'क्या संप्रभुता को भी गिरवी रख दिया'

अखिलेश यादव ने ट्रंप के दावे को लेकर साधा बीजेपी पर निशाना

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 11 जेट विमान गिरने का दावा किया है, जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने संप्रभुता को भी गिरवी रख दिया है। सरकार को अपना पक्ष साफ़ करना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान को टैग करते हुए भाजपा पर हमला किया। उन्होंने पूछा कि ये हमारे देश के सम्मान का मामला है। सरकार को इस पर अपनी स्पष्टीकरण देना चाहिए, कि उस दिन क्या हुआ था? अमेरिकी ट्रेड डील की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि क्या डील ने मुँह पर सील लगा दी है।

सपा अध्यक्ष ने ट्रेड डील पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, क्या सौदा ने मुंह पर मुहर लगा दी है? या तो बात साफ की जाए कि क्या हुआ था या बाहरी हस्तक्षेप के दावों को ख़ारिज किया जाए। भाजपाई राजनीति ने अब क्या संप्रभुता को भी गिरवी रख दिया है।? उन्होंने आगे लिखा, देश के नागरिकों, किसानों, कारोबारियों और मज़दूरों का हित तो भाजपा सरकार ने इस डील के माध्यम से पहले ही गिरवी रख दिया है। जब देश में न खेती होगी, न कारखाने-मिलें चलेंगी, न छोटे-बड़े उद्योग तो आम जनता को काम-रोज़गार कहाँ मिलेगा। युवक-युवतियों का भविष्य कैसे बनेगा? ये देश के सम्मान का मामला है।

अध्यक्ष अखिलेश यादव

अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया क्या दावा

बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक के बीच जंग के दौरान भारत के 11 जेट गिर गए थे। उन्होंने दोनों देशों पर भारी टैरिफ़ की धमकी देकर जंग को टाल दिया था। ट्रंप ने कहा कि उस समय हालात बेहद ख़तरनाक हो गए थे। कई विमान गिर गए थे। ट्रंप ने इन्हें बेहद महंगे जेट बताया है। ट्रंप के इस दावे के बाद भारत में सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दल एक बार फिर से इसे लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी को घेरने की कोशिश में जुट गए हैं।

'सपा ने सिर्फ ढिंढोरा पीटा, किसानों के लिए किया कुछ नहीं किया', शाही ने कसा तंज

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विधान परिषद में सपा ने कृषि और किसानों के प्रति सरकार के सौतेले व्यवहार का मुद्दा उठाया। सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा की मांग की। कहा कि वर्तमान सरकार के नौ साल में किसानों की दशा में कोई सुधार नहीं हुआ। किसान अपनी उपज का उचित मूल्य न मिलने, बढ़ती लागत, उत्पादन में कमी, बेसहारा पशुओं की परेशानी, सरकारी योजनाओं की विफलता से हताश है। इसके उत्तर में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने 2017 से पहले कृषि की यही तस्वीर थी, आप इससे उबर नहीं पाए हैं। आप केवल किसानों का ढिंढोरा पीटते थे, किया कुछ नहीं। इस पर असंतुष्टि जताते हुए सपा के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। मुद्दा उठाते हुए सपा सदस्य किरण पाल कश्यप ने कहा कि यह सरकार किसानों की नहीं उद्योगपतियों की हितैषी है। छुट्टा पशु फसल खराब कर रहे हैं, किसानों को मार रहे हैं। प्रधानमंत्री खुद को देश का चौकीदार बताते हैं, परंतु सरकार ने किसानों को चौकीदार बना दिया है। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि विस्तार अधिकारियों के पद खाली पड़े हैं। सरकार किसानों की उन्नति के प्रति उदासीन है। कृषि योजनाओं का बजट भी पूरा खर्च नहीं हो रहा। सपा सदस्य शाह आलम और शाहनवाज खान ने भी अपनी बात रखी। जवाब में कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है।

नींद में खलल पैदा किया तो भाई को कुल्हाड़ी से काट डाला

झांसी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिहारीपुरा में छोटे भाई ने बड़े भाई की कुल्हाड़ी से हत्या कर शव को घर में ही गड्ढा खोदकर दफना दिया। इतना ही नहीं, पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने खुद ही बड़े भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। मृतक के मामा की शिकायत पर पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में घर के पिछले हिस्से में खुदाई कर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कुत्ते के चक्कर में टूट गई शादी

फतेहपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के खागा थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने बारातियों द्वारा पालतू कुत्ते को पीटने पर शादी से इनकार कर दिया। दरअसल, दूल्हा बारात के साथ युवती के दरवाजे पहुंचा था लेकिन इस दौरान किसी ने घर के पालतू कुत्ते के मार दिया। जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। इस दौरान युवती के पक्ष के कई लोग घायल हो गए।

300 करोड़ की फर्जी बिलिंग का रैकेट बेनकाब

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में फर्जी बिलिंग के जरिए सरकार को बड़ा नुकसान पहुंचाने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने 300 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी बिलिंग का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने कॉपर स्क्रैप के नाम पर 50 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) भी क्लेम की थी। डीजीजीआई को इस रैकेट की गोपनीय सूचना मिली थी। जांच में पुष्टि होने के बाद 19 टीमों ने लखनऊ, दिल्ली और सोनीपत सहित विभिन्न शहरों में एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई में 100 से अधिक अधिकारी शामिल रहे।

नीट छात्रा केस: सीबीआई जांच में तेजी, पप्पू यादव के आरोपों से गरमाई सियासत

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। नीट छात्रा मौत मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी की सक्रियता बढ़ गई है। सीबीआई ने जहानाबाद में छात्रा के एक मामा और गया में मामी से पूछताछ की। परिवार से दोबारा घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। जांच का फोकस अब हॉस्टल प्रबंधन और अस्पताल की भूमिका पर भी है। मामला अब केवल आत्महत्या या हत्या की बहस तक सीमित नहीं है। परिजनों का कहना है कि शुरुआत से ही शक शंभू गर्ल्स हॉस्टल पर है। परिवार का दावा है कि घटना की सच्चाई हॉस्टल के अंदर छिपी है। उन्होंने जांच एजेंसी से संचालिका, उसके बेटे और वार्डन को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की मांग की। यूरिन टेस्ट में देरी को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने इलाज में लापरवाही बरती। प्रभात मेमोरियल अस्पताल में इलाज के तरीके पर परिवार ने आपत्ति जताई। उनका कहना है कि जरूरी टेस्ट समय पर नहीं कराए गए। दूसरे डॉक्टरों से क्रॉस-चेक कराने पर कथित तौर पर 'गलत इलाज' की बात सामने आई। इसी आधार पर सीबीआई से डॉक्टरों और नर्सों से पूछताछ की मांग की गई है।

'20 करोड़ मुसलमान और 6 करोड़ ईसाइयों की होगी घर वापसी?', भागवत के बयान पर मदनी का पलटवार

सहारनपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के मुसलमानों की घर वापसी संबंधी बयान पर जमीयत उलमा ए हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भागवत के इस बयान को देश को तबाही की ओर ले जाने वाला बताया।

भागवत पर पलटवार करते हुए मदनी द्वारा दिए गए बयान की वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही है। गुजरात के अहमदाबाद में हुए एक कार्यक्रम में मौलाना अरशद मदनी ने देश के वर्तमान हालात पर चिंता जताते हुए मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाया और कहा कि क्या 20 करोड़ मुसलमानों और छह करोड़ ईसाइयों की भी 'घर वापसी' कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें देश को नफरत और टकराव की ओर ले जाएंगी। जो आवाज देश को दुश्मनी की तरफ ले जाए, वह वफादारी की आवाज नहीं हो सकती है। मदनी ने दो टूक कहा कि शांति, भाईचारा और आपसी सद्भाव केवल धर्मनिरपेक्ष संविधान के तहत ही संभव है।

भगवा कपड़ों में जापान-सिंगापुर का दौरा करेंगे सीएम योगी

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 फरवरी से सिंगापुर और जापान के चार दिवसीय दौरे पर जाएंगे। उनके साथ 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी रवाना होगा। सीएम योगी भगवा कपड़ों में जापान-सिंगापुर की धरती पर उतरेंगे। अपने चार दिवसीय दौरे पर वो निवेशकों और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे। ये दौरान निवेश के लिहाज से अहम माना जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर और जापान जाएगा।

सीएम योगी अपने विदेश दौरे पर भी भगवा वस्त्रों में ही नजर आएंगे। हालांकि इस दौरान वो हमेशा की तरह सैंडल नहीं पहनेंगे बल्कि जूतों में नजर आएंगे। सीएम योगी के साथ प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री के ओएसडी आरपीएस रावत, विशेष सचिव अमित सिंह, आईएएस दीपक कुमार, प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रम विभाग, प्रिंसिपल सेक्रेटरी आईटी, प्रिंसिपल सेक्रेटरी टूरिज़्म, सीईओ इन्वेस्ट यूपी और निदेशक नेडा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सियासी हस्तियों और निवेशकों से मुलाकात

मुख्यमंत्री सिंगापुर में पीएम, राष्ट्रपति, गृहमंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात संभावित है। इसके अलावा 23 फरवरी को सिंगापुर और 25 फरवरी को जापान में कम्यूनिटी इवेंट का आयोजन किया जाएगा। जापान में सीएम योगी यामानाशी के गवर्नर से भी मुलाकात कर सकते हैं। सीएम योगी न सिर्फ निवेशकों से मिलेंगे बल्कि यहां रह रहे भारतीयों से भी मिलेंगे। सीएम योगी का ये दौरा यूपी के एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य प्राप्ति के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री यहां ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा, फिनटेक और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए कंपनियों को आमंत्रित करेंगे।

भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे सीएम योगी

सीएम योगी 23-24 फरवरी को सिंगापुर में रहेंगे जबकि 25-26 फरवरी को जापान दौरे पर रहेंगे। उनके विदेश दौरे में सिंगापुर और जापान में कम्यूनिटी इवेंट का आयोजन रखा गया है, जहां वो भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही वो दोनों जगहों पर निवेश को लेकर रोड शो का भी आयोजन करेंगे।

'अगर आधार और भुगतान डिजिटल तो मतदाता सूची क्यों नहीं?'

कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर उठाए बड़े सवाल

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। देश में डिजिटल पहचान और डिजिटल भुगतान की बड़ी व्यवस्था खड़ी हो चुकी है, लेकिन मतदाता सूची को पूरी तरह डिजिटल रूप में सभी के लिए उपलब्ध न कराने पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जब 1.4 अरब लोगों का आधार डाटा डिजिटल है तो वोटर लिस्ट को इलेक्ट्रॉनिक रूप में देने में दिक्कत क्यों है। उन्होंने चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग की है। भारत में आधार प्रणाली लगभग 1.4 अरब लोगों को कवर करती है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल पहचान व्यवस्था माना जाता है। हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक संरचना की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत ने 1.4 अरब लोगों के लिए डिजिटल पहचान बनाई है और हर महीने 20 अरब डिजिटल लेनदेन की क्षमता विकसित की है। कांग्रेस का कहना है कि जब देश में डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य आईडी और अन्य सेवाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं, तो मतदाता सूची को भी पूरी तरह डिजिटल और सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। पार्टी का तर्क है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और दोहराव या गड़बड़ी की आशंका कम होगी। चुनाव आयोग की ओर से इस पर औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। यह मुद्दा ऐसे समय उठा है जब देश में डिजिटल शासन को लेकर सरकार की उपलब्धियों की चर्चा हो रही है। अब देखना होगा कि मतदाता सूची के डिजिटलीकरण को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं और क्या सभी नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक पहुंच मिलती है।

नीम करोली के चढ़ावे का रिकॉर्ड कहां है

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी रिपोर्ट

पिथौरागढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सरकार से प्रसिद्ध नीम करोली बाबा मंदिर में आने वाले करोड़ों रुपये के दान के बारे में जानकारी मांगी है। यह मामला तब अदालत तक पहुंचा जब एक स्थानीय व्यक्ति ने मंदिर ट्रस्ट के खातों में पारदर्शिता नहीं होने पर सवाल उठाए। पिथौरागढ़ जिले के बासिखेत निवासी ठाकुर सिंह दसीला ने हाईकोर्ट को पत्र लिखकर बताया कि मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट की बुनियादी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का नाम, रजिस्ट्रेशन की जानकारी, कार्यालय का पता, ट्रस्टियों की संख्या और उनकी नियुक्ति का रिकॉर्ड आधिकारिक दस्तावेजों में उपलब्ध नहीं है। दसीला का कहना है कि मंदिर में हर साल करोड़ों रुपये का दान आता है, जिसमें विदेशों से आने वाले भक्तों का बड़ा योगदान भी शामिल है। लेकिन आय, खर्च और ऑडिट रिपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। उनका कहना है कि इससे फंड के इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। याचिका में बताया गया कि देश के बड़े मंदिरों का संचालन कानून के तहत गठित समितियों या प्राधिकरणों द्वारा किया जाता है। जैसे बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर का प्रबंधन एक विशेष कानून के तहत होता है, जबकि जागेश्वर मंदिर की देखरेख जिला प्रशासन करता है।

और क्या हैं मांग?

ट्रस्ट एक्ट, 1882 के तहत धार्मिक ट्रस्टों को अपना ट्रस्ट डीड, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, ट्रस्टियों की जानकारी, संपत्ति का विवरण और सालाना ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करनी होती है। दसीला ने मांग की कि मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन में गांव के लोगों और सम्मानित नागरिकों को भी शामिल किया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने बुधवार को इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्तों के भीतर विस्तृत जवाब देने को कहा है। अदालत ने कहा कि जब मंदिर में बड़ी रकम का दान आता है, खासकर विदेशों से भी, तो प्रबंधन में पारदर्शिता बहुत जरूरी है।

नीम करोली बाबा मंदिर विश्व प्रसिद्ध है और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मंदिर की आध्यात्मिक मान्यता और चमत्कारों की वजह से यहां भारी भीड़ और चढ़ावा आता है। हाईकोर्ट का दखल इस दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि दान की राशि धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सही तरीके से खर्च हो। इस मामले ने उत्तराखंड में धार्मिक ट्रस्टों के प्रबंधन को लेकर बहस छेड़ दी है। अब सरकार को अदालत को बताना होगा कि मंदिर में आने वाले दान का हिसाब-किताब कैसे रखा जाता है और क्या सही निगरानी व्यवस्था मौजूद है।

मैहर में पुतला दहन के दौरान बड़ा हादसा, कांग्रेस के प्रदर्शन में यातायात प्रभारी झुलसे

सतना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मैहर में शुक्रवार को कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रदर्शन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। बजट को लेकर विरोध और नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता अलाउद्दीन तिराहे पर एकत्र हुए थे। प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन किया जा रहा था, तभी अचानक आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर तैनात एक पुलिस अधिकारी इसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए पुतला दहन कर रहे थे।

पुतले में डाले गए ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग तेजी से भड़क गई। इसी दौरान वहां मौजूद यातायात प्रभारी विक्रम पाठक की वर्दी में आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तत्काल मौजूद पुलिसकर्मियों और कुछ कार्यकर्ताओं ने सूझबूझ दिखाते हुए विक्रम पाठक की वर्दी पर लगी आग बुझाई।

प्रेमिका के साथ रंगेहाथ पकड़े गए रीवा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, फिर पत्नी ने कर दिया ये कांड

रीवा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रीवा से अलग तरह का मामला सामने आया है। एक शादीशुदा डॉक्टर की प्रेम कहानी में उस वक्त खलल पड़ गया, जब प्रेमिका के साथ घूमते वक्त डॉक्टर की पत्नी ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की कार का पीछा कर रही उनकी पत्नी ने प्रेमिका के साथ रंगरलियां मनाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद पत्नी ने बीच सड़क पर न सिर्फ कार रुकवाई बल्कि उनकी प्रेमिका को बाल पकड़कर कार से बाहर खींच लिया और प्रेमिका की धुनाई शुरू कर दी। जब डॉक्टर ने पत्नी को रोकने का प्रयास किया तो वे भी पत्नी के गुस्से का शिकार हो गए। बीच सड़क में लगभग एक घंटे तक चले इस ड्रामे का राहगीरों ने वीडियो वायरल कर दिया। डॉक्टर का प्रेम प्रसंग लंबे अरसे से एक युवती के साथ चल रहा था, जिसकी भनक उनकी पत्नी डॉक्टर को लग चुकी थी। भनक लगते ही पत्नी अपने पति डॉक्टर पर निगाह रखने के साथ-साथ उनका पीछा करने लगीं।

इसी दौरान पत्नी ने अपने पति हृदय रोग विशेषज्ञ को उनकी कार में ही प्रेमिका के साथ रंगरलिया मनाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

मध्य प्रदेश के बजट में नर्मदा परिक्रमा की उपेक्षा आहत करने वाली : कमलनाथ

भोपाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए बजट में नर्मदा परिक्रमा पथ के लिए विशेष प्रावधान न किए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सवाल उठाए हैं और कहा है कि यह आहत करने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार के बजट में मां नर्मदा परिक्रमा पथ को नजरअंदाज करना आहत करता है। नर्मदा मध्य प्रदेश की आस्था, संस्कृति और जीवनधारा का प्रतीक है। हजारों-लाखों श्रद्धालु हर वर्ष नर्मदा परिक्रमा करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस वर्ष के राज्य बजट में नर्मदा परिक्रमा पथ के विकास का कहीं उल्लेख तक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पिछले दिनों परिक्रमा पथ की स्थिति पर सवाल उठाए थे। उसका जिक्र करते हुए कहा कि कुछ माह पूर्व खरगोन जिले की सनावद तहसील में अलीबुजुर्ग से टोकसर के बीच परिक्रमावासियों को हो रही गंभीर परेशानियों का मुद्दा उठाया गया था। मार्ग की जर्जर स्थिति, मूलभूत सुविधाओं का अभाव और सुरक्षा संबंधी समस्या स्पष्ट रूप से सामने लाई गई थीं। अपेक्षा थी कि सरकार संज्ञान लेकर ठोस कार्यवाही करेगी, लेकिन आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आगे कहा कि धर्म और आस्था केवल भाषणों और आयोजनों तक सीमित नहीं हो सकते। यदि सरकार वास्तव में श्रद्धालुओं के सम्मान और सुविधा के प्रति प्रतिबद्ध है, तो नर्मदा परिक्रमा पथ को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान है। यह हजारों परिवारों, स्थानीय अर्थव्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि नर्मदा परिक्रमा पथ को श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक मानते हुए इसके व्यापक सुधार एवं विकास के लिए स्पष्ट योजना, बजट प्रावधान और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जजों पर 258 शिकायतों की सार्वजनिक, आरटीआई के तहत दी जानकारी

देहरादून, 20 फरवरी (एजेंसियां)। न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अधीनस्थ न्यायालयों के जजों के खिलाफ मिली शिकायतों की जानकारी सार्वजनिक कर दी है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत यह जानकारी देने वाला यह देश का पहला हाईकोर्ट बन गया है। इस फैसले को न्यायपालिका में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। हाईकोर्ट के सतर्कता प्रकोष्ठ के मुताबिक 1 जनवरी 2020 से 15 अप्रैल 2025 के बीच राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ कुल 258 शिकायतें दर्ज हुईं। इन शिकायतों की जांच के बाद चार न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। हालांकि किसी भी जज या अधिकारी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, ताकि उनकी व्यक्तिगत पहचान सुरक्षित रहे। यह पूरा मामला मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान), हल्द्वानी के संजीव चतुर्वेदी द्वारा दायर आरटीआई आवेदन के बाद सामने आया।

पांच साल तक पेट में रहा सर्जिकल औजार, स्वास्थ्य मंत्री ने जांच और निलंबन की कार्रवाई के दिए आदेश

तिरुवनंतपुरम, 20 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुन्नप्रा की रहने वाली उषा जोसेफ के पेट में सर्जरी के पांच साल बाद एक सर्जिकल औजार मिला है। एक्स-रे में आर्टरी फोर्सेप्स दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा है कि मामले में सख्त कार्रवाई होगी। परिवार के मुताबिक उषा जोसेफ ने मई 2021 में वंदनम स्थित अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज में गर्भाशय में फाइब्रॉयड हटाने की सर्जरी कराई थी।

सर्जरी के बाद उन्हें लगातार पेट दर्द रहता था। उनके बेटे शिबिन ने बताया कि वे कई बार उसी अस्पताल गए, लेकिन दर्द की वजह नहीं बताई गई। हाल ही में किडनी स्टोन के शक में कराए गए एक्स-रे में आर्टरी फोर्सेप्स दिखा। परिवार ने मेडिकल कॉलेज की बजाय कोच्चि के एक निजी अस्पताल में इलाज कराने का फैसला किया। शिबिन ने कहा कि डॉक्टर पहले स्कैन कर औजार की सही जगह पता करेंगे और फिर जल्द सर्जरी करेंगे। परिवार ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने मुआवजे से इनकार किया। अब अंबलप्पुझा थाने में शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया गया है।

डॉ. ललितांबिका, जिन पर आरोप लगे हैं, ने कहा कि उन्होंने सर्जरी नहीं की थी। उन्होंने बताया कि वह रिटायरमेंट के समय बड़े मामलों में शामिल नहीं थीं। उन्होंने यह भी कहा कि एक्स-रे में दिखा औजार छोटा 'मॉस्किटो फोर्सेप्स' है, कैंची नहीं। उनके अनुसार यह सिस्टम फेल्योर हो सकता है और पहले की किसी सर्जरी से भी यह रह गया हो सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट डायरेक्टर ऑफ मेडिकल एजुकेशन को सौंपी गई है। जो अधिकारी अभी सेवा में हैं, उन्हें निलंबित किया जाएगा। कोट्टायम और तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ डॉक्टरों की विशेषज्ञ समिति बनाई गई है। रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई होगी और पुलिस को भी जानकारी दी जाएगी। मंत्री ने सिस्टम फेल्योर के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सभी अस्पताल डब्ल्यूएचओ गाइडलाइन का पालन करते हैं। बिना स्क्रब नर्स के सर्जरी होना ही नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने 2017 की समान घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मरीज की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले से आतंकी गिरफ्तार: हथियार और गोला बारूद बरामद

इटानगर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती जिले लोंगडिंग में एक संयुक्त अभियान के दौरान एनएससीएन-आईएम के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। इटानगर के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार यह अभियान असम राइफल्स, विशेष टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया था। मिली सूचनाओं के आधार पर, सुरक्षा बलों ने आज लोंगडिंग पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत जेडुआ गांव के पास टिसिंग में अभियान चलाया और एनएससीएन-आईएम के एक चरमपंथी को गिरफ्तार करके एक बड़ी आतंकी साजिश को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान के रूप में हुई है, जो नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का एक सदस्य है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, एक 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल के बरामद किए।

इसी बीच, एक अलग अभियान में, अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने नामसाई जिले में लगभग सात लाख की कीमत के 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की और एक महिला को गिरफ्तार किया। इसमें एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह जब्ती मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के लिए अरुणाचल प्रदेश पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रमजान में चंदा संग्रह को लेकर आदेश पर सियासत न हो, बोले सीएम उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रमजान के दौरान चंदा संग्रह को विनियमित करने संबंधी किश्तवाड़ के उपायुक्त के आदेश पर उठे विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह फैसला स्थानीय धर्मगुरुओं से विचार-विमर्श के बाद लिया गया है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों गुलाम अहमद मीर और निजाम-उद-दीन भट द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मामले की जांच की और पाया कि उपायुक्त ने यह आदेश मनमाने ढंग से जारी नहीं किया। रमजान से पहले सभी जिला उपायुक्तों को स्थानीय समुदायों से संवाद कर जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री के अनुसार, किश्तवाड़ और आसपास के क्षेत्र के मुस्लिम धर्मगुरुओं ने उपायुक्त से मुलाकात कर शिकायत की थी कि रमजान के दौरान कुछ लोग फर्जी गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के नाम पर चंदा इकट्ठा करते हैं। कई बार दान मरीजों या जरूरतमंदों के नाम पर लिया जाता है, जिनकी सत्यता की पुष्टि नहीं हो पाती और यह स्पष्ट नहीं होता कि राशि का उपयोग कैसे किया जा रहा है। इससे वास्तविक और पंजीकृत संस्थाओं को नुकसान होता है।

भाजपा के बागी सेक्यूलर फ्रंट के नारायण चौधरी बने महापौर

भिवंडी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मेयर चुनाव का नतीजा आ गया है जिसमें बीजेपी उम्मीदवार की हार हुई है और पार्टी से बगावत कर सेक्युलर फ्रंट बनाने वाले नारायण चौधरी की जीत हुई है। नारायण चौधरी अब भिवंडी के मेयर चुने गए है। नारायण चौधरी को इस चुनाव में कुल 48 वोट मिले हैं।

बता दें कि बीजेपी नेता नारायण चौधरी की लीडरशिप में नौ पार्षदों ने भाजपा से बगावत कर दूरी बना ली और ये सभी काउंसलर कांग्रेस के सपोर्ट वाले 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' के करीब चले गए और फिर उनके लीडर नारायण चौधरी मेयर चुन लिए गए। बीजेपी के कुछ पार्षदों के कांग्रेस के सपोर्ट वाले फ्रंट में जाने से भिवंडी में माहौल 2017 के मेयर चुनाव के जैसा हो गया था। भाजपा समर्थकों ने इस घटनाक्रम को 'स्ट्रेटजिक पैंतरा' बताया था। बीजेपी ने बगावत करने वाले पार्षदों पर कार्रवाई करने की बात कही है। ऐसा कहा जा रहा है कि बीजेपी में दरार तब शुरू हुई जब उसने अपना मेयर कैंडिडेट बदल दिया और नारायण चौधरी का पत्ता कट गया। पार्टी ने शुरू में नारायण चौधरी को पार्टी का कैंडिडेट बताया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह स्नेहा पाटिल को उम्मीदवार बनाया था। इसके बाद नारायण चौधरी गुट ने दावा किया कि इस कदम से काउंसलर्स में नाराजगी पैदा हुई है।

परीक्षा में एंट्री नहीं मिलने से छात्रा ने दी थी जान तेजस्वी बोले- 'नीतीश-भाजपा सरकार, बेटियों के लिए काल'

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पटना से सटे मसौढ़ी थाना क्षेत्र में एक मैट्रिक की छात्रा की रेलवे ट्रैक से लाश मिली थी। वह मैट्रिक की छात्रा थी। परीक्षा केंद्र पर 10 मिनट देरी होने के चलते एंट्री नहीं मिली तो उसने जान दे दी। इस पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार (20 फरवरी, 2026) को सरकार को घेरते हुए हमला बोला। कहा की नीतीश-भाजपा सरकार बिहार की बेटियों के लिए काल है। अपने एक्स पोस्ट में तेजस्वी यादव ने लिखा है, बिहार की बेटियों का काल बनी नीतीश-भाजपा सरकार। पटना जिले के मसौढ़ी थाना क्षेत्र की कोमल कुमारी दसवीं की छात्रा थी। मां-बाप की उम्मीद और सुनहरे भविष्य की आशा। 10वीं कक्षा की पहली परीक्षा थी।

जाम और अव्यवस्था के चलते परीक्षा केंद्र पहुंचने में कुछ मिनटों की देरी हो गई और उसे परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला। उसके लिए बिहार सरकार सारे दरवाजे बंद कर चुकी थी। यह केवल स्कूल का दरवाजा ही नहीं था बल्कि

दरवाजा उसके भविष्य का, उसकी सफलता का, उसकी नियति का और सबसे बढ़कर दरवाजा उसके जीवन का। कोमल कुमारी ने गुहार लगाई, मिन्नतें की कि उसे परीक्षा में बैठने दिया जाए पर किसी का दिल नहीं पसीजा। अंत में इस सरकारी व्यवस्था से निराश, हताश और परेशान होकर बिहार की इस कोमल बेटी ने कठोर बन ट्रेन के आगे कूद कर अपनी जान दे दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहारी होने के नाते हम दुखी हैं, गमजदा हैं और हताश हैं। क्रूर निकम्मी सरकार के शासन में आखिर बेटियों की जान लीलती इन अव्यवस्थाओं का कोई अंत भी तो नहीं दिखाई देता। हर जगह से तस्वीरें और वीडियो आ रहे हैं, बेटियां परीक्षा केंद्र के बंद गेट के आगे रो रही हैं पर दुख सुनने वाला कोई नहीं है। आरजेडी नेता ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि इस बहरी व्यवस्था के आगे अगर किसी और बेटी ने जान दे दी तो कितना खौफनाक होता चला जाएगा ये सब। हम सभी को बोलना होगा, आवाज उठानी होगी। हम किसी भी कीमत पर बिहार की किसी और बेटी की जान एक दो मिनट की देरी के कारण नहीं जाने देंगे। हमारी बेटियां हमारा गर्व हैं और बिहारवासी अपने गर्व को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

अनपढ़ कुम्हार को 1 करोड़ 25 हजार का जीएसटी नोटिस, मिट्टी के बर्तन और खिलौने बनाता है परिवार

रायबरेली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक कुम्हार को इनकम टैक्स विभाग की तरफ से 1 करोड़ 25 हजार का नोटिस मिला है। यह कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करता है। कुम्हार का नाम मोहम्मद शहीद है। वह पढ़ा-लिखा नहीं है। उसे डाक के जरिए यह नोटिस मिला है। उसने जब किसी और से नोटिस पढ़वाया तो उसे पता चला कि उसे एक करोड़ 25 हजार रुपये का टैक्स देना है। कुम्हार का परिवार हरचंदपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। मिट्टी के बर्तन बनाकर गुजर-बसर करता है। नोटिस मिलने के बाद परिवार सदमे में है। कुम्हार को जीएसटी का 1 करोड़ 25 हजार 297 रुपये का नोटिस मिला है। यह नोटिस केंद्रीय माल एवं सेवा कर व केंद्रीय उत्पाद शुल्क, वैशाली प्रभा मंडल हाजीपुर से जारी हुआ है। मोहम्मद शहीद का परिवार पुश्तैनी तौर पर कुल्हड़, मिट्टी के बर्तन और खिलौने बनाता आ रहा है। इसी के जरिए वह अपना गुजारा करते हैं।

एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर सियासत के बीच राज ठाकरे का बड़ा बयान

कहा- मैं कल सीएम से मिल सकता हूं...

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ठाकरे ने शिवसेना के नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर चल रही सियासत पर प्रतिक्रिया दी है। पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि हर बार किसी दो नेताओं की मुलाकात में राजनीति क्यों खोजी जाती है? अब चुनाव समाप्त हो चुके हैं। अगर हमें कुछ अच्छे और सकारात्मक काम करने हैं, तो क्या हमें एक-दूसरे से नहीं मिलना चाहिए? मैं कल मुख्यमंत्री से मिल सकता हूं। राज्य के कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, उसी सिलसिले में मुलाकात होगी। अगर आप वहां होते, तो मैं आपसे भी ये बातें करता। उन्होंने कहा कि डेवलपमेंट का मतलब सिर्फ सड़कें बनाना नहीं है। शहरों में जैसे सूजन गई है। जगह वही है, सड़कें वही हैं, लेकिन आबादी बढ़ गई है। गाड़ियों की संख्या बहुत बढ़ चुकी है। पार्किंग में गाड़ियां खड़ी करने के बजाय सड़कों पर खड़ी कर दी जाती हैं। इमारतों में पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद गाड़ियां सड़क पर खड़ी रहती हैं। यह हर शहर की समस्या बन चुकी है।

मनसे चीफ ने कहा कि शहरों में आने वाले लोग वापस नहीं जाते। इस बारे में मैंने भूषण गगरानी को फोन कर जानकारी दी है। ओला-उबर जैसी सेवाओं में भी पार्किंग को लेकर कोई अनुशासन नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि जब तक जुर्माना सख्ती से नहीं वसूला जाएगा, तब तक शहरों में अनुशासन नहीं आएगा। पूरी व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है। हालात ऐसे हैं कि जैसे बाड़ ही खेत को खा रही हो। हमारे ही लोग कागजात उपलब्ध कराते हैं, उन पर कार्रवाई कब होगी? ठाकरे ने कहा कि क्या हम यह तय करेंगे या नहीं कि किसी शहर में कितने लोग आ सकते हैं और रह सकते हैं? हमारे शहर बर्बाद हो रहे हैं। एक राज्य के नागरिक और विपक्ष के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि मैं इन मुद्दों पर बोलूं। पहले चुनाव के बाद नेता एक-दूसरे से मिलते थे और बातचीत करते थे।

पाकिस्तान ने भारत के 'दोस्त' रूस पर डाले डोरे

पुतिन को दिया अरब सागर के ट्रेड रूट का लालच

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने रूस को अरेबियन सी में ट्रेड रूट मुहैया कराने का फैसला लिया है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में कम्युनिकेशन मिनिस्टर अब्दुल अलीम खान ने इसकी जानकारी दी है। खान ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान अपने अरब सागर के पोर्ट के जरिए रूस और बिना समुद्री सीमाओं वाले सेंट्रल एशियाई देशों को ट्रेड रूट की पेशकश कर रहा है। यह पाकिस्तान और रूस के बीच व्यापारिक रिश्तों को बढ़ाने की ओर नया कदम है। बीते कुछ महीनों में दोनों देशों के नेताओं के बीच लगातार बैठकें हुई हैं।

अब्दुल अलीम खान का कहना है कि इस समुद्री रूट से पाकिस्तान स्टेटेजिक ट्रांजिट हब बन जाएगा क्योंकि रीजनल सप्लाई चेन दूसरे कॉरिडोर की ओर बढ़ रही हैं। पाकिस्तान अपनी भौगोलिक स्थिति का फायदा लेते हुए जमीन से घिरी सेंट्रल एशियाई इकॉनमी को गर्म

पानी वाले पोर्ट से जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

सेंट्रल एशिया के देशों और रूस ने हाल के सालों में ऐसे रूट की तलाश की है, जो ट्रेडिशनल समुद्री चोकपॉइंट और लंबी शिपिंग लेन को बायपास करते हैं। पाकिस्तान की सरकार कराची और ग्वादर के अपने पोर्ट को साउथ एशिया, मिडिल ईस्ट और यूरेशिया को जोड़ने वाले गेटवे के तौर पर पेश कर रहा है। पाकिस्तान चाहता है कि इन देशों की निर्भरता उस पर हो जाए।

अब्दुल अलीम ने बताया कि बेलारूस, रूस और सेंट्रल एशिया कॉरिडोर में पाकिस्तान का स्टेटेजिक इंटीग्रेशन रीजनल कनेक्टिविटी की नई शुरुआत है। इन कोशिशों के तहत छह लैंड कॉरिडोर ट्रांजिट ट्रेड को आसान बना रहे हैं। इसमें तुर्की, अजरबैजान और ईरान के अलावा चीन-कजाकिस्तान कनेक्टिविटी और सेंट्रल एशियाई देशों को अरब सागर से जोड़ने वाले ट्रांस-अफगान लिंक शामिल हैं।

रूस-पाकिस्तान का रिश्ता

पाकिस्तान और रूस पारंपरिक सहयोगी नहीं रहे हैं। इसकी अहम वजह रूस के भारत से करीबी रिश्ते और पाकिस्तान का अमेरिकी कैंप का देश होना रहा है। हालांकि हालिया महीनों में यह स्थिति बदलती दिखी है। दोनों देश अपने रिश्ते को सुधार रहे हैं। खासतौर से व्यापार के क्षेत्र में पाकिस्तान ने रूस से संबंध सुधारने पर जोर दिया है।

पाकिस्तान के मिनिस्टर अब्दुल अलीम खान ने हाल ही में रूसी मंत्री दिमित्री स्टानिस्लावोविच जेवरेव से मुलाकात की थी। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि मॉस्को-इस्लामाबाद के लिए सीधी फ्लाइट बिना देर किए शुरू की जानी चाहिए। दोनों पक्षों ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सहयोग के लिए सड़क नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर के विकास पर जोर दिया गया।

महिला कॉन्स्टेबल से रेप 3 बार अबॉर्शन कराया डिप्टी-कलेक्टर सस्पेंड

बालोद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में महिला आरक्षक से रेप के आरोपी डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके को निलंबित कर दिया गया है। 6 महीने पहले जिले के डौंडी थाना क्षेत्र में एक महिला आरक्षक ने एफआईआर दर्ज कराई थी कि दिलीप उइके ने शादी का झांसा देकर उससे 7 साल तक संबंध बनाए। इस दौरान वह 3 बार प्रेग्नेंट हुई, तीनों बार जबरन अबॉर्शन भी करवा दिया था। जब उइके पर रेप का आरोप लगा तब वह बीजापुर में पदस्थ था। युवती ने शिकायत में बताया कि डिप्टी कलेक्टर ने उसके नाम से कार खरीदी, 3 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवाए। शादी की बात करने पर टालमटोल करता रहा। इसके बाद विवाद बढ़ा तो बातचीत बंद कर दी थी। वता दें कि 6 महीने तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता ने आरटीआई लगाया था। जहां सामान्य प्रशासन विभाग ने सस्पेंड होने की जानकारी दी। आरोपी डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके डौंडी ब्लॉक के अंबारी गांव का रहने वाला है।

बांग्लादेश की राजनीति में नया विवाद

छात्र नेता ने तारिक रहमान के खिलाफ खोला मोर्चा, भारत से बताया कनेक्शन

ढाका, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान पर विपक्षी दल एनसीपी के नेता नाहिद इस्लाम ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। एनसीपी कन्वीनर नाहिद इस्लाम ने दावा किया है कि बीएनपी की जीत के लिए, तारिक ने चुनाव से पहले भारत और अवामी लीग के साथ मिलीभगत कर ली थी। इसी वजह से सरकार बनने के बाद अवामी लीग के दफ्तर फिर से खोलने की इजाजत दी जा रही है।

नाहिद ने तारिक पर आपराधिक गतिविधियों और भ्रष्टाचार में शामिल रहे लोगों को मंत्री बनाने का भी आरोप लगाया है। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के तीन दिन बाद ही नाहिद की ओर से उन पर ना सिर्फ आरोपों की बौछार की गई है बल्कि आंदोलन की धमकी भी गई है। नाहिद इस्लाम 2024 में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले आंदोलन का अहम चेहरा थे। उनको मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में सलाहकार बनाया गया था। उनकी पार्टी ने हालिया चुनाव में बीएनपी के खिलाफ जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है। चुनाव में बीएनपी को बड़ी जीत मिली है।

भारत विरोधी रुख रखने वाले नाहिद इस्लाम का कहना है कि तारिक के पीएम बनते ही शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने कई जिलों में अपने दफ्तर फिर से खोले हैं। यह तारिक रहमान सरकारकी हरी झंडी के बिना नहीं हो सकता है। इससे साफ है कि बांग्लादेश के चुनाव में भारत, अवामी लीग और बीएनपी के बीच मिलीभगत थी। नाहिद इस्लाम ने सरकार को चेताते हुए कहा कि अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की कोशिश का कड़ा विरोध किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन ने अवामी लीग के कार्यालयों को तुरंत बंद नहीं कराया तो हम राजनीतिक प्रतिरोध का आह्वान करेंगे। हम लीग के फिर से पैर जमाने के लिए सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे।

नाहिद इस्लाम ने कहा कि भ्रष्टाचार और बैंकों में फ्रॉड करने वालों को तारिक रहमान ने मिनिस्टर बना दिया है। उन्होंने कहा, 'तारिक ने जिन लोन डिफॉल्टर्स को सांसद और मिनिस्टर बनाया है, वे अपना कर्ज कब चुकाएंगे। एंटी-करप्शन की बात करना और लोन डिफॉल्टर्स को साथ रखना देश के लोगों के साथ धोखा है।'

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- मुनीर मेरे बॉस नहीं

सेना अब सरकार नहीं चलाती, इतिहास में दखल था, अब सिस्टम अलग है

म्यूनिख, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बॉस नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बॉस प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं।

फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं। उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या आज भी सेना पाकिस्तान को नियंत्रित कर रही है, तो उन्होंने कहा कि अब ऐसा नहीं है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी।

उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है।

ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ छिपकर लड़ाई (प्रॉक्सी वार) कर रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है।

आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा।

आसिफ ने यह भी कहा कि भारत के साथ युद्ध की संभावना अभी भी खत्म नहीं हुई है।

एग्जाम सेंटर पहुंचने से पहले 12वीं के छात्र की मौत

सरगुजा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 3 लोगों की मौत हो गई। सरगुजा में 12वीं बोर्ड एग्जाम देने जा रहे 2 दोस्तों की बाइक अनियंत्रित होकर सामने चल रही बाइक से टकरा गई। हादसे में पीछे बैठा छात्र 12 फीट तक ऊपर उछल कर नीचे गिरा और मौके पर ही दम तोड़ दिया। दूसरा युवक गंभीर है। मामला बतौली थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है 9 बजे एग्जाम सेंटर पहुंचना था। जहां घटना हुई वहां से सेंटर 5 किलोमीटर दूर था। छात्र पहले ही लेट हो चुके थे। इसलिए बाइक स्पीड में चला रहे थे। एग्जाम सेंटर पहुंचने से ठीक 10 मिनट पहले एक्सीडेंट हो गया।

दूसरा मामला महासमुंद जिले का है। जहां गुरुवार रात बाइक सवार 2 लोग खड़े ट्रैक्टर से टकराकर नीचे गिर गए। पीछे से आ रही तेज रफ्तार हैवी गाड़ी ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया। घटना के बाद शव के सिर से लोथड़े बाहर आ गए थे।

कनाडा ने किया इमिग्रेशन में बड़ा बदलाव

2026 के लिए एक्सप्रेस एंट्री की नई श्रेणियां घोषित, भारत के इन लोगों को फायदा

ओटावा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा ने इमिग्रेशन में बड़ा बदलाव किया है। देश की इमिग्रेशन मिनिस्टर लीना मेटलेज डियाब ने कल रात 2026 के लिए नई एक्सप्रेस एंट्री इमिग्रेशन कैटेगरी की घोषणा की है। इस प्लान का मकसद देश का एक मजबूत भविष्य बनाने के लिए स्किल्ड वर्कर्स के लिए स्थायी नागरिकता का रास्ता आसान करना है। इमिग्रेशन मंत्री डियाब ने कनाडाई अनुभव वाले रिसर्चर्स और सीनियर मैनेजर्स, पायलट और एयरक्राफ्ट मैकेनिक्स जैसे ट्रांसपोर्ट-सेक्टर वर्कर्स और विशेषज्ञता वाले लोग (जैसे डॉक्टर्स, नर्सेस और पायलट्स) के लिए स्किल्ड विदेशी मिलिट्री रिक्रूट्स के लिए टारगेटेड एक्सप्रेस एंट्री पाथवे को जोड़ने की भी घोषणा की है।

डियाब ने कहा कि स्थाई रेजिडेंस के लिए एक साफ रास्ता देकर हम इनोवेशन और ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए बड़ी कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। जिसमें दिसंबर में इनोवेशन, साइंस और इकोनॉमिक डेवलपमेंट कनाडा की तरफ से दुनिया के जाने-माने रिसर्चर्स को कनाडा में लाने के लिए, अनाउंस किया गया 1.7 अरब डॉलर का इनिशिएटिव भी शामिल है।

कनाडा सरकार की दलील है कि इस बार जो बदलाव किए गये हैं उसका मकसद 'लेबर शॉर्टेज' को भरना नहीं है, बल्कि रणनीतिक नेतृत्व और इनोवेशन को बढ़ावा देना है। इसके तहत सबसे बड़ा अपडेट यह है कि अब सरकार सिर्फ सीआरएस स्कोर नहीं, बल्कि स्पेशल Occupational Categories के आधार पर उम्मीदवारों को चुन रही है।

2026 के लिए एक्सप्रेस एंट्री की जो नई श्रेणियां घोषित की गई हैं, उनमें डॉक्टर्स, रिसर्चर्स और मैनेजर्स को प्राथमिकता दी गई है। यानि अब कनाडा में काम कर रहे विदेशी डॉक्टरों और सीनियर मैनेजर्स के लिए परमानेंट रेजिडेंसी की राह हुई आसान कर दी गई है। वहीं दूसरा बड़ा बदलाव ये किया गया है कि इस कैटेगिरी में से कृषि क्षेत्र को बाहर कर दिया गया है और डिफेंस में दक्षता रखने वाले लोगों के लिए दरवाजे खोल दिए गये हैं। जो लोग रिसर्चर्स और एविएशन एक्सपर्ट्स हैं, उन्हें भी आसानी से परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) मिल जाएगी। इसके पीछे की वजह ये है कि कनाडाई सशस्त्र बलों के लिए उच्च कुशल विदेशी सैनिकों और डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक अब रिन्यू की गई श्रेणियों के लिए कम से कम 1 साल का कार्य अनुभव अनिवार्य कर दिया गया है जो पहले 6 महीने था।

ट्रम्प के मैसेज लीक करने पर मैक्रों का जवाब

कहा- रिश्तों में सम्मान जरूरी, कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते दिख रहे

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि देशों के बीच रिश्तों में सम्मान बहुत जरूरी होता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों नेताओं के बीच हुए प्राइवेट मैसेज लीक कर दिए।

भारत के तीन दिन के दौरे पर आए मैक्रों ने भारतीय पॉडकास्टर राज शमानी के शो में यह बात कही। उनसे पूछा गया कि उनके निजी मैसेज लीक होने पर उन्हें कैसा लगा। इस पर मैक्रों ने सीधे ट्रम्प का नाम लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना जरूर कहा कि कूटनीति में एक-दूसरे का सम्मान जरूरी है।

मैक्रों ने कहा कि देश आपस में सहमत हों या असहमत, लेकिन अपनी बात सम्मान के साथ रखनी चाहिए। असहमति जताना गलत नहीं है, लेकिन उसका तरीका

सही होना चाहिए। मैक्रों ने ट्रम्प पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते हुए दिख रहे हैं।

मैक्रों के मैसेज का स्क्रीनशॉट

ट्रम्प ने 20 जनवरी को मैक्रों का निजी मैसेज लीक किया था। उस मैसेज में मैक्रों ने ट्रम्प से कहा था कि वे समझ नहीं पा रहे हैं कि ट्रम्प ग्रीनलैंड को लेकर क्या करना चाहते हैं।

उन्होंने आगे मिलकर काम करने की बात भी कही थी और G7 बैठक की मेजबानी का सुझाव दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि इस बैठक में यूक्रेन, डेनमार्क, सीरिया और रूस जैसे देशों को शामिल किया जा सकता है।

मैक्रों ने पॉडकास्ट में यह भी कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपने नेता बदलने का अधिकार होता है, इसलिए हिंसा और अपमान की जरूरत नहीं है। वे समाज में नफरत भरी भाषा और हिंसा के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या दुनिया को अमेरिका के मौजूदा लीडरशिप से डरने की जरूरत है, तो उन्होंने कहा कि आज के हालात में यह थोड़ा हैरान करने वाला है कि कुछ नेता आगे बढ़ने की बजाय पीछे की तरफ जाते दिख रहे हैं।

ट्रम्प और मैक्रों के बीच लंबे समय से तल्खी रही है, लेकिन हाल में विवाद तब बढ़ा जब फ्रांस ने ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता ठुकरा दिया।

रुई फैक्ट्री में लगी आग

धनबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित शिमराटांड़ में शुक्रवार को एक रुई फैक्ट्री में आग लग गई। आशंका जाहिर की जा रही है कि यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। इस घटना में एक मजदूर झुलस गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। हालांकि, दमकल गाड़ी को घटनास्थल तक पहुंचने में करीब एक घंटे से अधिक का समय लग गया। इस दौरान आग ने फैक्ट्री के साथ-साथ आसपास की झाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री के आसपास पानी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय लोग और फैक्ट्री संचालक आग बुझाने के लिए कुछ खास नहीं कर पाए।

ट्रम्प की 'बोर्ड ऑफ पीस' मीटिंग में भारत शामिल हुआ

गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान, 50 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने गुरुवार को ऑब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वॉशिंगटन में डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं। भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था।

'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपए (7 अरब डॉलर) देंगे। जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपए देगा। वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वॉशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिकारी शामिल हुए। इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजराइल, जॉर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, UAE, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ सहित बाकी देश ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए। ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थायी शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है।

बलूच लड़ाकों की कैद में रोते दिखे पाकिस्तानी सैनिक

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी उग्रवादी संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक और वीडियो जारी किया है। इसमें पाकिस्तानी सैनिक सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में 7 पाकिस्तानी सैनिकों को दिखाया गया है।

वीडियो में एक सैनिक रोते हुए कह रहा है कि वह पाकिस्तान के लिए लड़ता रहा, लेकिन आज सेना उसे अपना नहीं मान रही। सैनिक कह रहा है- 'मेरे पास पाकिस्तानी सेना का ID कार्ड है, फिर क्यों कहा जा रहा है कि मैं पाकिस्तानी सैनिक नहीं हूं।' पाकिस्तान की सेना के उस बयान को सीधी चुनौती देता है, जिसमें कहा गया था कि उसके कोई भी सैनिक लापता नहीं हैं और न ही किसी उग्रवादी संगठन की हिरासत में हैं। बीएलए ने 14 फरवरी को इन सैनिकों को पकड़ा था। इनकी रिहाई के लिए बीएलए ने बलूच लड़ाकों की रिहाई की मांग की है। इसके लिए पाकिस्तान सरकार को 22 फरवरी तक का वक्त दिया गया है। यह वीडियो बीएलए के आधिकारिक चैनल 'हक्काल' पर जारी किया गया है।

वीडियो में बंदी बनाए गए सैनिकों से बीएलए लड़ाके कहते हैं, "पाकिस्तान सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन वो आप लोगों को अपना मानने से इनकार कर रही है।

ब्रिटेन ने अमेरिका को एयरबेस देने से इनकार किया

फैसले से डोनाल्ड ट्रम्प नाराज, यूएस एयरबेस से ईरान पर हमला करना चाहता है

लंदन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इनकार कर दिया।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की बात थी।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल

करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है।

दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतरराष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

ट्रम्प ने चागोस आइलैंड्स को लेकर ब्रिटेन की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर गुरुवार को लिखा कि 100 साल की लीज किसी देश के मामले में ठीक फैसला नहीं है। डिएगो गार्सिया जैसा ठिकाना छोड़ना बहुत बड़ी गलती होगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान, अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद डिएगो गार्सिया और फेयरफोर्ड के एयरफील्ड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। ऐसे में इन ठिकानों का कंट्रोल बेहद जरूरी है।

वहीं ब्रिटिश सरकार का कहना है कि मॉरीशस के साथ समझौता सुरक्षा कारणों से जरूरी है। उनका तर्क है कि इससे लंबे और महंगे कानूनी विवाद से बचा जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इस पूरे समझौते पर करीब 35 बिलियन पाउंड (4 हजार अरब रुपए से ज्यादा) का खर्चा आ सकता है।

फ्रांस में दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट की हत्या पर भिड़े मैक्रों-मेलोनी

पैरिस, 20 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस में एक दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट की हत्या के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। 23 साल के क्वेंटिन डेरांक की 12 फरवरी को एक प्रदर्शन के दौरान पिटाई के बाद मौत हो गई थी।

इस घटना को लेकर मेलोनी ने वामपंथी चरमपंथी समूहों को जिम्मेदार ठहराया। इस पर मैक्रों ने कड़ा जवाब दिया और कहा कि हर देश को अपने मामलों तक सीमित रहना चाहिए।

मेलोनी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि "वामपंथी चरमपंथ से जुड़े समूहों द्वारा की गई यह हत्या पूरे यूरोप के लिए एक जख्म है।"

क्या कुंडली में शनि दे रहे हैं कष्ट ?

शनिवार को करें ये 7 चमत्कारी उपाय

कुंडली में कमजोर शनि के संकेत

ज्योतिष मान्यता के अनुसार, जब शनि अशुभ या कमजोर स्थिति में होते हैं, तो व्यक्ति को बार-बार रुकावटों का सामना करना पड़ता है। नौकरी में अस्थिरता, व्यापार में घाटा, कोर्ट-कचहरी के चक्कर या पारिवारिक अनबन ये सब संकेत हो सकते हैं। कई लोग बताते हैं कि मेहनत दोगुनी करनी पड़ती है, लेकिन परिणाम आधे मिलते हैं। हालांकि यह पूरी तरह आस्था का विषय है, लेकिन भारत में बड़ी संख्या में लोग शनिवार के दिन विशेष उपाय करके मानसिक शांति और आत्मविश्वास हासिल करते हैं।

शनिवार को करें ये 10 सरल उपाय

काला नमक या सुरमा दबाएं

लाल किताब के अनुसार शनिवार को काला नमक या काला सुरमा किसी सुनसान स्थान पर दबाना शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे नकारात्मकता कम होती है।

उड़द और काली वस्तुओं का दान

शनिवार को मंदिर में उड़द दाल, काली मिर्च, काला चना या चंदन दान करना लाभकारी बताया गया है। दान करते समय मन शांत और भावना सच्ची होनी चाहिए।

बांसुरी में गुड़ भरकर दबाएं

एक छोटी बांसुरी में गुड़ भरकर एकांत स्थान पर दबाने का उपाय भी शनि दोष कम करने के लिए किया जाता है। यह उपाय विशेष रूप से आर्थिक बाधाओं के लिए माना जाता है।

12 बादाम दक्षिण दिशा में रखें

शनिवार को 12 बादाम काले कपड़े में बांधकर घर की दक्षिण दिशा में रखने की परंपरा है। दक्षिण दिशा शनि से जुड़ी मानी जाती है।

> **पवित्र विचार, अच्छे संकल्प, संतोष और सत्य की मदद से जीवन में आनंद मिलता है**
>
> प्रसन्नता पदार्थों से नहीं मिलती है। वस्तुएं, धन, वाहन और जमीन-मकान क्षणिक तृप्ति दे सकती हैं, लेकिन ये चीजें स्थायी सुख नहीं देती हैं। बाहरी वैभव हमें कुछ समय के लिए सम्मान और समृद्धि का आभास कराता है, लेकिन अगर हमारा मन विवेकहीन है, विचार शुद्ध नहीं हैं और संकल्प भी पवित्र नहीं हैं, तो जीवन में अधूरापन रहता है। सत्य से दूर रहने वाला व्यक्ति कभी भी वास्तविक आनंद नहीं पा सकता। सच्ची प्रसन्नता आत्मचिंतन, संतोष, सदाचार और सही दृष्टिकोण से मिलती है।

शनिवार का व्रत

नियमित रूप से शनिवार का व्रत रखने से मन में संयम आता है। कई लोग सूर्यास्त के बाद ही भोजन करते हैं और दिनभर शनि मंत्र का जाप करते हैं।

काम से पहले पानी से भरा घड़ा रखें

किसी महत्वपूर्ण काम की शुरुआत से पहले घर में मिट्टी के घड़े में पानी भरकर रखना शुभ संकेत माना जाता है। यह स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

मछलियों को दाना खिलाएं

लगातार 12 शनिवार तक मछलियों को दाना खिलाने का उपाय भी बताया गया है। यह उपाय धैर्य और नियमितता सिखाता है।

आस्था के साथ समझदारी भी जरूरी

ज्योतिषीय उपाय आस्था का विषय हैं, लेकिन जीवन में बदलाव के लिए कर्म भी उतना ही जरूरी है। अगर नौकरी में परेशानी है तो कौशल बढ़ाना, अगर व्यापार में दिक्कत है तो रणनीति बदलना ये भी उतने ही महत्वपूर्ण कदम हैं। कई लोग बताते हैं कि जब उन्होंने उपायों के साथ अपने व्यवहार और मेहनत में सुधार किया, तब जाकर हालात बदले।

कैसे श्रीकृष्ण के पुत्र ने मिटा दिया यदुवंश

धर्म, नीति और लीला की कहानियों में श्रीकृष्ण का जीवन जितना अद्भुत है, उनका देह त्याग उतना ही रहस्यमय और मार्मिक माना जाता है। यह कथा केवल एक अवतार के पृथ्वी से प्रस्थान की नहीं, बल्कि उस अनोखे मोड़ की भी है जहां ईश्वरीय इच्छा और मानवीय कर्म एक साथ दिखाई देते हैं। पुराणों में वर्णित प्रसंग के अनुसार, यदुवंश का अंत किसी बाहरी शत्रु ने नहीं, बल्कि एक साधारण-सा मजाक और उससे उपजा शाप बना। यह घटना दिखाती है कि अहंकार, उपहास और अधर्म का परिणाम कितना दूरगामी हो सकता है। श्रीकृष्ण ने स्वयं अपने कुल के विनाश की भूमिका रची-क्योंकि उनके अनुसार पृथ्वी का भार तभी पूर्ण रूप से कम होता। यह कथा आज भी धर्मग्रंथों में चेतावनी और दर्शन, दोनों रूप में सुनाई जाती है।

मजाक जिसने बदल दी नियति

यदुवंश के युवराज सांब, जो श्रीकृष्ण और जाम्बवती के पुत्र थे, अपनी शरारती प्रकृति के लिए जाने जाते थे। एक दिन उन्होंने मित्रों के साथ मिलकर एक ऐसा मजाक किया जो इतिहास बन गया। उन्होंने स्त्री का वेश धारण किया और ऋषि विश्वामित्र, नारद सहित कई मुनियों के पास जाकर पूछा-"बताइए, इसके गर्भ से क्या जन्म होगा?" ऋषियों ने अपनी दिव्य दृष्टि से यह छल तुरंत पहचान लिया। उपहास और अपमान से क्रोधित होकर उन्होंने शाप दिया-"इसके गर्भ से लोहे का मूसल उत्पन्न होगा, जो पूरे यदुवंश के विनाश का कारण बनेगा।" उस क्षण को शायद किसी ने गंभीरता से नहीं लिया, पर वही मजाक आने वाले समय की त्रासदी बन गया।

शाप का फल: सांब के गर्भ से मूसल

समय बीतने पर शाप सत्य हुआ। सांब के पेट से वास्तव में लोहे का एक मूसल निकला। राजा उग्रसेन भयभीत हो उठे। उन्होंने तुरंत आदेश दिया कि उस मूसल को पीसकर चूर्ण बना दिया जाए और समुद्र में फेंक दिया जाए, ताकि शाप का असर खत्म हो सके।

समुद्र किनारे उगे सरकंडे

जहां मूसल का चूर्ण फेंका गया, वहां अजीब तरह के सरकंडे उग आए-कठोर और लोहे जैसे। एक छोटा-सा टुकड़ा बच गया था, जिसे एक मछली निगल गई। बाद में वह टुकड़ा एक शिकारी जरा के हाथ लगा, जिसने उससे बाण का फल बना लिया। यहीं से नियति ने अपना अंतिम ताना-बाना बुनना शुरू कर दिया था।

द्वारका में दिखने लगे अशुभ संकेत

कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने द्वारका में अनिष्ट के संकेत महसूस करने शुरू कर दिए थे। आकाशीय घटनाएं, विचित्र स्वप्न और वातावरण की बेचैनी-सब कुछ आने वाले अंत की ओर संकेत कर रहा था। देवताओं ने भी संदेश भेजा कि अब उनका अवतार कार्य पूर्ण हो चुका है और उन्हें स्वधाम लौटना चाहिए। श्रीकृष्ण ने उत्तर दिया कि यदुवंश का अंत हुए बिना पृथ्वी का भार पूर्णतः हल्का नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिया कि सात रातों में यह कार्य पूरा होगा और फिर वे द्वारका को समुद्र को लौटाकर प्रस्थान करेंगे।

प्रभास में यदुवंश का आत्मविनाश

उत्सव से उत्पन्न हुआ विवाद

प्रभास क्षेत्र में यदुवंशी एकत्र हुए। उत्सव, मदिरा और अहंकार-तीनों ने मिलकर वातावरण को विषाक्त बना दिया। छोटी-सी कहासुनी झगड़े में बदल गई।

सरकंडों से बना शस्त्र

जब शस्त्र समाप्त हो गए, तो वहीं उगे सरकंडे हाथों में आ गए। वे साधारण पौधे नहीं थे-मूसल के चूर्ण से जन्मे लोहे जैसे कठोर। यदुवंशी एक-दूसरे पर उन्हीं से प्रहार करने लगे। श्रीकृष्ण ने रोकने का प्रयास किया, पर कोई नहीं माना। अंततः उन्होंने भी मुट्ठीभर सरकंडे उठाए, जो तत्काल लोहे के मूसल समान बन गए। उसी से उन्होंने उग्र और यदुवंशियों का अंत कर दिया। कुछ ही समय में समूचा यदुवंश समाप्त हो गया-सिवाय श्रीकृष्ण और उनके सारथी दारुक के।

श्रीकृष्ण का देह त्याग: जरा का बाण

यदुवंश के अंत के बाद श्रीकृष्ण प्रभास के वन में एक पीपल वृक्ष के नीचे योगनिद्रा में लेट गए। उनका पैर दूसरे पैर पर रखा था, और अंगूठा दूर से मृग की आंख जैसा दिखता था। उसी समय शिकारी जरा वहां पहुंचा। उसने उसी लोहे के टुकड़े से बने बाण को धनुष पर चढ़ाया और दूर से निशाना साधा। बाण सीधा श्रीकृष्ण के अंगूठे में लगा। पास आने पर जरा ने देखा कि यह कोई मृग नहीं, बल्कि दिव्य पुरुष हैं। वह भय और पश्चाताप से उनके चरणों में गिर पड़ा। श्रीकृष्ण ने उसे सांत्वना दी-"यह सब मेरी इच्छा से हुआ है, तुम दोषी नहीं।" कथा कहती है कि उसी क्षण एक दिव्य विमान आया और जरा को मुक्ति मिली। इसके बाद श्रीकृष्ण ने शांत भाव से अपनी देह का त्याग किया और स्वधाम लौट गए।

लीला और नियति का संगम

श्रीकृष्ण का देह त्याग साधारण मृत्यु नहीं माना जाता, बल्कि अवतार के पूर्ण होने की लीला है। इस कथा में एक गहरा संदेश छिपा है-अहंकार और उपहास का परिणाम विनाश हो सकता है, चाहे वह देववंश ही क्यों न हो। यदुवंश का अंत किसी बाहरी युद्ध से नहीं, भीतर के दोषों से हुआ। और अंततः वही मूसल, जो मजाक से जन्मा था, नियति का साधन बना।

> **हम अपने बच्चों को तभी बचा पाएंगे जब खुद सावधान होंगे**
>
> नियाभर के बाजार आज एआई में जमकर निवेश कर रहे हैं। दीवानों ने दर्द को ही दवा बना लिया है। हर बात का निदान एआई में ढूंढा जा रहा है। हमारे यहां दो स्तरों पर एआई से जुड़कर काम होना चाहिए- एक देश के स्तर पर, दूसरा परिवार के लिए।
>
> एआई से विकास तो हो, लेकिन ये तकनीक देश से काम को कम ना कर दे, वरना काम करने वाले और बेरोजगार हो जाएंगे। एआई को लेकर अमेरिका और चीन में जमकर मुकाबला चल रहा है। इन दोनों ही देशों में परिवार का ढांचा बिखरा हुआ है। तो हमें एआई से बाजार में फायदा हो, ऐसा तो सोचना है, लेकिन परिवार की सुरक्षा पर भी चिंतन करना है।
>
> पूरी दुनिया के देश शायद परिवार संस्था को लेकर इतने गम्भीर ना हों, पर हम भारतीयों को चाहिए कि एआई की चपेट में हमारी गृहस्थी ना आ जाए, दाम्पत्य जीवन बिखर ना जाए। क्योंकि हम एआई से बच्चों को तब बचा पाएंगे, जब माता-पिता खुद सावधान हों। आज तो बारूद के ढेर की हिफाजत चिंगारी के हाथ में दे दी गई, ऐसा दृश्य देखने में आ रहा है।

क्या आपकी नौकरी में आ रही है रुकावट? घर में ऊंट की मूर्ति रखते ही बदलेगी किस्मत!

कभी-कभी हम घर की सजावट में ऐसी छोटी चीज़ें जोड़ देते हैं, जिनका असर सिर्फ दीवारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मन और माहौल तक पहुँच जाता है। आपने भी कई घरों में शोपीस के रूप में ऊंट की मूर्ति देखी होगी। पर क्या आप जानते हैं कि वास्तु और फेंगशुई के अनुसार इसे सही दिशा में रखा जाए तो यह करियर, व्यापार और किस्मत पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है? यही वजह है कि आजकल लोग सजावट से ज्यादा "ऊर्जा संतुलन" को महत्व दे रहे हैं। अगर आप भी घर में सकारात्मक बदलाव चाहते हैं, तो ऊंट की मूर्ति से जुड़े इन नियमों को जानना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

घर में ऊंट की मूर्ति रखने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार ऊंट को धैर्य, स्थिरता और निरंतर प्रगति का प्रतीक माना गया है। कहा जाता है कि जिस तरह ऊंट रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ता रहता है, उसी तरह यह मूर्ति जीवन की बाधाओं को पार करने की प्रेरणा देती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऊंट की मूर्ति को घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना सबसे शुभ माना गया है। यह दिशा सहयोग और सामाजिक संबंधों से जुड़ी मानी जाती है। यदि यह संभव न हो तो पूर्व या उत्तर दिशा में भी इसे रखा जा सकता है। सही दिशा में रखी गई मूर्ति घर के वातावरण में स्थिरता और सकारात्मकता लाने में मदद करती है।

किस स्थान पर रखें ऊंट की मूर्ति?

सिर्फ दिशा ही नहीं, सही स्थान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऊंट की मूर्ति को लिविंग रूम या ड्राइंग रूम में रखना शुभ माना जाता है। यही वह जगह होती है जहाँ परिवार के सदस्य और मेहमान सबसे अधिक समय बिताते हैं। उदाहरण के तौर पर, कई लोग बताते हैं कि जब उन्होंने ड्राइंग रूम में वास्तु अनुसार शोपीस सजाए, तो घर का माहौल पहले से ज्यादा सुकून भरा महसूस होने लगा। ऊंट की मूर्ति भी इसी श्रेणी में आती है, जो स्थिर ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है।

ऊंट की मूर्ति रखने के जरूरी नियम

जोड़े में रखना शुभ

वास्तु मान्यता के अनुसार ऊंट की मूर्ति को जोड़े में रखना अधिक लाभकारी होता है। इससे व्यापार और करियर में सहयोग और संतुलन बढ़ने की संभावना मानी जाती है।

इन स्थानों पर न रखें

बेडरूम, बाथरूम के पास, सीढ़ियों के नीचे या मुख्य द्वार के ठीक सामने ऊंट की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। इन जगहों पर इसे रखना शुभ नहीं माना जाता। साथ ही, मूर्ति का मुख घर के अंदर की ओर होना चाहिए, बाहर की ओर नहीं।

सामग्री और आकार का ध्यान रखें

पीतल या तांबे की मूर्ति को विशेष रूप से शुभ माना गया है। हालांकि लकड़ी या पत्थर की मूर्ति भी रखी जा सकती है। आकार मध्यम होना चाहिए बहुत बड़ी या बहुत छोटी मूर्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती है। टूटी या खंडित मूर्ति कभी भी घर में न रखें। यह नकारात्मकता का संकेत मानी जाती है। साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें।

ऊंट की मूर्ति रखने के फायदे

वास्तु और फेंगशुई मान्यताओं के अनुसार, सही दिशा और नियमों का पालन करते हुए ऊंट की मूर्ति रखने से सुख-सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। खासकर जो लोग नौकरी में रुकावट, प्रमोशन में देरी या व्यापार में मंदी से जूझ रहे हों, उनके लिए यह एक सकारात्मक प्रतीक माना जाता है।

कई लोगों का अनुभव है कि जब उन्होंने घर में वास्तु के छोटे-छोटे बदलाव किए, तो मानसिक शांति और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी महसूस हुई। ऊंट की मूर्ति भी उसी सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है धीरे लेकिन स्थिर प्रगति का संदेश देती हुई।

करियर और पैसा अचानक रुक गया?

ये संकेत बताते हैं कि कुंडली का कौन सा ग्रह हो गया है श्रापित

बुध कमजोर हो तो दिखने लगते हैं ये संकेत

निर्णय लगातार गलत होना

अगर कोई व्यक्ति अचानक गलत फैसलों की श्रृंखला में फंस जाए-जैसे निवेश गलत जगह, नौकरी का गलत चयन या भरोसे का गलत आकलन-तो इसे बुध की कमजोरी से जोड़ा जाता है। अक्सर ऐसे लोग कहते हैं, "समझ नहीं आ रहा क्यों बार-बार गलती हो रही है।"

संवाद में गड़बड़ी और विवाद

कमजोर बुध का सबसे सीधा असर बोलचाल पर पड़ता है। बात ठीक कहना चाहें तो उल्टा निकल जाता है, सामने वाला गलत समझ लेता है, या बात-बात पर बहस होने लगती है। परिवार और ऑफिस दोनों जगह रिश्तों में खटास बढ़ने लगती है।

करियर में रुकावट और अस्थिरता

ज्योतिष के अनुसार बुध व्यापार और कौशल का ग्रह है। इसकी कमजोरी से व्यक्ति का पेशेवर संतुलन बिगड़ता है। प्रमोशन रुकना, अवसर छूटना या काम में बार-बार बदलाव-ये सभी संकेत माने जाते हैं।

पैसों का हिसाब गड़बड़ होना

जब बुध कमजोर होता है तो गणना और वित्तीय समझ भी प्रभावित मानी जाती है। लोग बिना सोचे खर्च करने लगते हैं, दस्तावेजों में गलती करते हैं या निवेश में नुकसान उठाते हैं। अकाउंटिंग, बैंकिंग या बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए यह असर ज्यादा दिखता है।

स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर भी असर

पाचन और त्वचा से जुड़ी दिक्कतें

ज्योतिष में बुध को शरीर की नसों, त्वचा और पाचन से जोड़ा जाता है। कमजोर होने पर गैस, अपच, त्वचा रोग या एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

चिड़चिड़ापन और मानसिक भ्रम

ऐसे लोग अक्सर बेचैन रहते हैं, छोटी बात पर परेशान हो जाते हैं और ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। पढ़ाई या सीखने में भी बाधा महसूस होती है। कई बार आसपास के लोग इसे आलस्य समझ लेते हैं, जबकि ज्योतिषी इसे बुध दोष का संकेत मानते हैं।

रिश्तों और सामाजिक छवि पर प्रभाव

बुध वाणी और तर्क का ग्रह है, इसलिए इसकी कमजोरी संवाद में दूरी पैदा करती है। दोस्ती टूटना, परिवार में गलतफहमी या दांपत्य में विवाद बढ़ना-ये सब बुध के असंतुलन से जोड़े जाते हैं। व्यक्ति सामाजिक रूप से भी असहज महसूस करने लगता है, जिससे आत्मविश्वास और गिरता है।

बुध को संतुलित करने के पारंपरिक उपाय

बुधवार से जुड़े आध्यात्मिक अभ्यास

मान्यता है कि बुधवार को गणेश पूजा करने से बुध का प्रभाव संतुलित होता है। दूर्वा चढ़ाना, मोदक का भोग लगाना और गणेश मंत्र जपना शुभ माना जाता है।

खनकती चूड़ियों में छिपा है पति की तरक्की का राज

कांच की चूड़ियों का वैज्ञानिक और वास्तु महत्व

वास्तु के अनुसार, विवाहित महिलाओं के लिए कांच की चूड़ियां पहनना सबसे शुभ होता है। कांच की चूड़ियों के आपस में टकराने से जो ध्वनि पैदा होती है, वह घर की नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करती है। यह खनक वातावरण में पवित्रता लाती है और पति-पत्नी के बीच तनाव को कम करने में सहायक होती है।

रंगों का भाग्य से सीधा संबंध

लाल रंग: लाल रंग शक्ति और प्रेम का प्रतीक है, जो वैवाहिक जीवन में ऊर्जा भरता है।

हरा रंग: यह बुध ग्रह से संबंधित है। हरा रंग पहनने से पति के व्यापार और करियर में वृद्धि होती है और घर में हरियाली बनी रहती है।

किस रंग की चूड़ियों को पहननने से बचें: विवाहित महिलाओं को काले या बहुत गहरे नीले रंग की चूड़ियां पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि ये रंग राहु-शनि के प्रभाव को बढ़ा सकते हैं, जिससे मानसिक तनाव पैदा होता है।

टूटी या चटकती हुई चूड़ियां हैं वास्तु दोष

वास्तु के अनुसार, कभी भी दरार वाली या चटक गई चूड़ी कलाई में नहीं रखनी चाहिए। ऐसी चूड़ियां नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और घर में दरिद्रता ला सकती हैं। यदि चूड़ी चटक जाए, तो इसे तुरंत उतारकर जल में प्रवाहित कर दें या किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। इसे पहने रहना पति के स्वास्थ्य और कार्यों में बाधा का कारण बन सकता है।

चूड़ियां पहनने की संख्या और तरीका

वास्तु और शास्त्रों के अनुसार, सुहागिन महिलाओं को कभी भी अपनी दोनों कलाइयों को पूरी तरह खाली नहीं रखना चाहिए। चूड़ियां बदलते समय भी एक हाथ में कम से कम एक चूड़ी या मौली जरूर बंधी होनी चाहिए। इसके अलावा, बाएं हाथ के मुकाबले दाएं हाथ में थोड़ी ज्यादा चूड़ियां पहनना सौभाग्य को बढ़ाने वाला माना जाता है।

उपहार में मिली चूड़ियों का सम्मान

यदि आपको अपनी सास, मां या किसी सौभाग्यवती स्त्री से उपहार में चूड़ियां मिलती हैं, तो उन्हें आशीर्वाद समझकर अवश्य पहनें। वास्तु के अनुसार, बड़ों से मिली सुहाग की सामग्री सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और घर में लक्ष्मी के आगमन का मार्ग प्रशस्त करती है।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 21 फरवरी - 2026

वोट बैंक की सियासत?

देश की राजनीति में "मुफ्तखोरी" जितना आकर्षक है, उतना ही विवादास्पद भी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों में चुनावों से पहले घोषित की जा रही मुफ्त योजनाओं पर कड़ी टिप्पणी करते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है। अदालत ने कहा यदि सरकारें बिना वित्तीय संतुलन के केवल चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाएँ बांटती रहेंगी, तो इसका दीर्घकालिक असर देश की अर्थव्यवस्था और विकास पर पड़ना तय है। मामला तमिलनाडु में मुफ्त बिजली की योजना से जुड़ा हो या अन्य राज्यों में मुफ्त पानी, लैपटॉप, स्कूटी या नकद सहायता की घोषणाएँ, सभी प्रवृत्ति लगभग एक समान है। चुनाव आते ही मुफ्त की योजनाओं की झड़ी लग जाती है। सभी दल इसे सामाजिक न्याय और कल्याणकारी अवधारणा से जोड़ते हैं। इसके बाद भी गरीबों का सशक्तिकरण नहीं हो सका। जाहिर है ये सभी रेवड़ियां वोट बैंक को साधने का साधन बन जाती हैं? देश में कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता से इंकार नहीं किया जा सकता। समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन और रोजगार में सहयोग देना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन जब जरूरत और लालच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या खड़ी होती है। यदि सक्षम और करदाता वर्ग को भी मुफ्त सुविधाएँ दी जाएं, तो इससे राजकोष पर बोझ पड़ता तय है। कोर्ट की चिंता यह है कि यदि लोगों को हर सेवा मुफ्त में मिलने लगे, तो काम करने और उत्पादकता बढ़ाने की प्रेरणा पर असर पड़ सकता है। यह तर्क निराधार भी नहीं है। अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि संसाधनों का सीमित और लक्षित उपयोग ही स्थायी विकास की कुंजी है। यदि सरकारें राजस्व जुटाने के बजाय मुफ्त वितरण की राह चुनेंगी, तो टैक्स का बोझ बढ़ेगा या विकास परियोजनाएं गतिहीन होंगी। राजनीतिक दलों का तर्क है कि मुफ्त योजनाएँ सामाजिक असमानता कम करने का माध्यम हैं। कई बार ये योजनाएँ वास्तव में गरीब परिवारों के जीवन स्तर को सुधारती हैं। उदाहरण के लिए, मुफ्त या सस्ती बिजली से छोटे किसानों और निम्न आय वर्ग को राहत मिलती है। छात्राओं को साइकिल या लैपटॉप देने से शिक्षा को बढ़ावा मिलता है। इसलिए हर मुफ्त योजना को केवल 'रेवड़ी' कहकर खारिज कर देना उचित नहीं होगा। असल समस्या पारदर्शिता और जवाबदेही की है। क्या योजनाओं का वित्तीय स्रोत स्पष्ट है? क्या लाभार्थियों की पहचान सटीक है? क्या दीर्घकालिक आर्थिक प्रभाव का आकलन किया गया है? ऐसे में सवाल है कि क्या सुप्रीम कोर्ट मुफ्त योजनाओं की सीमा तय करने का निर्देश दे सकता है? लोकतंत्र में नीति निर्माण का अधिकार विधायिका और कार्यपालिका के पास है। न्यायपालिका केवल संवैधानिक सीमाओं का संरक्षण कर सकती है। ऐसे में अदालत की टिप्पणी नैतिक और वैचारिक दिशा तो दे सकती है, पर सीधा प्रतिबंध लगाना जटिल संवैधानिक बहस को जन्म देना होगा। ऐसे में इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, मुफ्त योजनाओं के लिए स्पष्ट वित्तीय रोडमैप अनिवार्य किया जाए। चुनाव आयोग और वित्त आयोग जैसी संस्थाएँ दिशानिर्देश तय कर सकती हैं कि कोई भी पार्टी घोषणा पत्र में शामिल योजना के वित्तीय स्रोत और प्रभाव का विवरण सार्वजनिक करे। दूसरा, मुफ्त योजनाओं को सार्वभौमिक बनाने के बजाय लक्षित बनाया जाए, ताकि वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक ही लाभ पहुँचे। तीसरा रोजगार सृजन, शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती को प्राथमिकता दी जाए। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। यदि मतदाता अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे, तो राजनीतिक दल भी अपनी रणनीति बदलने को मजबूर होंगे। मुफ्त योजनाएँ पूरी तरह समाप्त हों, यह संभव नहीं; लेकिन उन्हें जिम्मेदार, पारदर्शी और सीमित बनाना समय की मांग है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी एक चेतावनी है—लोकलुभावन राजनीति और आर्थिक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए बिना विकास की गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती। अब देखना यह है कि सरकारें इस चेतावनी को गंभीरता से लेती हैं या फिर चुनावी मौसम में "मुफ्त" का आकर्षण एक बार फिर हावी हो जाता है।

बेटों को रास नहीं आ रहे हैं बूढ़े माँ–बाप

अशोक भाटिया

कुछ दिनों से वाट्स अप पर एक लघु कथा वाइरल हो रही है जिसका संक्षिप्त यह है कि एक बेटा माँ को घूमाने के बहाने से ले जाकर एक वृद्धाश्रम में छोड़ देता है। जब बेटा वहाँ से वापस जाने लगता है तो माँ उसे बुला कर कहती है कि तुमने मुझे घुमाने के बहाने से लाकर वृद्धाश्रम में छोड़ दिया इस बात का गम नहीं है मैं तो तुम्हें केवल एक बात कहना चाहती हूँ कि मैंने तेरा जन्म के पूर्व पाँच लड़कियों की भ्रण हत्या कारवाई थी तब तुमको जन्मा था। आज शायद उसी पाप की सजा मुझे मिल रही है।

तो ऐसे तो कई किस्से सुनने को या देखने को मिलते हैं कि लोग अपने माता – पिता को वृद्धावस्था के समय वृद्धाश्रम में छोड़ देते हैं, पर हाल ही एक ऐसे कलयुगी बेटे का समाचार मिला है जिसने अपनी माँ को वृद्धाश्रम के बजाय मुंबई की सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया। कुछ समय पूर्व की घटना है दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे अस्पताल के पास सड़क पर दिलीप नामक एक युवक अपनी 85 वर्षीय माँ हंसा राजपूत को छोड़ कर भाग गया। लगातार बारिश होने के कारण माँ हंसा बीमार हो गई थीं और सड़क पर बैठी रो रही थीं। किसी भले आदमी ने उसे पास के अस्पताल में भरती करा दिया। अब भी माँ 15 दिन से अस्पताल में अपने बेटे को बार – बार पुकारती इस माँ को भले ही बेटे ने चलती कार से धकेल दिया फिर भी इस माँ की आँखें हर दिन अपने बेटे के आने की रह तक रही है। उदाहरण और घटनाएं और भी है। एक बूढ़ी मां को दिल्ली के एक गुरुद्वारे में इसलिए शरण लेनी पड़ी क्योंकि उस बूढ़ी मां को उसके अपने बेटे ने जंगल में छोड़ दिया। बेटे ने अपनी मां को हरिद्वार ले जाने के बहाने घर से अपने साथ लिया और मोदीनगर के पास जंगल में उसे अकेला छोड़कर चला गया। इस वृद्धा को न तो ठीक से दिखाई देता है और न ही उसके पास घर का पूरा पता वगैरह है कि वह किसी के सहारे अपने घर लौट सके। किसी ने उसे भटकते हुए पाया तो गुरुद्वारे तक पहुंचाया।

आज जो सामाजिक सोच में परिवर्तन आ रहा है तथा मानव मूल्यों का जो क्षरण हो रहा है, नैतिकता का नामोनिशां मिटने की ओर है, इसका इससे प्रबल कोई उदाहरण और क्या मिलेगा? जिन बच्चों को पाल-पोष कर बड़ा करने के लिए माता-पिता अपना पेट काटकर एक-एक पैसा जोड़ते हैं। अपना मन मसोसकर, अपनी अति आवश्यक जरूरतों को भी दरकिनार कर बच्चों की पढ़ाई के लिए, या उनको रोजगार दिलाने के लिए, उनका काम धंधा जमाने के लिए मां-बाप क्या नहीं करते, उन्हीं मां-बाप के साथ आज उन्हीं की जायी संतानें ऐसा वर्ताव करती हैं कि बेशर्मी भी शर्मा जाए। कहीं कहीं कोई अपने मां-बाप पर हाथ उठा रहा है तो कोई उन्हें दो वक्त की रोटी देने से मुंह मोड़ रहा है। कहीं कोई उन्हें घर से बेदखल कर फुटपाथ पर जीवन बसर करने को मजबूर कर रहा है तो कोई अपने माता-पिता को इसलिए वृध्दाश्रम छोड़कर आ रहा है क्योंकि उनकी छोटी-छोटी बातें, उनका स्वभाव, उनका रहन-सहन परिवार के अन्य सदस्यों को, मसलन, पुत्र-पुत्रवधू, पोता-पोती को रास नहीं आ रहा।

आज व्यक्ति अपनी सुख सुविधाएं जुटाने में इतना मशगूल है कि उसकी रात की नींद और दिन का चैन गायब है। प्रतिस्पर्धा में वह सबसे आगे रहना चाहता है। हर व्यक्ति को, उसके परिवार को वह सब कुछ चाहिए, जो दूसरों के पास है। जो इतना जुटा चुके हैं, वे गुलछर्रे उड़ा रहे हैं, अय्याशी कर रहे हैं, मौजमस्ती में लुटा रहे हैं। जिनके पास लुटाने के लिए नहीं है, वे जुटाने में लगे हैं। इन प्रयासों में माता-पिता की घर में उपस्थिति बाधक बनती है। आदमी को लगता है कि मां-बाप के कारण वह काफी बंधा हुआ है। पति पत्नी और बच्चों की स्वच्छंदता में वे बूढ़े माता-पिता कहीं रोड़े बन रहे हैं। घर में आते-जाते उनका टोकना उन्हें नहीं भाता।अनेक घरों में बूढ़े लोग जिंदा लाश के समान हैं। मर तो सकते नहीं, क्योंकि मरना भी आसान नहीं है, जिंदा केवल शरीर है। मन मर चुका है, भावनाएं दबी पड़ी हैं, ममता मरने को मजबूर है, स्नेह सूख रहा है। बूढ़े लोगों की उपयोगिता घर की रखवाली तक सीमित रह गई है। कहीं-कहीं पर वृध्दजनों का औपचारिक ध्यान रखा जाता है क्योंकि पुश्तैनी प्रापर्टी उनके मालिकाना हक में होती है तो उन्हें खुश रखना जरूरी होता है। किसी बुजुर्ग के पास नकदी या आभूषणों से भरी कोई संदूक (पुराने जमाने में ऐसे ही संपत्ति सहेज कर रखी जाती थी) है तो उसको खुशी-खुशी पाने की ललक में भी बुजुर्ग की देखभाल की जाती है। हालांकि आजकल तो ऐसा होना जोखिम भरा काम भी हो गया है। कुछ सिरफिरी संतानें तो बूढ़ों के मरने का इंतजार करने के बजाय प्रापर्टी जल्दी पाने के चक्कर में उन्हें ठिकाने तक लगा देते हैं।

ऐसा नहीं है कि बूढ़े-अशक्त मां-बाप के हक की सुरक्षा के लिए कानून नहीं है परन्तु या तो ऐसे कानूनों से लोग, खासकर वृध्द लोग अनभिज्ञ हैं या फिर कोर्ट कचहरियों में चक्कर लगाने की असमर्थता के चलते प्रताड़ित होते हुए भी वृद्ध जन शिकायत नहीं करते। इससे भी ज्यादा, अपनी संतान के प्रति मोह के चलते बूढ़े मां-बाप कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते। वे अपने परिचितों, रिश्तेदारों के समक्ष तो अपना दुखड़ा रो देते हैं परन्तु अदालतों या पुलिस का दरवाजा नहीं खटखटाते। उन्हें लगता है कि 'ज्यादा गई, थोड़ी रही', क्यों अपनी ही संतान को अदालत में घसीटें। इसलिए सब कुछ सहते रहते हैं। ऐसे में सरकार को एक हेल्प लाइन नंबर शुरू करना चाहिए ,जिससे बुजर्गों को मदद मिल सके। साथ ही हर सरकारी अस्पताल में एक स्पेशल वार्ड बने ताकि बुजुर्गों को वहाँ रहने में मदद मिल सके और उनका समय पर सही इलाज हो सके। वैसे सरकार व अदालतें बुजुर्गों के लिए बहुत कुछ कर रही है ,छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के बीते दिनों आए फैसले की हम बात करे। रायपुर के कासिमपारा क्षेत्र के रहने वाले सेवालाल बघेल का आरोप था कि उनके बेटे और बहू रायपुर में उनके ही मकान में रहते हैं लेकिन उनकी देखभाल नहीं करते हैं। वह सरकारी नौकरी से रिटायर हुए थे। मकान को बुजुर्ग ने खुद खरीदा था लेकिन बेटे-बहू उन्हें अपने ही घर से निकालने के धमकी दिया करते थे। इस वजह से वह अपने बड़े बेटे के यहां रह रहने को मजबूर थे। बेटे-बहू की प्रताड़ना से तंग आकर सेवालाल ने रायपुर कलेक्टर के यहां मैंटिनेंस ऐंड वेलफेयर ऑफ पैरेंट्स ऐंड सीनियर सिटिजन ऐक्ट, 2007 के तहत शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर ने उन्हें राहत देते हुए बेटे-बेटे को 7 दिनों के भीतर मकान खाली करने का आदेश दिया। साथ में बुजुर्ग को हर महीने 5 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। कलेक्टर के इस आदेश को बेटे नीरज बघेल ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में चुनौती दी लेकिन कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। जस्टिस दीपक तिवारी की बेंच ने बेटे को 7 दिनों के भीतर मकान खाली करने के कलेक्टर के आदेश को सही ठहराया।

मोहन भागवत के बयान पर इतना बवाल क्यों?

राजेश कुमार पासी

मोहन भागवत के एक बयान पर बवाल मचा हुआ है जबकि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा जिसको लेकर इतना बवाल किया जा रहा है। मंगलवार को मोहन भागवत ने लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कई मुद्दों पर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की जड़ें भी इसी भूमि से जुड़ी हुई हैं। मुस्लिम यहीं के पूर्वजों की संतान हैं, इसलिए समाज को बांटने की जगह जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम हैं, ईसाई हैं लेकिन अरब या तुर्क नहीं हैं और न ही यूरोपियन हैं। हम भारत के हैं, हमारे पूर्वज भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि ये बात जब उनका नेतृत्व करेगा, तब सब ठीक हो जाएगा। हिन्दू समाज आतुरता के साथ इसकी राह देख रहा है। उन्होंने कहा कि यहां सब हिन्दू हैं. हमें उनकी घरवापसी करवानी है। उन्होंने घरवापसी का जिक्र करते हुए कहा कि यह कोई तात्कालिक प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक संवाद और समझ के जरिये धीरे-धीरे होने वाला कार्य है।

जनसंख्या के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि हिन्दू समाज में घटती जन्मदर चिंता का विषय है और उनका मानना है कि एक परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए ताकि संतुलन बना रहे। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें विवाह के बाद परिवार के विस्तार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में संवाद और सहयोग दोनों ओर से होना चाहिए। उन्होंने जाति व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि समाज को जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। वर्षों से इसे समाप्त करने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन यह प्रवृत्ति अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मुगल और अंग्रेजी शासन की लंबी अवधि के बावजूद भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा मजबूत बनी रही, इसलिए आज भी समाज को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने किसी किस्म की हिंसा की बात नहीं की और न ही कहा कि देश के सभी मुसलमानों को जबरदस्ती हिन्दू बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सब कुछ संवाद से किया जाएगा। घरवापसी की बात करना इतना उत्तेजक कैसे हो गया कि देश का पूरा मुस्लिम समुदाय उबल पड़ा, ये समझना मुश्किल हो रहा है। संघ प्रमुख भागवत के बयान की प्रतिक्रिया में जो बयान आएं हैं, बेहद चिंताजनक हैं। मोहन भागवत के बयान पर पूरे देश में घमासान मच गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भागवत के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिन्द शुरू से ही ऐसी साम्प्रदायिक और नफरत फैलाने वाली सोच की विरोधी रही है। जब तक यह जिंदा रहेगी, इसका विरोध करती रहेगी। सवाल यह है कि क्या मदनी यह मानने को तैयार हैं कि हिंदुओं को मुस्लिम बनाना गलत है, ये शबाब का काम नहीं है। मुस्लिम तो मानते हैं कि अगर वो किसी हिन्दू को मुस्लिम बना देते हैं तो अल्लाह उन्हें जन्नत नसीब करता है। जब धर्मपरिवर्तन की मुहिम में जुटे मुस्लिमों से कहा जाता है कि वो ये काम क्यों करते हैं तो उनका यही कहना होता है कि उनका धर्म उन्हें ये काम करने के लिए कहता है।

युवा सोच से भाषा संरक्षण की नई दिशा

योगेश कुमार गोयल

मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा। मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषिता का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाता जाता है। यह दिवस भाषाओं का जश्न मनाने का समय है, साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय', जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस 'भाषाएं मायने रखती हैं: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह' विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः 'बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है' तथा 'बहुभाषी शिक्षाः शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थी। इससे पहले 2022 की थीम 'बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियाँ और अवसर' थी जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी 'शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन'। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरुआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढ़ाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से नब्बे फीसद भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 फीसद से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब चालीस फीसदी लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है।

लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में 'लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण' योजना भी चलाई जा रही है। यूजीसी देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा 'लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना' योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त दरकार है।

जीवन में मिठास घोलती हैं मातृभाषाएं

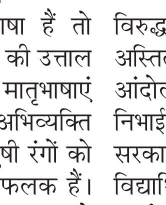
प्रमोद दीक्षित मलय

मातृभाषाएं मानव जीवन में आनन्द का उत्स हैं, लोक का अप्रतिम प्रसाद हैं और अवसाद से मुक्ति का द्वार भी। मातृभाषाएं ही नया रचने-गुनने और चिंतन-मनन करने की आधारभूमि हैं। मातृभाषा है तो जीवन में उमंग, उत्साह की उत्ताल तरंगें हैं। वास्तव में मातृभाषाएं जन-मन की सहज अभिव्यक्ति और कल्पना के इंद्रधनुषी रंगों को साकार करने का एक फलक हैं। मातृभाषा में कड़ाही में गुड़ बनने के लिए पक रहे गन्ने के रस की सोंधी सुगंध और मिठास होती है। मातृभाषाओं में किसी पहाड़ी झरने की मोहक ध्वनि सा सरस सुमधुर संगीत, लय और गत्यात्मकता होती है। वह नित नये शब्द बुनती नवल रूप ग्रहण करती है। वह जीवन का स्पन्दन है, प्राण है। कोई व्यक्ति भले ही कितने बड़े पद पर पहुंच जाये पर हर्ष, दुःख, प्रेम और क्रोध के अत्यधिक आवेग में उसके कंठ से सहसा मातृभाषा का स्वर ही फूटता है। यह मातृभाषा की जीवन्तता और जीवन में समरस होने का द्योतक है। मातृभाषाएं व्यक्ति एवं लोक के जीवन में आत्मीयता, माधुर्य एवं लालित्य का अमिय रस घोलती हैं।

मातृभाषा के सम्बंध में अभी भी स्पष्ट परिभाषा का अभाव दिखता है। मातृभाषा से आशय किसी बच्चे को उसकी माता से प्राप्त होने वाली भाषा के अर्थ में किया जाता है। लेकिन यह मातृभाषा के व्यापक फलक को सीमित और संकुचित कर देना है। मेरे मत में मातृभाषा किसी व्यक्ति के बचपन में उसके परिवेश में कार्य-व्यवहार की वह सामान्य भाषा है जिसमें उसने लोक से सम्पर्क एवं संवाद किया है, भले ही वह उसकी मां की भाषा से अलग रही हो। तो हम कह सकते हैं की मातृभाषा किसी व्यक्ति की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान होती है।

मातृभाषा का स्थान वास्तव में कोई दूसरी भाषा कभी भी नहीं ले सकती। इसलिए मातृभाषा को न केवल संरक्षित रखना बल्कि सर्वर्धित करते हुए अगली पीढ़ी को सौंपना हमारी सामाजिक, भाषाई एवं नैतिक जिम्मेदारी है। इस दृष्टि से यूनेस्को द्वारा विश्व भर में 21 फरवरी को अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा मान्यता प्राप्त है।

भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताएं एवं बहुभाषावाद के बारे में वैश्विक जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्था यूनेस्को द्वारा प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। वास्तव में मातृभाषा दिवस को बांग्लादेशी विद्यार्थियों की अपनी भाषा की रक्षा के लिए छेड़े दशक के मध्य में पाकिस्तानी सरकार के विरुद्ध हुए संघर्ष में विजय के उत्सव के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन्होंने पाकिस्तान द्वारा 1948 में उर्दू को राष्ट्रभाषा बनाकर पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी आम जनता पर थोपने के कुत्सित बलात प्रयास के विरुद्ध अपनी मातृभाषा बांग्ला के अस्तित्व की लड़ाई में उठ खड़े हुए आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तत्कालीन पाकिस्तानी सरकार ने ढाका विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के इस भाषाई आंदोलन को बर्बरतापूर्वक कुचलने के लिए हिंसा का सहारा लिया। जिसमें कुछ विद्यार्थी मारे गए, सैकड़ों लापता हुए। अमानवीय काले इतिहास की वह तारीख 21 फरवरी थी। तो विद्यार्थियों के इस अतुल्य बलिदान की स्मृति में सम्पूर्ण बांग्ला देश (तब पूर्वी पाकिस्तान) में प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अपनी मातृभाषा बांग्ला को राजकीय आधिकारिक दर्जा देने की मांग के साथ छोटे-बड़े हजारों कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे हैं। आखिरकार 29 फरवरी, 1956 को पाकिस्तानी सरकार ने बांग्ला भाषा को दूसरी आधिकारिक राष्ट्रभाषा का दर्जा प्रदान कर दिया। तब से 21 फरवरी को प्रति वर्ष बांग्लादेशी मातृभाषा दिवस का आयोजन करते हुए संयुक्त राष्ट्रसंघ से मांग करते रहे कि 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की जाये। उनकी इस मांग के आधार पर मातृभाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को स्वीकारते हुए यूनेस्को ने 17 नवंबर, 1999 को इसकी स्वीकृति देते हुए वर्ष 2000 से इस दिवस को सम्पूर्ण विश्व में मनाने की घोषणा की।

और तब से आधिकारिक रूप से राष्ट्रसंघ से जुड़े सभी देशों में यह दिवस अपनी मातृभाषा-बोली को स्मरण करने, बचाये रखने एवं अगली पीढ़ी तक पहुंचाये जाने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में मनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि 21 फरवरी को बांग्लादेश में राष्ट्रीय अवकाश घोषित है। बढ़ते तकनीकी प्रयोग के दौर में मातृभाषा-बोलियों पर संकट का है। दैनंदिन जीवन में बढ़ते तकनीकी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के व्यामोह, आर्थिक सुदृढ़ता के लिए पलायन करने, मुट्ठी में सिमटती-समाती दुनिया के कारण दैनिक कार्य व्यवहार में मातृभाषा के प्रयोग के अवसर बहुत सीमित हुए हैं। एक शोध-सर्वेक्षण के अनुसार विश्व में बोले जाने वाली लगभग 6900 मातृभाषा-बोलियों में से 3000 भाषाएं आसन्नमरण हैं। लगभग प्रतिदिन एक बोली मरने को विवश है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाएं केवल 10 हैं जिनमें जापानी, रूसी, बांग्ला, पुर्तगाली, हिंदी, अरबी, पंजाबी, मंदारिन और स्पेनिश सम्मिलित हैं।

डिजिटल-गंज का महात्म्य

डॉ. सुरेश कुमार

उस सुबह जब 'झुमरू' ने अपनी फटी हुई धोती को सचिवालय की टूटी खिड़की पर सुखाया, तो लगा मानो लोकतंत्र का नया झंडा फहरा रहा है। सचिवालय की इमारत दरअसल एक ऐसा पुरातात्विक अजूबा है, जहाँ फाइलें धूल के नीचे दबी होकर भी 'जीवित' होने का भ्रम पालती हैं। चपरासी 'भगेलू' ने मेज की धूल झाड़ने के लिए जो अंगोछा चलाया, वह पिछले दो पंचवर्षीय योजनाओं के वादों की तरह तार-तार था; उससे धूल साफ नहीं होती थी, बल्कि एक मेज से उठकर दूसरी मेज पर 'स्थानांतरित' हो जाती थी। क्लर्क 'मक्खनलाल' अपनी कुर्सी पर ऐसे जमे थे जैसे किसी पीपल के पेड़ पर कोई जिद्दी ब्रह्मराक्षस बैठा हो, जिसे हटाने के लिए केवल मंत्र नहीं, बल्कि 'गांधी छाप' आहुति की जरूरत पड़ती थी। यहाँ का शाश्वत सत्य यही है कि चक्का तभी घूमता है जब उसमें 'सुविधा शुल्क' का मोबिल-ऑयल डाला जाए। 'गजानन साहब' का दफ्तर में पदार्पण हुआ, तो वातावरण में वह पवित्र सन्नाटा छा गया जो केवल किसी बड़े घोटाले की 'क्लीन चिट' मिलने के बाद आता है। साहब के चेहरे पर वह दैवीय चमक थी जो आम आदमी का हक डकारने के बाद होने वाली 'एसिडिटी' को 'एटीट्यूड' में बदल देती है। उन्होंने अपना चश्मा ऐसे ठीक किया जैसे वह चश्मा नहीं, बल्कि पूरे जिले की गरीबी को अनदेखा करने वाला कोई जादुई लेंस हो। साहब का कार्य-दर्शन बड़ा स्पष्ट था-जनता की सेवा तब तक करो, जब तक वह खुद अपनी सेवा करने लायक न बचे। उनके बगल में बैठा 'पटेला' बाबू फाइलों को ऐसे सहेज रहा था जैसे वे फाइलें न हों, बल्कि किसी अमीर की वसीयत हों। यहाँ की बोलियों में मिठास तो थी, पर वह उसी तरह की थी जैसे जहर के ऊपर मखमली चाशनी की कोटिंग। विपक्ष के नेता 'ज्वाला प्रसाद' ने जब न्याय की गुहार लगाई, तो सत्ता के गलियारों में इसे 'मधुर संगीत' समझकर अनसुना कर दिया गया। सदन में बहस की स्थिति ऐसी थी मानो किसी पुराने कबाड़खाने में दो जंग खाए हुए लोहे के टुकड़े आपस में टकराकर अपनी धार साबित कर रहे हों। मर्यादा का जो चीरहरण हुआ, उसे देखकर द्रौपदी भी सोचती कि उससे बेहतर तो उसका वनवास ही था। प्रतीक के रूप में कोने में रखा गांधी जी का चश्मा अब केवल 'स्वच्छ भारत' के विज्ञापनों तक सीमित था, जबकि असलियत में चश्मे के पीछे की आँखें केवल 'परसेंटेज' और 'कमीशन' देख रही थीं। मुहावरा पूरी तरह संशोधित हो चुका था- जिसकी लाठी उसकी भैंस अब जिसकी सत्ता, उसकी हर फाइल सत्य में तब्दील हो चुका था।

लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर 'लपेटू राम' ने जब सड़क का ब्लूप्रिंट दिखाया, तो वह किसी जन्नत के नक्शे जैसा हसीन लगा। उस कागज पर सड़कें मखमली थीं, पर हकीकत में वे केवल 'गड्ढों का एक व्यवस्थित संग्रह' मात्र थीं। ठेकेदार 'खलीफा जी' ने गिट्टी और डामर की जगह अपनी रसूखदारी और नेताओं की सिफारिश का ऐसा लेप लगाया था कि पहली बारिश की बूंद ने उसे 'अदृश्य' कर दिया। लपेटू राम का गणित बड़ा सटीक था— साठ प्रतिशत साहब का, तीस प्रतिशत पार्टी का, और दस प्रतिशत में वह 'अदभुत सड़क' जो केवल फाइलों में दौड़ती थी। बिंब यह था कि सड़क पर चलते हुए आदमी को अपनी रीढ़ की हड्डी के सलामत रहने पर 'ईश्वरीय चमत्कार' जैसा अनुभव होता था। 'ज्ञानपुर' की पाठशाला में मास्टर 'दुखराम' बच्चों को नहीं, बल्कि अपनी किस्मत को पढ़ा रहे थे। पाठशाला की इमारत ऐसी थी कि छत और फर्श के बीच केवल 'हवा' का रिश्ता बचा था; बारिश होने पर मास्टर साहब छाता लगाकर शिक्षा की अलख जगाते थे। यहाँ डिग्रियां अब 'डिलीवरी एप' के ऑर्डर जैसी हो गई थीं— पैसे दीजिए और घर बैठे 'विद्वान' बन जाइए। सरस्वती का मंदिर अब 'सियासत का अखाड़ा' बन चुका था जहाँ छात्र 'क' से कलम नहीं, बल्कि 'क' से 'कलेक्टर का घेराव' सीख रहे थे।

'हम औसत रहे', सुपर-आठ राउंड से पहले अश्विन ने बताई टीम इंडिया की सच्चाई

टी20 वर्ल्ड कप में भारत का ग्रुप चरण समाप्त हो चुका है और अब टीम की नजर सुपर 8 मुकाबलों पर है। अगले चरण में भारत को दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है।भारत ने डिफेंडिंग चैंपियन की छवि के अनुरूप प्रदर्शन किया है, लेकिन अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि टीम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं पहुंची है।

'औसत दिन पर भी जीतने की क्षमता'

अश्विन ने 'ऐश की बात' कार्यक्रम में भारत के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार ने बहुत समझदारी भरी पारी खेली। रन गति बढ़ाने के लिए दुबे, हार्दिक और रिंकू मौजूद थे। उन्हें पता था कि वे स्कोरिंग रेट को संभाल सकते हैं। लेकिन आज (नीदरलैंड्स के खिलाफ) भारत बल्लेबाजी में बेहद शानदार नहीं था, उतना प्रभावी भी नहीं था।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह इतनी मजबूत टीम है कि अपने साधारण दिन पर भी विपक्ष को हरा सकती है। हम औसत थे, अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती ने इतनी अच्छी गेंदबाजी की कि नीदरलैंड्स उन्हें पढ़ नहीं सका। जसप्रीत बुमराह को पावरप्ले में स्विंग मिली और उन्होंने यॉर्कर भी डाले।' अश्विन के मुताबिक, टीम की सबसे बड़ी ताकत है यही है कि टीम कमजोर प्रदर्शन के बावजूद परिणाम अपने पक्ष में करने में कामयाब रहते हैं।

तिलक वर्मा की बल्लेबाजी पर खास टिप्पणी

अश्विन ने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा की भी तारीफ की। उन्होंने टी20 क्रिकेट में टाइमिंग और तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'तिलक वर्मा चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। हम पावर और ताकत की बात करते हैं, लेकिन बल्लेबाजी का असली सार स्वीट स्पॉट और टाइमिंग है। तिलक बड़े पावर हिटर नहीं हैं। उनके लिए टाइमिंग और गैप ढूंढना ज्यादा अहम है।' उन्होंने आगे कहा, 'कृपया याद रखें, आप वैभव की तरह खेल सकते हैं, लेकिन आप तिलक की तरह भी खेल सकते हैं, जो टाइमिंग पर भरोसा करते हैं और गैप तलाशते हैं।' अश्विन का मानना है कि टी20 में सिर्फ बड़े शॉट्स ही सफलता की गारंटी नहीं हैं, बल्कि परिस्थिति के अनुसार समझदारी भी उतनी ही जरूरी है।

सुपर 8 की तस्वीर साफ

सुपर 8 चरण की लाइनअप अब पूरी हो चुकी है। पाकिस्तान ने नामीबिया पर जीत दर्ज कर ग्रुप ए से भारत के साथ क्वालिफाई किया। ग्रुप बी से श्रीलंका और जिम्बाब्वे, ग्रुप सी से वेस्टइंडीज और इंग्लैंड, जबकि ग्रुप डी से दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड अगले चरण में पहुंचे हैं। साथ ही, 2028 टी20 विश्वकप की 12 क्वालिफाई करने वाली टीमें भी तय हो चुकी हैं। इस साल सुपर आठ की सभी टीमें और साथ ही सह-मेजबान होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को 2028 टी20 विश्वकप के लिए स्वतः क्वालिफिकेशन मिला है। वहीं, रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड भी शामिल हैं।

आगे की चुनौती

अब भारत के सामने असली परीक्षा है। सुपर-आठ में हर मुकाबला नॉकआउट जैसा होगा। अश्विन की बातों से साफ है कि टीम में आत्मविश्वास तो है, लेकिन सुधार की गुंजाइश भी मौजूद है। यदि भारत अपनी कमजोरियों को दूर कर लेता है, तो खिताब बचाने की राह और मजबूत हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया का ग्रुप चरण से बाहर होना पाक के लिए लकी! आंकड़े कर रहे बड़ा इशारा, 2026 में फिर बनेगा संयोग?

क्रिकेट इतिहास में कई ऐसे संयोग देखने को मिले हैं, जो वक्त के साथ दिलचस्प ट्रेंड बन जाते हैं। टी20 और वनडे विश्व कप के साथ-साथ चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स में एक ऐसा ही पैटर्न बार-बार नजर आया है। यह पैटर्न है कि जब-जब ऑस्ट्रेलिया किसी आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज से बाहर हुआ, तब-तब एक टीम ने वह आईसीसी खिताब अपने नाम किया और यह टीम है पाकिस्तान। ऐसा तीन बार हुआ है, जब ऑस्ट्रेलिया किसी आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज से बाहर हुई और तीनों बार पाकिस्तान ने खिताब जीता। और अब फैंस पूछ रहे हैं कि क्या 2026 में ऐसा हो पाएगा?

1992 वनडे विश्वकप: पहली कड़ी

1992 के वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था। उसी साल पाकिस्तान पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा था, लेकिन इमरान खान की टीम ने शानदार वापसी करते हुए और दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी उठाई। उस जीत ने विश्व क्रिकेट में नई ताकत के उभार का संकेत दिया था।

2009: टी20 में इतिहास दोहराया

2009 के टी20 विश्व कप में भी कहानी कुछ ऐसी ही रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद पाकिस्तान टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए टी20 विश्व कप पर कब्जा जमाया। उस टीम की कमान यूनिस खान संभाल रहे थे। पाकिस्तान टीम पहली बार टी20 चैंपियन बनी थी।

2017: चैंपियंस ट्रॉफी का संयोग

2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में भी ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। उसी साल फिर पाकिस्तान टीम खिताब जीतकर चर्चा में रही। यह तीसरी बार था, जब ऑस्ट्रेलिया की शुरुआती विदाई के बाद ट्रॉफी का रुख उसी दिशा में मुड़ा। सरफराज अहमद की टीम ने फाइनल में भारत को शिकस्त दी थी।

2026: क्या फिर होगा ऐसा?

अब 2026 टी20 विश्वकप में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो चुका है। ऐसे में क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञ आंकड़ों को जोड़कर सवाल उठा रहे हैं कि क्या इतिहास खुद को दोहराएगा? क्या पाकिस्तान टीम एक बार फिर ट्रॉफी उठाएगी? हालांकि, क्रिकेट सिर्फ संयोग और आंकड़ों का खेल नहीं है। हर टूर्नामेंट की अपनी परिस्थितियां, फॉर्म और रणनीति होती है, लेकिन बार-बार दोहराए गए ऐसे संयोग रोमांच जरूर बढ़ा देते हैं।

संयोग नहीं, मौजूदा फॉर्म से तय होती है किस्मत

पाकिस्तान की टीम करो या मरो वाली स्थिति में सुपर-आठ में पहुंची। टीम में आपसी कलह है और खिलाड़ियों का कॉम्बिनेशन भी सही नहीं बैठ रहा। किस्मत के सहारे टीम सुपर आठ में जरूर पहुंची, लेकिन यहां से उसके लिए मुश्किलें खड़ी होंगी। सुपर आठ में पाकिस्तान के सामने इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका जैसी शानदार फॉर्म में चल रही टीमों की चुनौती होगी। उनसे पार पाना सलमान अली आगा के लिए आसान नहीं होगा।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया टीम इस साल कई दिग्गजों के बिना विश्व कप में उतरी थी। किस्मत ने भी टीम का साथ नहीं दिया। जिम्बाब्वे से हार ने पूरा समीकरण बदल दिया। पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क टीम का हिस्सा नहीं थे। वहीं, नियमित कप्तान मिचेल मार्श भी चोट की वजह से ज्यादातर मैच नहीं खेले। यही वजह है कि कंगारुओं को पहले राउंड से बाहर का रास्ता देखना पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों के बीच यह चर्चा जोरों पर है कि क्या 2026 में भी वही 'लकी कनेक्शन' काम करेगा या इस बार कहानी बदलेगी। जवाब मैदान पर प्रदर्शन ही देगा, लेकिन आंकड़े फिलहाल एक दिलचस्प इशारा जरूर कर रहे हैं।

शिखर और सोफी पर चढ़ा धुरंधर का फीवर, संगीत में जमकर थिरके; वायरल हुआ क्यूट वीडियो

पूर्व भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन अपनी जिंदगी की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। वह जल्द ही सोफी शाइन के साथ सात फेरे लेंगे। शादी से पहले आयोजित संगीत समारोह में दोनों ने जमकर डांस किया, जिसका क्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पहले गुरुवार को धवन ने सोफी के साथ संगीत समारोह की तस्वीरें भी साझा की थीं, जिन्हें फैंस ने खूब पसंद किया।

धुरंधर के गाने पर जमकर थिरके शिखर और सोफी

शिखर धवन और सोफी शाइन की शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर दोनों का एक क्यूट वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह धुरंधर के गाने पर थिरकते दिख रहे हैं। प्रशंसकों को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

कौन हैं शिखर की होने वाली दुल्हन सोफी शाइन?

सोफी शाइन आयरलैंड की नागरिक हैं और फिलहाल शिखर धवन फाउंडेशन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह फाउंडेशन शिखर धवन के स्पोर्ट्स और सोशल वेंचर्स समूह की परोपकारी शाखा है। सोफी को सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि है और वह बीते कुछ समय से धवन के प्रोफेशनल और पर्सनल सफर का अहम हिस्सा बनी हुई हैं।

कैसे शुरू हुई लव स्टोरी?

रिपोर्ट के मुताबिक, शिखर धवन और सोफी शाइन की मुलाकात कुछ साल पहले दुबई में हुई थी। दोस्ती से शुरू हुआ यह रिश्ता धीरे-धीरे प्यार में बदल गया। दोनों पिछले एक साल से साथ रह रहे हैं और अपने भविष्य को लेकर गंभीर हैं। सोफी को आईपीएल 2024 के दौरान भी पंजाब किंग्स के मैचों में शिखर के साथ देखा गया था।

'उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है', कोच ट्रॉट की विदाई पर बोले कप्तान राशिद

अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अंत धमाकेदार जीत के साथ किया। गुरुवार को एम चिदंबरम के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के 39वें मुकाबले में अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया। अफगानिस्तान ने जीत के साथ टीम के हेड कोच जोनाथन ट्रॉट को भी विदाई दी। कप्तान राशिद खान ने मैच के बाद कहा कि ट्रॉट ने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया और उनका टीम से अलग होना काफी भावुक करने वाला पल है।

कनाडा के खिलाफ मिली जीत के बाद राशिद ने कोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जोनाथन ट्रॉट के साथ पिछले चार या साढ़े चार साल का यह सफर कमाल का रहा। उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया। टीम को इस मुकाम तक पहुंचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। ट्रॉट को इस तरह से टीम से अलग होते देखना काफी भावुक पल है, लेकिन यही जिंदगी है। आप कभी भी हमेशा साथ नहीं रह सकते हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनसे फिर मुलाकात होगी।'

अफगानिस्तान के टूर्नामेंट में सफर को लेकर राशिद ने कहा, 'हम पूरी तैयारी के साथ आए थे और हमने टूर्नामेंट में लाजवाब क्रिकेट खेला। मेरे हिसाब से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में मिली हार ने हमको बैकफुट पर धकेल दिया और सबसे ज्यादा चोट भी पहुंचाई। हम इस बात को जानते थे कि विश्व कप में अपने भाग्य को नियंत्रण में रखने के लिए हमें शुरुआती दो मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी ही होगी। हालांकि, टूर्नामेंट ऐसे ही चलता है।'राशिद ने आगे कहा, 'इस टूर्नामेंट से हमारे लिए काफी चीजें सकारात्मक रहीं, जिसके साथ हम आगे बढ़ना चाहेंगे और अगले आईसीसी इवेंट में मजबूती के साथ वापसी करेंगे। हालांकि, कुछ चीजों में हमें सुधार करने की जरूरत है। खासतौर पर बड़ी टीमों के खिलाफ हमारे मध्यक्रम बल्लेबाजों का प्रदर्शन और अंतिम ओवरों में गेंदबाजी।' ग्रुप स्टेज में खेले 4 मैचों में से अफगानिस्तान को दो में जीत मिली, जबकि 2 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

'द हंड्रेड' से भी भगाए जाएंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी? आठ में से चार फ्रेंचाइजी का एलान, क्यों लिया यह फैसला

इंग्लैंड की चर्चित फ्रेंचाइजी लीग द हंड्रेड को लेकर एक नई रिपोर्ट ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। खबर है कि जिन टीमों में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) फ्रेंचाइजियों की हिस्सेदारी है, वे अगले महीने होने वाली नीलामी में किसी भी पाकिस्तानी खिलाड़ी पर बोली नहीं लगाएंगी। यह दावा बीबीसी की रिपोर्ट में किया गया है, जिसमें एक खिलाड़ी एजेंट के हवाले से इसे 'अलिखित नियम' बताया गया। व्यवहार के वे प्रतिबंध या दिशा-निर्देश हैं, जो कहीं लिखे नहीं होते और न ही औपचारिक रूप से बताए जाते हैं, लेकिन लोग इन्हें मौन सहमति से स्वीकार करते हैं। इन्हें 'अनकहे नियम' भी कहते हैं।

भारतीय निवेश और पाकिस्तानी खिलाड़ियों की स्थिति

दुनियाभर की टी20 लीगों में यह पहले भी देखा गया है कि जहां भारतीय निवेश या आईपीएल मालिकों की सीधी भागीदारी होती है, वहां पाकिस्तानी खिलाड़ियों की एंट्री नहीं होती। उदाहरण के तौर पर आईपीएल में 2008 के पहले सीजन के बाद कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं खेला। दक्षिण अफ्रीका की एसए20 की

सभी छह टीमें आईपीएल समूहों के स्वामित्व में हैं और वहां भी पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं दिखे। यूएई की आईएलटी20 में भी यही स्थिति रही है। अब द हंड्रेड की आठ में से चार टीमों में आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों की हिस्सेदारी आ चुकी है, जो एक अक्तूबर 2025 से प्रभावी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक ये टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगाएंगी।

किन टीमों में है IPL मालिकों की हिस्सेदारी?

रिपोर्ट में जिन टीमों का नाम सामने आया है, उनमें शामिल हैं:

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स
साउदर्न ब्रेव
एमआई लंदन
सनराइजर्स लीड्स

रिपोर्ट में बताया गया है कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक एजेंट को संकेत दिया कि उसके पाकिस्तानी खिलाड़ियों में रुचि केवल उन टीमों तक सीमित हो सकती है, जिनका आईपीएल से कोई संबंध नहीं है।

क्या नियमों के खिलाफ है यह कदम?

द हंड्रेड अब स्वतंत्र क्रिकेट रेगुलेटर के अधीन है, जिसकी स्थापना 2023 की 'इक्विटी इन क्रिकेट' रिपोर्ट के बाद की गई थी। ऐसे में राष्ट्रीयता के आधार पर किसी खिलाड़ी को नजरअंदाज करना नियमों के खिलाफ माना जा सकता है। ईसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'द हंड्रेड दुनिया भर के पुरुष और महिला खिलाड़ियों का स्वागत करता है और हम उम्मीद करते हैं कि सभी आठ टीमें वैश्विक प्रतिनिधित्व दिखाएंगी।' रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार नीलामी के लिए 18 देशों के लगभग 1000 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के 50 से अधिक खिलाड़ी शामिल हैं।

अधिकारियों और संगठनों की प्रतिक्रिया

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गूल्ड ने पिछले वर्ष कहा था, 'हम उम्मीद करते हैं कि सभी देशों के खिलाड़ी सभी टीमों के लिए चुने जाएँ। हमारे पास स्पष्ट भेदभाव-विरोधी नीतियां हैं।' वहीं वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी टॉम मोफाट ने कहा, 'हर खिलाड़ी को निष्पक्ष और समान अवसर मिलना चाहिए। भले ही फ्रेंचाइजियों को भर्ती में स्वायत्तता हो, लेकिन फैसले हमेशा समानता और सम्मान के सिद्धांतों के अनुरूप होने चाहिए।'

पहले कौन-कौन खेले?

पिछले सीजन में मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम ने 'द हंड्रेड' में हिस्सा लिया था। इससे पहले शाहीन अफरीदी, शादाब खान और हारिस रऊफ भी इस लीग में खेल चुके हैं।

आगे क्या?

अगर रिपोर्ट सही साबित होती है तो यह मामला सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेलों में निवेश, राष्ट्रीयता और निष्पक्ष अवसर जैसे बड़े सवाल भी उठाएगा।

क्या यह केवल व्यावसायिक रणनीति है, या वैश्विक क्रिकेट में बढ़ती खाई का संकेत? अब सबकी नजरें नीलामी पर टिकी हैं, जहां यह साफ होगा कि मैदान पर प्रतिभा जीतेगी या निवेश का प्रभाव।

'बड़े शॉट नहीं, पहले शुरुआत जरूरी', फॉर्म में वापसी के लिए गावस्कर ने दिया अभिषेक शर्मा को गुरु मंत्र

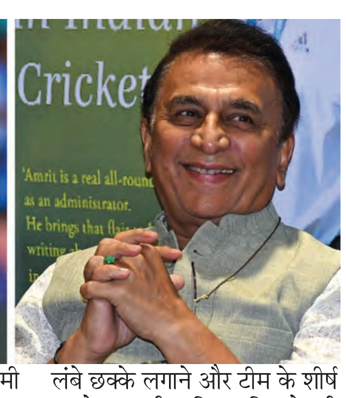

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप 2026 में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में खाता तक नहीं खोला है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी से उम्मीदें काफी ज्यादा हो सकती हैं और उन्हें शुरुआत में बड़े शॉट खेलने की बजाय अपनी पारी को संवारने पर ध्यान देना चाहिए।

गावस्कर ने दी अभिषेक को यह सलाह

सुनील गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' पर कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का दबाव साफ नजर आ रहा है। अगर उन्होंने यूएसए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात अलग होती। अब उनसे लंबे छक्के लगाने और टीम के शीर्ष बल्लेबाज की भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। अपनी शॉट रेंज को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताने की जरूरत है। वह पारी की पहली ही गेंद पर बाउंड्री या छक्का मारने की कोशिश नहीं कर सकते। अगर बड़े शॉट स्वाभाविक रूप से लगते हैं तो ठीक है, लेकिन उन्हें खुद को जबरन बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।'

'सिंगल से शुरुआत करो'

अभिषेक शर्मा की परेशानी यूएसए के खिलाफ 'गोल्डन डक' से शुरू हुई। इसके बाद पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ भी वह खाता नहीं खोल सके। हर बार वह पहले ओवर में ही आउट हो गए। ऐसे में गावस्कर ने स्वाभाविक खेल पर जोर देते हुए कहा, 'एक सिंगल लेकर शुरुआत करो। चार डॉट गेंदें भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में इसकी भरपाई कर सकते हैं। उन्हें समझदारी से खेलने की जरूरत है। कुछ समय क्रीज पर जमने में बिताएं और फिर अपना नैचुरल गेम खेलें। सबसे पहले, बस शुरुआत करें। हर बल्लेबाज अपना पहला रन बनाना चाहता है। एक बार वह रन बन जाएगा, तो चीजें आसान हो जाएंगी।'

कोच ने जताया वापसी का भरोसा

खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे ने अभिषेक शर्मा की वापसी की क्षमता पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने कल रात नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाजी की।

उन्होंने करीब 90 मिनट तक बल्लेबाजी की। आपको उन्हें थोड़ा समय देना होगा। ग्रुप फेज में वह पूरी तरह सहज महसूस नहीं कर रहे थे और कुछ दिन अस्पताल में रहने के कारण नामीबिया के खिलाफ मैच भी नहीं खेल सके। यह अब तक उनके लिए निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है, लेकिन कल रात उनकी गेंद पर पकड़ और स्ट्राइकिंग देखकर काफी सकारात्मक संकेत मिले हैं। हमें उन्हें लेकर कोई चिंता नहीं है। दूसरे चरण में वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

'नैना' की कहानी मेरी भी कहानी है
संदीपा धर ने फिल्म की रिलीज पर बयां किया अपना दर्द

रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा अभिनेत्री संदीपा धर ने दमदार किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने रिलीज के दिन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर कुछ बीटीएस तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें वे नैना के किरदार में नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके साथ मृणाल, सिद्धांत और फिल्म के अन्य कलाकार भी नजर आ रहे हैं।

संदीपा ने लिखा, नैना अब आपकी है। मैं करीब एक साल से इस किरदार के साथ जुड़ी हुई हूं। इसने मुझे उन बातों पर सोचने को मजबूर कर दिया, जिनसे मैं भागना चाहती थी। उन्होंने लिखा कि अक्सर हम लोग किसी को पसंद आने के लिए अपने आपको बदलने लगते हैं और फिर भी लगता है कि हम अच्छे नहीं हैं। आईने में देखकर सिर्फ अपनी कमियां ही क्यों दिखती हैं? उन्होंने लिखा, नैना की कहानी मेरी कहानी है।

शायद आपकी भी। मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है। मैं भी सीख रही हूं, लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि हमें बार-बार उन लोगों को अपनी वैल्यू साबित करने की जरूरत नहीं, हमें कभी समझ ही नहीं पाएंगे। हमें अपनी किस्मत खुद समझनी चाहिए।

अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में लिखा, अगर कभी आपको लगे कि आप काफी नहीं हैं, तो ये कहानी आपके लिए है। अगर आपने कभी किसी के लिए खुद को खो दिया, तो ये कहानी आपके लिए है। आइए, हम सब मिलकर खुद को फिर से ढूंढें। 'दो दीवाने सहर में' अब सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

फिल्म 'दो दीवाने सहर में' प्यार, रिश्तों और खुद को समझने की खूबसूरत कहानी है, जिसमें परफेक्ट होने को महत्व न देकर खुद को खुलकर जीने पर जोर दिया गया है।

फिल्म में सिद्धांत ने एक ऐसे लड़के का किरदार निभाया है, जो श को भी स बोलता है, जिस वजह से उसे हर कोई आंकता है, हालांकि फिल्म का नाम भी इस वजह से 'दो दीवाने सहर में' रखा गया है।

फिल्म का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है। वहीं, संजय लीला भंसाली के साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। मृणाल और सिद्धांत के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयेशा रजा, संदीपा धर समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

'सांड की आंख' से लेकर 'पिंक' तक : तापसी पन्नू की इन फिल्मों ने बदला समाज का नजरिया

भारतीय सिनेमा पर लंबे समय से अभिनेताओं और बड़े स्तर की फिल्मों का कब्जा रहा है, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की और दर्शक भी खुद को थिएटर में सीटी बजाने से नहीं रोक पाए। अब बदलते समय के साथ महिला प्रधान फिल्मों ने भी हिंदी सिनेमा में अलग जगह बना ली है और लगभग हर अभिनेत्री बिना किसी मेन लीड के सहारे फिल्मों में अपनी धाक जमा रही है। आज तापसी पन्नू की 'अस्सी' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और अगर उनके करियर के पन्नों को पलटा जाए तो उन्होंने कई ऐसी महिला प्रधान फिल्में की हैं, जिन्होंने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ सिनेमाघर ही नहीं, बल्कि ओटीटी पर भी तापसी ने महिला प्रधान फिल्मों से फैंस का दिल जीता है। उनकी साल 2019 में आई 'बदला' ने ओटीटी पर नई लहर की शुरुआत की थी, जिसमें अपने प्रेमी के ही मर्डर केस में फंसी तापसी खुद के बेकसूर साबित करने की लड़ाई लड़ती हैं। 'बदला' में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी और आईएमडीबी पर रेटिंग 7.7 थी।

'बदला' से पहले तापसी ने 'पिंक' में काम किया था, जिसका डायलॉग 'नो मींस नो' ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म में महिलाओं की मर्जी और उनकी भावनाओं को तवज्जो दी थी और समाज की संकीर्ण धारणाओं पर प्रहार किया था। 9 साल 2020 में तापसी 'थप्पड़' को लेकर आई, जिसमें महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को उजागर किया गया और बताया गया कि शुरुआत एक थप्पड़ से ही होती है। फिल्म में सिर्फ 'एक थप्पड़' के कारण रिश्तों और सम्मान के सवाल को उठाया गया है, जिसके लिए इसे खूब सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और वर्ल्ड वाइड 44 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

'सांड की आंख' फिल्म को भी नहीं भुलाया जा सकता है, जिसमें तापसी ने प्रकाशी तोमर का रोल निभाया था। यह फिल्म साठ साल की दो बहनों चंद्रो और प्रकाशी के जीवन पर बनी थी, जो 60 साल की उम्र के बाद निशानेबाजी में आई और कई पुरस्कार भी अपने नाम किए। फिल्म में पितृसत्तात्मक और रुढ़िवादी सोच को भी बखूबी दिखाया गया।

साल 2021 में आई रश्मि रॉकेट भले ही पर्दे पर कमाल नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म भारतीय महिला खिलाड़ियों के संघर्ष पर बनी है। फिल्म में छोटे से गांव से निकली रश्मि वीरा अपने सपनों को उड़ान देने के लिए कई संघर्षों से गुजरती है। फिल्म में महिला खिलाड़ियों के साथ होने वाले भेदभाव, जेंडर टेस्टिंग और हाइपरएंड्रोजेनिज्म के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। इसके अलावा लिस्ट में तापसी की 'हसीन दिलरुबा', 'ब्लर', 'शाबाश मिठू', और 'नाम शबाना' जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

काजोल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अंतरिम आदेश, पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ा है मामला

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक्ट्रेस काजोल देवगन के पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर एक अंतरिम आदेश दिया। जस्टिस ज्योति सिंह ने कई डिफेंडेंट को उनकी इजाजत के बिना उनके नाम, तस्वीर, आवाज या उनकी पहचान का इस्तेमाल कमर्शियल मकसदों के लिए करने से रोक दिया है।

कोर्ट ने दिया आदेश

कोर्ट ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के जरिए उनके पर्सनैलिटी राइट्स का गलत इस्तेमाल होने से बचाया जाना चाहिए। आगे के आदेश यह पक्का करेंगे कि कोई भी उनकी पहचान का इस्तेमाल डिजिटल कंटेंट में न करे।

कंटेंट हटाने का आदेश

इसके अलावा, अदालत ने अलग-अलग डिफेंडेंट को एक्ट्रेस के खिलाफ ऑनलाइन पब्लिश किए गए अश्लील कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया। काजोल देवगन की तरफ से एडवोकेट प्रवीण आनंद अदालत में पेश हुए।

इन लोगों को भी मिली सुरक्षा

अदालत ने हाल ही में अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, नागार्जुन, अजय देवगन, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन को पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर सुरक्षा दी है। इन फैसलों से यह पक्का होता है कि लोगों को अपनी पर्सनैलिटी के डिजिटल इस्तेमाल पर पूरा कंट्रोल रहेगा।

काजोल का वर्कफ्रंट

काजोल को आखिरी बार फिल्म 'सरजमीं' में देखा गया था। जल्द ही वह फिल्म 'महारागनी; क्वीन ऑफ क्वीन्स' का हिस्सा होंगी। इसमें उनके साथ प्रभुदेवा और नसीरुद्दीन शाह भी होंगे।

टॉक्सिक मूवी में रची गयी गोवा की रहस्यमयी और हिंसक गैंगस्टर गाथा

बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक का पहला टीज़र सामने आ चुका है, जो दर्शकों को एक गंभीर, धुंधली और स्याह दुनिया में ले जाता है। टीज़र संवादों से ज़्यादा माहौल पर भरोसा करता है, जहां सत्ता की भूख, हिंसा और महत्वाकांक्षा की परतें धीरे-धीरे खुलती हैं। समुद्री इलाक़े की पृष्ठभूमि में बसी यह कहानी सड़न और सपनों के टकराव को सामने रखती है। चार साल बाद बड़े पर्दे पर यश की वापसी

फिल्म का निर्देशन गीता मोहनदास ने किया है और यह की चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी का एलान भी है। इ टीज़र में यश का किरदार 'राया' सत्ता की सीढ़ियां चढ़ते हुए दिखाई देता है, जहां खून, डर और विश्वासघात उसके औज़ार बनते हैं।

1940 से 1970 के दशक का गोवा

कहानी 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा में रची गई है। यह वह दौर है जब औपनिवेशिक प्रभाव ढलान पर था और अपराध के नए गिरोह आकार ले रहे थे। टीज़र इशारों में बताता है कि बाहरी तौर पर शांत दिखने वाली इस ज़मीन के भीतर अपराध का उफनता समंदर छिपा है, जिसमें राया अपना साम्राज्य खड़ा करता है।

दमदार स्टारकास्ट और निर्माण

फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रूकमणि वसंथ अहम भूमिकाओं में हैं। बीते कुछ हफ्तों में यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में रहा। यश के जन्मदिन पर जारी किए गए एक किरदार रिवील वीडियो को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आईं और कानूनी नोटिस की चर्चाएं भी हुईं। इसके अलावा यूएई डिस्ट्रीब्यूटर की वेबसाइट पर कथित प्लॉट विवरण सामने आने से फिल्म की थीम और सेटिंग को लेकर बहस छिड़ गई।

रिलीज़ डेट और बॉक्स ऑफिस टक्कर

फिल्म 19 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। यह तारीख ईद, गुड़ी पड़वा और उगादी जैसे त्योहारों के साथ आती है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है।

'द केरल स्टोरी 2' के समर्थन में उतरी भाजपा, नेता बोले-फिल्म को राजनीतिक चश्मे से न देखें

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2–गोज बियॉन्ड' को लेकर जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस बीच भाजपा नेताओं ने फिल्म का विरोध करने वालों पर निशाना साधा और कहा है कि फिल्म को राजनीतिक चश्मे के बजाय, अभिव्यक्ति की आजादी और सच्चाई के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा, चुनाव से ठीक तीस दिन पहले मुख्यमंत्री एक तरह का सर्कस खड़ा करना चाहते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि वे मुस्लिम हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत का एक संविधान है और हर नागरिक को अपनी बात कहने और अपनी कहानी रखने का अधिकार है। किसी फिल्म को केवल इसलिए विवादों में घसीटना कि वह असहज सवाल उठाती है, लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा, भारत में किसी न किसी मुद्दे पर विवाद खड़ा करना अब एक परंपरा बन चुकी है। सिनेमा समाज का आईना है और ये फिल्में अक्सर उन पहलुओं को सामने लाती हैं जो आमतौर पर दबे रह जाते हैं। किसी भी फिल्म के कंटेंट को परखने का काम सेंसर बोर्ड का है और जब बोर्ड कोई फैसला लेता है, तो सभी को उसका सम्मान करना चाहिए।

झारखंड की राजधानी रांची से भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, केरल से लगातार ऐसी खबरें सामने आती रही हैं, जिनमें हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगते रहे हैं। मेरा मानना है कि अगर फिल्मों के जरिए इन घटनाओं को दिखाया जा रहा है तो उसका विरोध क्यों हो रहा है? केरल में भाजपा और आरएसएस लंबे समय से इन मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, और जो लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं इस पूरी प्रक्रिया में संलिप्त हो सकते हैं।

तेलंगाना से भाजपा नेता ने भी फिल्म का समर्थन करते हुए कहा, यह सत्य घटनाओं पर आधारित है। केरल में जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, उन्हें समाज को समझना चाहिए। अगर फिल्म किसी सच्चाई को उजागर कर रही है तो उसे देखने और समझने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने कहा, फिल्मों को बड़े नजरिए से देखा जाना चाहिए। फिल्म बनाना, उसे रिलीज करना और जनता तक पहुंचाना प्रोड्यूसर और डायरेक्टर का काम है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ से मंत्री ओपी राजभर ने कहा, फिल्म कोई सरकारी संस्था नहीं बनाती, बल्कि यह फिल्म इंडस्ट्री का विषय है। सेंसर बोर्ड पहले ही कंटेंट की समीक्षा करता है और अगर उसके बाद भी किसी वर्ग को आपत्ति होती है तो नियमों के तहत विवादित हिस्सों में बदलाव किया जा सकता है।

फिल्म 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर बने लव ट्रायंगल का तीसरा एंगल, रश्मिका-कृति का लेस्बियन रोमांस चर्चा में

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर एक नई बड़ी खबर सामने आई है जिसमें फिल्म की स्टोरी रिलीज से पहले ही लीक होने का दावा किया जा रहा है। इस खबर के अनुसार, लीक हुई कहानी में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के किरदारों के बारे में असाधारण अपडेट सामने आया है।

एक रिपोर्ट मुताबिक फिल्म में रश्मिका मंदाना और कृति सेनन एक-दूसरे से प्यार करने वाली लड़की-लड़की के किरदार में नजर आ सकती हैं। यानी दोनों एक लेस्बियन कपल का रोल निभा सकती हैं, जो इस फिल्म को बॉलीवुड में एक अलग तरह का रोमांटिक एंगल देगा। वैसे इस तरह की कहानी को लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन रिपोर्टें यही दावा कर रही हैं कि इनके बीच का प्यार ही फिल्म की सबसे बड़ी कहानी बन सकता है। ऐसे में शाहिद कपूर की भूमिका को तीसरे कोण के रूप में बताया जा रहा है, जो इस प्रेम कहानी के बीच में आता है और एक लव ट्रायंगल की शक्ल लेता है।

ये प्रेम त्रिकोण फिल्म को आधुनिक रिश्तों के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित करने की कोशिश दिखाता है और पारंपरिक रोमांटिक कहानियों से हटकर कुछ नया पेश करता है। हालांकि, जैसा कि कहा गया है, यह पूरी कहानी केवल लीक रिपोर्ट पर आधारित है और फिलहाल फिल्म की आधिकारिक टीम ने कहानी, किरदारों या पॉट का खुलासा नहीं किया है।

जहां तक रिलीज डेट का सवाल है, फिल्म की रिलीज तारीख का अभी तक कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की योजना है ताकि यह शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' के लगभग छह महीने बाद आए और दोनों फिल्मों को अपने-अपने समय और दर्शक मिल सकें। लेकिन यह भी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। कुल मिलाकर, 'कॉकटेल 2' की कहानी को लेकर इन दिनों बड़ी दिलचस्प चर्चा है और अगर लीक जानकारी सही साबित होती है तो यह बॉलीवुड में रिश्तों के नए और प्रगतिशील चित्रण के लिए एक अहम फिल्म साबित हो सकती है।

एनीमेशन की दुनिया में कदम रखेंगे सुभाष घई
'कालीचरण' के नए अवतार से होगी मुक्ता आर्ट्स की शुरुआत

सुभाष घई की कंपनी मुक्ता आर्ट्स अब एनीमेशन की दुनिया में कदम रख रही है। वह अपनी ही फिल्मों को एनीमेशन रूप में बनाएंगे। उनकी पहली एनीमेशन फिल्म कालीचरण होगी, जो उनकी पुरानी फिल्म का नया रूप होगी। इस दौरान उन्होंने आईएएनएस के साथ खास बातचीत की और एआई के महत्व पर प्रकाश डाला। घई ने कहा, देखिए, आजकल हर जगह एआई का नाम ज्यादा सुनने को मिलता है। एनीमेशन और गेमिंग की बात थोड़ी कम सुनने को मिलती, लेकिन असल में ये तीनों मिलकर एक बहुत बड़ी इंडस्ट्री बनने वाली हैं। भविष्य में यह भारत में अरबों डॉलर की इंडस्ट्री बन सकती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारे देश में टैलेंट की कमी नहीं है। भारतीय बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, उनके पास कंटेंट अच्छा होता है और बेहतरीन टेक्निशियन भी हैं। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि हमारी भारतीय कहानियों को आगे लाया जाए। इन कहानियों को गेमिंग और एनीमेशन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। एआई एक तरह का सहायक टूल है, जो इस काम को आसान बनाएगा। आगे चलकर एआई इतना आम हो सकता है कि घर की रसोई तक पहुंच जाए और खाना बनाने में भी मदद कर सकता है।

आप सबसे पहले कौन सी फिल्म को एनिमेशन के जरिए दिखाना चाहेंगे? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसकी कहानी बहुत दिलचस्प और मजेदार है और मुझे लगता है कि आज के बच्चों को भी इसकी कहानी जाननी चाहिए। यह ऐसी फिल्म है जिसे थिएटर में भी दिखाया जा सकता है और एनीमेशन के रूप में भी बनाया जा सकता है।

उन्होंने आगे ये भी बताया कि एनीमेशन में कहानी को थोड़ा अलग तरीके से दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा, कहानी की मूल कहानी (प्लॉट) वही रहेगी, लेकिन कलाकार और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज अलग होगा।

इसके साथ ही उन्होंने सलीम खान की सेहत को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा, वे बहुत अच्छे इंसान हैं और मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं ये भी जानता हूं कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री उनके लिए प्रार्थना कर रही है। मैं भगवान से कामना करता हूं कि वे जल्दी ठीक हो जाएं।

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार? फर्स्ट लुक से बढ़ी अटकलें

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं - क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में रजनीश दुग्गल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं। बीग बॉस ओटीटी और एमटीवी की विनर रह चुकी दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म का निर्माण ज्योति राज गवली ने किया है और सह-निर्माता राज गवली हैं। 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही द वार्डरोब सस्पेंस, साइकोलॉजिकल ट्विस्ट और सुपरनैचुरल रोमांच से भरपूर होने का वादा करती है। लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है क्या दिव्या अग्रवाल सच में भूत का किरदार निभा रही हैं, या कहानी में कोई और गहरा रहस्य छिपा है?

यूपी में शिक्षा मित्रों को अब 18 हजार रुपए मिलेंगे

अनुदेशकों की भी सैलरी बढ़ाई, योगी का विधानसभा में ऐलान

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी में पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले 1.70 लाख शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। शिक्षा मित्रों को अब 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपए हर महीने मिलेंगे। अभी तक शिक्षा मित्रों को 10 और अनुदेशकों को 9 हजार रुपए ही मिल रहे थे।

सीएम योगी ने विधानसभा में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, सरकार ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के हित में यह कदम उठाया है। पहले सपा सरकार में इन्हें मात्र 3 हजार रुपए मिलते थे। हमारी सरकार ने 2017 में ही 10 हजार किया था। अब महंगाई को देखते हुए एक साथ 8 हजार रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

9 साल बाद शिक्षा मित्रों की सैलरी बढ़ी है। अब उनका ट्रांसफर भी होगा। सरकार ने शिक्षा मित्रों को और उनके परिवार को पांच लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी है। सीएम ने स्वास्थ्य विभाग में 75 हज़ार नौकरी की भी घोषणा की।

उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल यादव ने इस फैसले का जोरदार स्वागत किया।

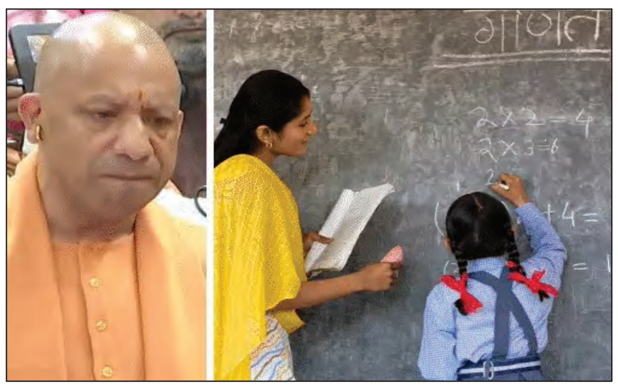

उन्होंने कहा- पहली बार सरकार ने एक साथ 8 हजार रुपये की बढ़ोतरी की है। इस महंगाई के दौर में शिक्षा मित्रों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। हमारी मांग 30 हजार रुपए की थी, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए यह भी बहुत है। सरकार ने हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग पर अमल किया है। हम शिक्षा मित्रों की ओर से योगी सरकार को बधाई देते हैं।

अनुदेशकों का मानदेय वर्ष 2017 में करीब 9 हजार रुपए से बढ़ाकर 17,000 रुपए किया गया था। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इस निर्णय को लागू नहीं किया गया। इसके विरोध में अनुदेशकों ने लखनऊ हाईकोर्ट की बेंच में याचिका दायर की थी।

लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के तत्कालीन न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान ने अनुदेशकों को 17,000 रुपए मानदेय 9 प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए अपील दायर की।

हाईकोर्ट की डबल बेंच ने केवल एक वर्ष के लिए 17,000 रुपए मानदेय भुगतान का निर्देश दिया, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। 5 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की वह अपील खारिज कर दी, जिसमें यूपी सरकार अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के खिलाफ थी। साथ ही यह आदेश दिया है कि अनुदेशकों की नौकरी खत्म न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने साफ कहा कि संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नौकरी खत्म नहीं होगी। 10 साल से लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमैटिक तरीके से सृजित है। अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय 2017 से लागू किया जाए।

यूपी में 2001 से शिक्षामित्रों की नियुक्ति शुरू हुई थी। सपा की सरकार ने 2013-14 में शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया था। जिनका समायोजन नहीं हुआ उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने 12 सितंबर 2015 को इन शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द करने का आदेश दिया। सपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द कर दिया।

इंस्पेक्टर ने मैली शर्ट-पैंट पहनी बेरोजगार बन गए

10वीं पास की मार्कशीट बनवाने पहुंचे

कानपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में फर्जी मार्कशीट बनाने का बड़ा रैकेट पकड़ा गया है। पुलिस को 9 राज्यों की 14 यूनिवर्सिटीज की 900 फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां मिली हैं। मामले में मास्टरमाइंड समेत 4 बदमाशों को अरेस्ट किया है। इस सिंडिकेट तक पहुंचने के लिए पुलिस ने ड्रामा रचा। कानपुर पुलिस के इंस्पेक्टर मैली शर्ट और पेंट पहनकर खुद को बेरोजगार युवक बताते हुए सिंडिकेट के दलाल से मिले। दलाल ने उन्हें सरगना शैलेंद्र के शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन के ऑफिस पहुंचा दिया। इंस्पेक्टर ने कहा-मुझे सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करनी है। मैं एग्जाम में फेल हो गया था। हाईस्कूल की मार्कशीट बनवानी है। इंस्पेक्टर मार्कशीट लेकर बाहर आ गए, फिर उन्होंने अपनी टीम को मैसेज दिया। छापेमारी होने के बाद पुलिस ने शैलेंद्र और उसके तीन साथियों को पकड़ लिया। कानपुर पुलिस ने 2 महीने पहले फर्जी लॉ की डिग्री हासिल करने वाले दीनू उपाध्याय और आशीष शुक्ला को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा-अपने राज्य में भी हमलोग अंगदान को कानून बनाते हुए आगे बढ़ेंगे

रांची, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को तीसरा दिन रहा। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 6 हजार 450 करोड़ रुपए का तृतीय अनुपूरक बजट पेश किया।

वहीं, सरकार के उत्तर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केरल की 10 माह की बच्ची आलिन शेरिन अब्राहम के अंगदान का जिक्र करते हुए कहा-अपने राज्य में भी हमलोग अंगदान को कानून बनाते हुए आगे बढ़ेंगे। आम लोगों का जीवन कैसे बचे, इसपर काम करेंगे।

उन्होंने कहा- राज्य में ऐसा पहली बार है, जब राज्यपाल के अभिभाषण पर कोई भी संशोधन नहीं आया। इससे यह समझ आता है कि विपक्ष भी सरकार की उपलब्धियों को मान रही है। राज्यपाल ने जिन बातों को सदन के समक्ष रखा, वो सभी कुछ जनता के सामने है। ये धरातल पर है, राज्य की जनता को दिखता है।

मुख्यमंत्री ने कहा- पहले हम दूसरे राज्यों के कार्यों को अपनाते थे। वो दिन अब बदलाव की ओर है। अब हम जो करते हैं वो दूसरे राज्य करते हैं। उन्होंने विपक्ष को कहा- एक कहावत है, पेड़ बबूल का लगाएंगे तो आम कहां से फलेगा। पेड़ तो आप लोगों ने ही लगाया था। इतना बबूल का पेड़ लगा दिया कि आज हम लोगों ने उसे हटाकर आम लगाया। इससे सभी को लाभ मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार को राज्य ने देखा। कई राज्य देख रहे हैं। बहुत जल्द ये धाराशायी होगी।

विगत 25 सालों में हमने जो गाढ़ी लकीर खींची है, उस लकीर को मिटाना भी ना आप लोगों की बस की बात है और ना ही उस पर काम करने की आपलोगों की मंशा भी होगी। समाजिक सुरक्षा, अच्छी शिक्षा, बेहरत स्वास्थ्य।

मुख्यमंत्री ने कहा- देश, राज्य का विकास धरातल पर होता है। हमारी सरकार गांव से चलने वाली है। ये लोग तो उल्टी गंगा बहाते हैं। पूरा देश आज कर्ज से लद गया है। धान क्रय का भविष्य विपक्ष बताएं। जब बाहर से धान आएगा तो यहां के किसानों का क्या होगा। इस पर ये बात नहीं करते हैं। इनके विरोध में कोई आवाज उठाता है तो वो देशद्रोही कहलाते हैं।

इससे पूर्व सदन में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा- सहिया को इंसेटिव देते हैं। हर माह राज्य सरकार द्वारा जो भी वो काम करती हैं, जैसे टीकाकरण, फलेरिया, मलेरिया से संबंधित जो भी कार्यक्रम चलता है, सहिया को उसका इंसेटिव देते हैं। इससे उनका 10-12 हजार रुपए इनकम हो जाता है।

उन्होंने कहा- 8 मार्च महिला दिवस पर सहिया को एक साल का एक मुश्त राशि 24 हजार रुपए दिए जाएंगे। इधर, सदन में प्रवासी मजदूरों का मुद्दा भी उठा।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा-पिंड्राजोड़ा क्षेत्र के लोगों को छोटे-छोटे सरकारी काम के लिए चास प्रखंड कार्यालय जाना पड़ता है, जो काफी दूर है। पिंड्राजोड़ा को अलग प्रखंड घोषित किया जाए। देवघर के विधायक सुरेश पासवान ने कहा-भाजपा ने झूठ बोला। इन्होंने कहा- दो करोड़ नौकरी बेरोजगारों को देंगे। दो लोगों को नौकरी नहीं दी।

एनएमडीसी द्वारा "विशेष हिन्दी कार्यशाला" का आयोजन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम),हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा) विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आर.एन. मिश्र, उप महाप्रबंधक राजभाषा ने जानकारी दी कि एनएमडीसी द्वारा पिछले कई वर्षों से कार्मिकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात अतिथि संकाय के रूप में उपस्थित रमेश प्रसाद मिश्र, अधिकारी (राजभाषा), पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन, हैदराबाद ने कार्यशाला में विषयों को समसामायिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. राजनारायण अवस्थी नेराजभाषा के क्षेत्र में एनएमडीसी की उपलब्धियाँ को अनुकरणीय बताया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में संकाय सदस्य रमेश प्रसाद मिश्र ने पॉवर पाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली को भरने तथा बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कार्यशाला का दूसरा सत्र संकाय सदस्य डॉ. जयशंकर तिवारी, सहायक निदेशक (से.नि.) ने कम्प्यूटर के माध्यम से टिप्पणी एवं पत्राचार किए जाने के संबंध में जानकारी दी। श्री राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस विशेष कार्यशाला में भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड, रेलटेल, गेल, हडको, केंद्रीय भण्डारण निगम, बीईएमएल, आईटीआई, आरआईएनएल, राइट्स लिमिटेड, आईईसी एवं ईसीजीसी लिमिटेड आदि उपक्रमों के कार्मिकों एवं नराकास की कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला का संचालन श्री देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन में सुश्री सुरेखा, अप्रेंटिस प्रशिक्षु का विशेष सहयोग रहा।

शिवाजी महाराज का 396वां जन्मोत्सव श्रद्धा व उत्साह से मनाया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इमलीबन स्थित शिवाजी ब्रिज पर छत्रपति शिवाजी महाराज का 396वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिमा पर माल्यार्पण, धर्मसभा तथा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंढरपुर देवस्थान विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर के सह-अध्यक्ष ह.भ.प. गहिनीनाथ औसेकर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज किसी धर्म या जाति विशेष के विरोधी नहीं थे, बल्कि वे अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करने वाले युगपुरुष थे। उनका जीवन आज भी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज न्यायप्रिय शासक थे, जिन्होंने शासन करते समय कभी पक्षपात नहीं किया और सदैव निष्पक्ष न्याय का पालन किया।

औसेकर महाराज ने शिवाजी महाराज की दूरदर्शिता, प्रशासनिक कुशलता और सुरक्षा व्यवस्था की सजगता का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के

दुर्ग आज भी उनकी संगठन क्षमता और रणनीतिक सोच के साक्षी हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के प्रति शिवाजी महाराज की प्रतिबद्धता को वर्तमान पीढ़ी के लिए अनुकरणीय बताया।

इस अवसर पर संदीप महाराज और प्रेरणा ताई ने कहा कि माता जीजाबाई ने बालक शिवाजी के भीतर उच्च संस्कारों का संचार किया था। आज आवश्यकता है कि अभिभावक अपने बच्चों में स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और संस्कारों के बीज बोएँ। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में व्यस्त युवा पीढ़ी को शिवाजी महाराज के संघर्षमय इतिहास और आदर्शों से परिचित कराना समय की मांग है। साथ ही युवाओं से महिलाओं के प्रति आदरभाव विकसित करने का आह्वान किया गया।

पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित शिवाजी महाराज की प्रतिमाओं को देखकर गौरव की अनुभूति हुई। उन्होंने बताया कि शिवाजी ब्रिज पर प्रतिमा स्थापना के समय कई चुनौतियाँ आई थीं, किंतु छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल के सतत प्रयासों से यह कार्य संभव हो सका। इसके पश्चात विभिन्न स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित कर प्रतिवर्ष जन्मोत्सव मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई, जिसका श्रेय मंडल को जाता है।

भव्य शोभायात्रा से भक्तिमय हुआ वातावरण

"जय शिवराय" और "जय श्रीराम" के जयघोष के साथ निकाली गई शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। पुरानापुल स्थित शिवद्वार पर माता भवानी की पूजा-अर्चना के उपरांत गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई। रथ पर विराजमान औसेकर महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

शोभायात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज की झांकियों के साथ विठ्ठल-रुक्मिणी की आकर्षक प्रतिमा भी शामिल रही। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान किया।

यह शोभायात्रा पुरानापुल गांधी प्रतिमा, जुम्मेरात बाजार, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार छतरी, सिद्दिअंबर बाजार, गौलीगुड़ा शंकरशेर होटल और बड़े मियाँ पेट्रोल पंप मार्ग से होती हुई सायंकाल शिवाजी ब्रिज स्थित प्रतिमा स्थल पर धर्मसभा में परिवर्तित हुई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर मंच स्थापित कर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मदन जाधव, महासचिव विश्वनाथ मोरे, सांस्कृतिक ट्रस्ट के महासचिव दिलीप जगताप, तेलंगाना मराठा मंडल के अध्यक्ष प्रकाश पाटिल सहित अनेक गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ईएमआई पटाने 900 कट्टा धान से भरा ट्रक चुराया

ट्रक मालिक ने 3 साथियों संग मिलकर चोरी की, सभी आरोपी गिरफ्तार

बालोद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के मालीघोरी क्षेत्र से 900 कट्टा धान से भरे ट्रक की चोरी के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। ट्रक की किश्त (ईएमआई) नहीं चुका पाने के आर्थिक दबाव में ट्रक मालिक ने ही अपने 3 साथियों के साथ मिलकर पूरी वारदात की थी।

पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर 179 कट्टा धान, घटना में प्रयुक्त ट्रक और बाइक बरामद कर लिया है। दरअसल आरोपियों ने ट्रक चोरी से पहले 2 दिन रेकी भी की थी। आरोपी ने स्वीकार किया है कि फाइनेंस कंपनी का दबाव बढ़ रहा था। इसलिए उसने चोरी की।

16 जनवरी 2026 को ट्रक (क्रमांक CG 08 AV 1711) जिसमें 900 कट्टा धान लदा था, ग्राम मालीघोरी से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ले जाया गया और दमकसा बड़भूम में छोड़ दिया गया। ट्रक से 280 कट्टा शासकीय धान गायब पाया गया। इस संबंध में थाना बालोद में धारा 316(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान साइबर सेल और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों को चिन्हित किया। पूछताछ में मुख्य आरोपी नेतराम देवांगन ने स्वीकार किया कि उसके पास दो ट्रक हैं और किस्त नहीं पटाने के कारण फाइनेंस कंपनी का दबाव बढ़ता जा रहा था। कर्ज से उबरने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर धान चोरी की योजना बनाई।

आरोपियों ने घटना से पहले तीन दिन तक मालीघोरी धर्मकांटा के आसपास रेकी की। घटना के दिन ट्रक में चाबी लगी देखकर दो आरोपी उसे लेकर निकल गए, जबकि अन्य दो साथी अपने निजी ट्रक (क्रमांक CG 08 AQ 7884) को लेकर पहुंचे। चोरी किए गए ट्रक को झलमला-रानीमाई मार्ग से दमकसा ले जाया गया, जहां 900 कट्टा धान में से 280 कट्टा अपने ट्रक में शिफ्ट कर लिया गया।

शासकीय बारदानों में भरे धान की पहचान छिपाने के लिए आरोपियों ने धान को स्थानीय बोरों में भरकर ग्राम कंगलूटोला स्थित ससुराल में छिपा दिया। सरकारी बारदाने रास्ते में फेंक दिए गए। ट्रक में लगे जीपीआरएस सिस्टम को भी तोड़कर नष्ट कर दिया गया, ताकि पुलिस तक कोई तकनीकी सुराग न पहुंच सके।

कट्टे की नोक पर अपहरण, मांगी फिरौती

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में कट्टे की नोक पर अपहरण कर चार दिन तक दो युवकों को बंधक बनाकर रखने और उसके परिजनों से फिरौती मांगने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने आजाद चौक इलाके में घेराबंदी कर आरोपियों को हथियार सहित दबोच लिया है। इस कार्रवाई में अपहृत युवकों को सकुशल मुक्त करा लिया गया। रायपुर कमिश्नरेट के अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया है। आजाद चौक पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, किडनैपर और पीड़ितों के बीच 2 लाख रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद था।

पीएनबी के कार्यपालक निदेशक का हैदराबाद दौरा आज

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव आज 21 फरवरी, को हैदराबाद आएंगे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक हैदराबाद अंचल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। साथ ही, वे बैंक के कारोबार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चयनित स्टाफ सदस्यों को पुरस्कृत भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि पीएनबी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक राज्य में अपने 06 मण्डल और 451 शाखाओं के द्वारा ग्राहकों से निरंतर संपर्क, संवाद एवं उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से बैंकिंग सेवा और विकास के प्रति प्रतिबद्ध है।

यूपी के भदोही में बारिश, 10 जिलों में अलर्ट

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी में फिर से मौसम बिगड़ रहा है। भदोही में सुबह के समय करीब 15 मिनट तक बारिश हुई। आगरा, मथुरा, लखनऊ और प्रयागराज समेत 10 शहरों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वांचल के कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी का कहना है कि अगले 4 दिनों तक मौसम साफ रहेगा। शुक्रवार की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा। यहां पारा 31.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

सैनिकपुरी में एच2एच नेटवर्किंग मीटिंग

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच) की ऊर्जा (सैनिकपुरी शाखा) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए आयोजित किया गया था।

सम्मेलन ईसीआईएल एक्स रोड के पास ए.एस. राव नगर स्थित होटल स्वागथ ग्रैंड में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष उमा कार्तिक और सदस्य डॉ. रीता अग्रवाल, यादगिरी, अमित राय, रबी नारायण, उमा माहेश्वरी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

शंकराचार्य बोले- बच्चे पैदा करने से समाज नहीं बढ़ता

शेर के दहाड़ते ही कुत्ते भाग जाते हैं, भागवत ने कहा था- हिंदू 3 बच्चे पैदा करें

वाराणसी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। 'बच्चा पैदा करने से समाज न घटता है और न ही बढ़ता है। समाज अपनी संस्कृति, सभ्यता और धर्म पर टिके रहने से लंबे समय तक कायम रहता है और आगे बढ़ता है। इस विषय में उनकी ओर से कोई उपदेश नहीं दिया जाता।'

यह पलटवार शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के 3 बच्चे पैदा करने वाले बयान पर किया। शंकराचार्य ने कहा- संख्या बल से कोई नहीं जीतता। कुत्तों की संख्या ज्यादा होती है। लेकिन, जब एक शेर दहाड़ता है तो सभी भाग जाते हैं। दरअसल, 17 फरवरी को लखनऊ में मोहन भागवत ने कहा था कि जो लोग अब शादी कर रहे हैं, उन्हें कम से कम 3 बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। विवाह का उद्देश्य सृष्टि को आगे बढ़ाना होना चाहिए, वासना की पूर्ति नहीं।

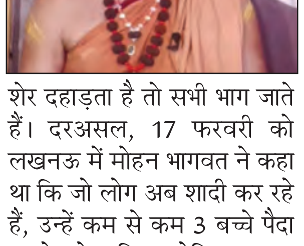

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- उनकी ओर से धर्मशास्त्रों की अवहेलना की जा रही है। कहीं ऐसा न हो कि हम ज्यादा बच्चे पैदा करें। फिर एक दिन कोई प्रभावी व्यक्ति आकर हमारे बच्चों को समझाकर धर्म परिवर्तन करा दे। फसल हम उगाएं और काटे कोई दूसरा। इसलिए केवल संख्या बढ़ाने से काम नहीं चलता।

बच्चे को इतने संस्कार दीजिए। इतना दृढ़ बनाइए कि वह किसी भी परिस्थिति में धर्म की पताका लेकर आगे बढ़ता रहे। 100 तारे उतना प्रकाश नहीं देते, जितना एक चंद्रमा के उगते ही अंधेरा दूर हो जाता है। आप एक बच्चा करें या चार, यह आपकी अपनी पसंद है। इसमें कोई बंधन नहीं।

देवकी और वसुदेव ने 8 संतानें पैदा कीं, तभी भगवान का अवतार हुआ। ऐसी परिस्थिति में कोई कितना बच्चा पैदा करेगा, यह माता-पिता पर ही छोड़ देना चाहिए।

बिहार में पुलिस के डर से हाथी भी बीमार

सम्राट चौधरी का पप्पू यादव पर तंज, पूर्णिया सांसद ने कहा-कमीशन बटोरने में पगड़ी को गमछा बनाया

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा के बजट सत्र का 14वां दिन है। विधानसभा में आज डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता के लिए विपक्ष गंभीर नहीं है। अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है तो उनके पेट में दर्द हो रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन की सरकार है। हर थाने में जनता दरबार लगाए जा रहे हैं। इसका रिपोर्ट भी लिया जा रहा है। प्रमंडल से लेकर जिला स्तर पर STF की तैनाती की गई है। पुलिस को खुली छूट दी गई है। हालांकि, सदन में सम्राट चौधरी अपनी बात रख रहे थे, तभी विपक्षी सदस्य वाक आउट कर सदन से बाहर निकल गए।

वहीं सांसद पप्पू यादव पर तंज कसते हुए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि आज पुलिस के डर से हाथी भी बीमार होकर हॉस्पिटल जाना चाहता है। यही व्यक्ति एयरपोर्ट पर बोलते है कि बिहार पुलिस चींटी भी नहीं मार पाई।

इसपर पलटवार करते हुए पप्पू यादव ने X पर लिखा है, 'नाबालिग था, अब बंदर बन गया है, इस बंदर के हाथ में बिहार है। स्वाभिमान की पगड़ी उतार कमीशन बटोरने के लिए पगड़ी को गमछा बना लिया।'

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, राजद के समय जेल से हुकूमत चलती थी। नीतीश कुमार ने इस व्यवस्था को बदला है। अब सभी जेलों में सीसीटीवी कैमरा लगाकर ऑनलाइन चेक किया जा रहा है। अपराधी से कौन-कौन मिल रहा, इस पर पूरी नजर रखी जा रही है। बिहार पहला राज्य है, जहां जेल के अंदर सबसे ज्यादा अपराधी पढ़ाई करता है। 1256 बंदी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए हैं।

टैरिफ ट्रंप का सबसे बड़ा हथियार

सस्ती दवाओं के लिए फ्रांस पर बनाया दबाव, वाइन पर 100% टैक्स की दी धमकी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक व्यापार और स्वास्थ्य सेवा (हेल्थकेयर) की कूटनीति में एक नया आक्रामक रुख अपनाया है। अमेरिका में महंगी दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाते हुए फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

इस कदम ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप प्रशासन व्यापारिक नीतियों का उपयोग अपनी घरेलू समस्याओं को सुलझाने और भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) रणनीति के तौर पर किस हद तक कर सकता है। कीमतों में भारी अंतर और विदेशी नेताओं से बातचीत जॉर्जिया के रोम स्थित एक स्टील प्लांट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी उपभोक्ता कुछ दवाओं के लिए दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में 13 गुना अधिक कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने विदेशी नेताओं से फोन पर बात कर अमेरिका में दवाओं की कीमतों को अन्य देशों में मिलने वाली सबसे कम कीमतों के बराबर लाने की नीति की घोषणा की। ट्रंप के अनुसार, जब उन्होंने मैक्रों को फोन करके कीमतों में बदलाव की मांग की, तो मैक्रों ने शुरुआत में यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इससे उनका बिजनेस बंद हो जाएगा। इसके जवाब में ट्रंप ने अमेरिका में बेची जाने वाली सभी फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी, जिसके बाद मैक्रों इस बदलाव के लिए तैयार हो गए।

ट्रंप ने बताया कि उन्होंने जर्मनी और स्पेन समेत अन्य देशों से भी इसी तरह की बातचीत की और उनका दावा है कि वे देश भी इस कदम के लिए सहर्ष तैयार हो गए हैं। टैरिफ रणनीति और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस घटना को इस बात का सबूत बताया कि टैरिफ अभी भी बातचीत का उनका सबसे असरदार तरीका है। 'टैरिफ' को पूरी डिक्शनरी में अपना पसंदीदा शब्द बताते हुए ट्रंप ने कहा कि इन व्यापारिक उपायों ने अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को वापस पटरी पर ला दिया है। फिलहाल वे कुछ ट्रेड ड्यूटी लगाने के अपने अधिकार पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही, ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने पिछले 11 महीनों में 18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के निवेश कमिटमेंट हासिल किए हैं और चुनाव के बाद से शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों को अंतरराष्ट्रीय दरों के बराबर लाने की कोशिशें राजनीतिक रूप से विवादित रही हैं। फार्मास्युटिकल कंपनियों का तर्क है कि कीमतों में इस तरह की कमी से इनोवेशन (नवाचार) और ग्लोबल सप्लाई चेन पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अमेरिका द्वारा घरेलू दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए टैरिफ को हथियार बनाना वैश्विक व्यापार के नियमों में एक बड़ा कूटनीतिक बदलाव है। ट्रंप का यह स्पष्ट मानना है कि टैरिफ के बिना अमेरिका मुश्किल में होता, जो भविष्य में उनके व्यापारिक फैसलों और आक्रामक वार्ताओं का स्पष्ट संकेत देता है। आगे यह देखना अहम होगा कि वैश्विक फार्मा कंपनियां और यूरोपीय देश इस दबाव के बीच अपनी रणनीति कैसे तय करते हैं।

6 महीने में 6 लाख करोड़!

सरकारी बैंकों ने करा दी निवेशकों की मौज

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी का दौर आज भी जारी है। पिछले छह महीनों में देश के 12 सरकारी बैंकों का मार्केट कैप 5.75 लाख करोड़ रुपये की तेजी के साथ 21.35 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुका है। इस दौरान निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में करीब 34 फीसदी तेजी आई है जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स ने केवल 7 फीसदी रिटर्न दिया है। क्रेडिट ग्रोथ, फंसे कर्ज में कमी और रेकॉर्ड मुनाफे के कारण सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी आई है। पिछले छह महीने में सबसे ज्यादा तेजी बैंक ऑफ इंडिया में आई है। बैंक का शेयर इस दौरान 50 फीसदी चढ़ा है। इस दौरान देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई का शेयर 47 फीसदी चढ़ा है। यूनियन बैंक के शेयरों में पिछले छह महीनों में 42% तेजी आई है जबकि केनरा बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ बड़ौदा और पीएनबी में 20 फीसदी से 39 फीसदी के बीच तेजी आई। सवाल यह है कि सरकारी बैंकों के शेयरों में यह तेजी कब तक जारी रहेगी। इसका जबाव जानने के लिए आपको इन बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ स्टोरी को जानना होगा जिसके कारण इनके शेयरों में उछाल आई है। तीसरी तिमाही में सरकारी बैंकों के लोन ग्रोथ में पिछले साल के मुकाबले 14.5% से अधिक तेजी आई। इसमें सबसे ज्यादा डिमांड एसएमई और रिटेल लेंडिंग की रही। इस दौरान प्राइवेट बैंकों का लोन ग्रोथ 12% से कम रहा। तिमाही आधार सरकारी बैंकों के लोन ग्रोथ में 5.5% तेजी आई जबकि प्राइवेट बैंकों के मामले में यह 3.5% रही। एसबीआई ने क्रेडिट ग्रोथ गाइडेंस बढ़ाकर 13-15% कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मामले में यह 20 फीसदी, यूको बैंक में 16.74% और इंडियन ओवरसीज बैंक में 24.13% है।

जियोजित इनवेस्टमेंट्स में रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि पिछली दो तिमाहियों में सरकारी बैंकों ने क्रेडिट ग्रोथ के मामले में प्राइवेट सेक्टर के बैंकों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सोना आज 132 सस्ता हुआ, 1.54 लाख पर आया

22 दिन में 21,683 की गिरावट, चांदी 792 गिरकर 2.45 पर आई

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सोना-चांदी की कीमत में आज 20 फरवरी को मामूली गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 132 रुपए सस्ता होकर 1.54 लाख पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 792 रुपए गिरकर 2.45 लाख पर आ गई है। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है।

टेन्सर चिप डेटा चोरी मामले में बड़ा खुलासा, आरोप में कंपनी की पूर्व इंजीनियर समेत तीन पर केस दर्ज

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में गूगल के इन-हाउस टेन्सर प्रोसेसर से जुड़े कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी मामले में एक पूर्व गूगल इंजीनियर, उसके पति और बहन पर गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय समानेह घंदाली, जो ईरानी नागरिक हैं, सिलिकॉन वैली में गूगल में हार्डवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

उनकी 32 वर्षीय बहन सोरूर घंदाली भी कंपनी में इंटर्न रह चुकी थीं। बाद में दोनों ने एक अन्य टेक कंपनी जॉइन कर ली थी। मामले में समानेह के पति मोहम्मदजवाद खोस्रवी (40) का नाम भी शामिल है, जिन्होंने कई बार गूगल में नौकरी के लिए आवेदन किया था लेकिन चयन नहीं हुआ और बाद में एक अलग तकनीकी कंपनी में काम करने लगे।अमेरिकी न्याय विभाग के

अनुसार, यह मामला गूगल के गोपनीय हार्डवेयर डेटा से जुड़ा है, जो कंपनी के पिक्सेल स्मार्टफोन्स में इस्तेमाल होने वाले इन-हाउस टेन्सर प्रोसेसर से संबंधित है। आरोप है कि तकनीकी क्षेत्र में काम करने या नौकरी की तलाश के दौरान संवेदनशील और गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से हासिल किया गया।

दोषी पाए जाने पर हो सकती है 20 साल की सजा

यह केस कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों पर साजिश, ट्रेड सीक्रेट चोरी और सबूत नष्ट करने सहित कुल 14 संगीन आपराधिक धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। तीनों को 19 फरवरी को गिरफ्तार किया गया और सैन जोस की संघीय अदालत में पेश किया गया। दोषी पाए जाने पर उन्हें अधिकतम 20 साल तक की सजा हो सकती है।गूगल ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना का पता चलते ही कंपनी ने तुरंत कदम उठाए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित किया। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया गया है।गौरतलब है कि पिछले महीने भी गूगल के पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर लिनवेई डिंग, जिन्हें लियोन डिंग के नाम से भी जाना जाता है, को आर्थिक जासूसी और ट्रेड सीक्रेट चोरी के मामले में दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से जुड़े गूगल के हजारों पन्नों के गोपनीय दस्तावेज चुराकर चीन के हित में इस्तेमाल किए।

बुजर्गों के सहारे चल रही अमेरिका की इकॉनमी!

55 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के पास है 73 .7% पैसा

नई दिल्ली,20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की इकॉनमी अब काफी हद तक उम्रदराज लोगों पर निर्भर है। देश में कुल कंज्यूमर स्पेंडिंग में 55 साल से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 45.3 फीसदी है जो 28 साल में सबसे ज्यादा है। 2000 के दशक की शुरुआत में यह आबादी महज 28 फीसदी थी लेकिन तबसे यह आंकड़ा करीब दोगुना हो चुका है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन वेल्थ के मामले में वहां पुरानी और नई पीढ़ी के बीच गैप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश में टोटल कंज्यूमर स्पेंडिंग 54 साल या उससे कम उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 54.7 फीसदी रह गई है जो साल 2000 में 72 फीसदी थी। अमेरिका में पिछले 25 साल में दोनों एज ग्रुप का अंतर 35 फीसदी कम हुआ है और इतिहास में पहली बार इसके बराबर होने की राह पर है। फेड रिजर्व के डेटा के मुताबिक देश में 73.7% वेल्थ 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के पास है। साल 2000 में यह आंकड़ा 56.2 फीसदी था।

बेबी बूमर वर्सेज जेन जी

बैंक ऑफ अमेरिका के आंकड़ों के मुताबिक बेबी बूमर जेनरेशन के लोग क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से खर्च करने के मामले में जेन जी और मिलेनियल्स से आगे हैं। युवा लोगों को हाउसिंग और स्टूडेंट लोन जैसे महंगे खर्चों का सामना करना पड़ रहा है। 1946 से 1964 के बीच जन्मे लोगों के बेबी बूमर जेनरेशन कहा जाता है। इसी तरह 1981 से 1996 के बीच जन्मे लोगों को मिलेनियल्स और 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जेन जी कहा जाता है।

गाजा पुनर्निर्माण : विश्व बैंक ने किया विशेष फंड का एलान

विश्व केवल दूर से निगरानी करने वाली संस्था नहीं रहेगा

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। युद्ध प्रभावित गाजा के पुनर्निर्माण को गति देने के लिए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने एक समर्पित गाजा रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट फंड की घोषणा की है। यह फंड अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाले धन को सुव्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करेगा और पुनर्निर्माण परियोजनाओं में उसके प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस का फंड विश्व बैंक के भीतर स्थापित हो चुका है

वाशिंगटन में आयोजित बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक को संबोधित करते हुए बंगा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पारित होते ही विश्व बैंक ने फंड की स्थापना की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि यह फंड अब विश्व बैंक के भीतर स्थापित हो चुका है और दानदाताओं से मिलने वाली राशि प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

विश्व बैंक की क्या होगी भूमिका?

बंगा ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था में विश्व बैंक लिमिटेड ट्रस्टी की भूमिका निभाएगा, जबकि फंड का संचालन नवगठित बोर्ड ऑफ पीस के निर्देशों के तहत किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरी प्रणाली का आधार पारदर्शिता और जवाबदेही होगी, ताकि सहयोग देने वाले देशों को यह स्पष्ट जानकारी मिल सके कि उनका धन किस परियोजना और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए वित्तीय, कानूनी

और निगरानी से जुड़े कड़े मानक लागू किए जाएंगे। साथ ही जवाबदेही को और मजबूत करने के लिए विश्व बैंक ने एक वित्तीय नियंत्रक को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड ऑफ पीस के साथ जोड़ा है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक केवल दूर से निगरानी करने वाली संस्था नहीं रहेगा, बल्कि पुनर्निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा, ताकि गाजा और पूरे क्षेत्र के लोगों को बेहतर जीवन और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।बैठक में प्रस्तुत पुनर्निर्माण योजना में आवास, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं के बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण का खाका शामिल है। इसके अलावा गाजा में नई फिलिस्तीनी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

कई देशों ने अरबों डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 10 अरब डॉलर तक की सहायता का वादा शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि विश्व बैंक की भागीदारी से गाजा के युद्धोत्तर पुनर्निर्माण को एक संगठित, पारदर्शी और संस्थागत वित्तीय ढांचा मिला है, जिसे हाल के वर्षों की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पहलों में से एक माना जा रहा है।

रूसी तेल से दूरी बना रहा भारत: अमेरिका से नजदीकी के बीच वेनेज़ुएला से बातचीत, गोर बोले- व्यापार समझौता जल्द

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां भारत अब रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद को कम करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत में अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार, नई दिल्ली अपने तेल विकल्पों में 'विविधता' ला रही है और वेनेज़ुएला से तेल खरीदने के लिए बातचीत जारी है।

यह रणनीतिक कदम अमेरिका और भारत के बीच घोषित उस व्यापार समझौते के बाद सामने आया है, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने का दावा किया गया था। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि भारत अपने ऊर्जा विकल्पों में विविधता लाने पर काम कर रहा है और वेनेज़ुएला से तेल खरीद के लिए बातचीत चल रही है। गोर ने साफ किया है कि तेल को लेकर एक सहमति बनी है और अमेरिका नहीं चाहता कि कोई भी देश रूस से तेल खरीदे, यह केवल भारत की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट हैं; वह युद्ध की समाप्ति चाहते हैं और शांति की उम्मीद में उन सभी गतिविधियों को खत्म होते देखना चाहते हैं जो इस संघर्ष से जुड़ी हैं। इस व्यापार समझौते की घोषणा 2 फरवरी, 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा की गई थी। ट्रम्प ने अपने 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट और व्हाइट हाउस के एक बयान में यह दावा किया था कि भारत रूसी तेल की खरीद को कम करने और उसे पूरी तरह से समाप्त करने पर सहमत हो गया है। हालांकि, भारत की तरफ से ऐसा कोई सीधा बयान नहीं दिया गया है, लेकिन नई दिल्ली ने यह जरूर स्पष्ट किया है कि वह वेनेज़ुएला से तेल सहित अन्य आयात बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार करेगी।ऊर्जा के मोर्चे पर इस बदलाव के साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते भी एक नए मुकाम पर पहुंच रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन के अधिकारी सर्जियो गोर ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते पर जल्द ही मुहर लगने की उम्मीद है। यह एक ऐतिहासिक समझौता है, जिसके जरिए अमेरिका ने नई दिल्ली पर लगाए जाने वाले टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

ट्रेन छूटने से 15 मिनट पहले तक बदल सकेंगे बोर्डिंग स्टेशन, यात्रियों को राहत के लिए बनाया यह प्लान

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रेल में सफर करने वाले यात्रियों की अच्छी खबर है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बोर्डिंग स्टेशन बदलने के नियमों में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। नए प्रस्ताव के तहत यात्री ट्रेन का चार्ट बनने से पहले तक अपने बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इस संबंध में रेलवे बोर्ड के निदेशक (पैसेंजर मार्केटिंग-2) ने सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। कई बार कंफर्म टिकट बुक होने के बाद यात्रियों की यात्रा योजना बदल जाती है। मौजूदा नियमों के चलते उन्हें बोर्डिंग स्टेशन बदलने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नए प्रस्ताव के तहत इस प्रक्रिया को आसान बनाने की तैयारी की जा रही है। अगर किसी यात्री ने एक स्टेशन से टिकट कराया है, लेकिन उसी रूट के किसी दूसरे स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है तो वह रिजर्वेशन चार्ट तैयार होने से पहले अपना बोर्डिंग स्टेशन बदलने के लिए आवेदन कर सकेगा। मौजूदा प्रक्रिया के तहत ट्रेनों के तय समय से करीब 10 से 20 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनना शुरू हो जाता है। यात्रियों को ज्यादा सुविधा देने के लिए रेलवे बोर्ड ने सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम को इस प्रस्ताव की व्यावहारिकता जांचने को कहा है। अगर यह नई व्यवस्था लागू हो जाती है तो यात्रियों को बड़ी राहत मिल सकती है। इसके तहत सामान्य ट्रेनों में यात्री चार्ट तैयार होने से करीब तीस मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे। जबकि प्रीमियम ट्रेनों जैसे वंदे भारत एक्सप्रेस में यह सुविधा ट्रेन रवाना होने या चार्ट बनने से सिर्फ 15 मिनट पहले तक मिल सकती है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 316 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

मुंबई,20 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। व्यापार समझौते की प्रगति और पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी को लेकर आशावाद के बीच बैंकिंग और धातु शेयरों में भारी खरीदारी के चलते शेयर बाजारों में तेजी आई। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 31 पैसे गिरकर 90.99 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक या 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, बेंचमार्क 633.94 अंक या 0.76 प्रतिशत बढ़कर 83,132.08 के अंतर्देशीय उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक या 0.46 प्रतिशत बढ़कर 25,571.25 पर बंद हुआ, जिसमें इसके 36 शेयर सकारात्मक क्षेत्र में और 14 शेयर लाल निशान में रहे। दिन के दौरान, यह 209.2 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 25,663.55 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।सेंसेक्स शेयरों में शुक्रवार को एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और इंडिगो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, इटरनल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अदानी पोर्ट्स को नुकसान हुआ।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कल की तेज गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में उछाल आया, जिसका नेतृत्व लार्ज कैप शेयरों में जोरदार खरीदारी ने किया क्योंकि निवेशकों ने प्रीमियम-मूल्य वाले मिडकैप शेयरों की तुलना में उनके बेहतर जोखिम-लाभ अनुपात को प्राथमिकता दी। व्यापार समझौतों के स्पष्ट संकेतों और भारत के पैक्स सिलिका में प्रवेश से बाजार का सेंटिमेंट बेहतर हुआ है, जिससे एआई, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों में आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है।उन्होंने आगे कहा कि बैंकिंग और धातु क्षेत्र के शेयरों ने रिकवरी को गति दी, जबकि आईटी क्षेत्र पिछड़ गया। अस्थिरता का स्तर ऊंचा बना रहा और भू-राजनीतिक तनाव अभी भी बरकरार है, इसके बावजूद भारत का वीआईएक्स सूचकांक तेजी से बढ़ा। नायर ने कहा कि जापान से आए नरम मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने अनुकूल वैश्विक नीति की उम्मीदों को बल दिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000

सूर्योदय 06-43

सूर्यास्त. 18 -16

भोग्य कलि वर्ष. - 426874

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले

मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष शनिवार 21 February 2026

तिथि - चतुर्थी 13-01 तक उपरान्त पंचमी

नक्षत्र - रेवती 19-07 तक उप अश्विनी

योग - शुभ 15-51 तक उप. शुक्ल

करण - विष्टी (भद्रा) 13-01 तक. बव

भद्रा 13-01,पंचक 19-07

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-14 बजे
चंद्र	मीन	मे	मीन....	06-14 बजे
मंगल	मकर	मे	मेष.....	07-53 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-29 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-13 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	13-13 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	15-26 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	17-38 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	19-45 बजे
			वृश्चिक..	21-50 बजे
			धनु.....	00-00 बजे
			मकर...	02-13 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-35 से 11-03 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-43 - 08-08	अशुभ	लाभ	18-16 - 19-52	शुभ
शुभ	08-08 - 09-35	शुभ	उत्पात	19-52 - 21-24	अशुभ
रोग।।	09-35 - 11-03	अशुभ	शुभ	21-24 - 22-57	शुभ
उत्पात	11-03 - 12-30	अशुभ	अमृत	22-57_ - 00-30	शुभ
चंचल	12-30 - 13-57	शुभ	चंचल	00-30 - 02-02	शुभ
लाभ	13-57 - 15-24	शुभ	रोग	02-02 - 03-35	अशुभ
अमृत	15-24 - 16-52	शुभ	काल	03-35 - 05-08	अशुभ
काल	16-52 - 18-16	अशुभ	लाभ	05-08 - 06-43	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नु, नो, या, यी ,यु,)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

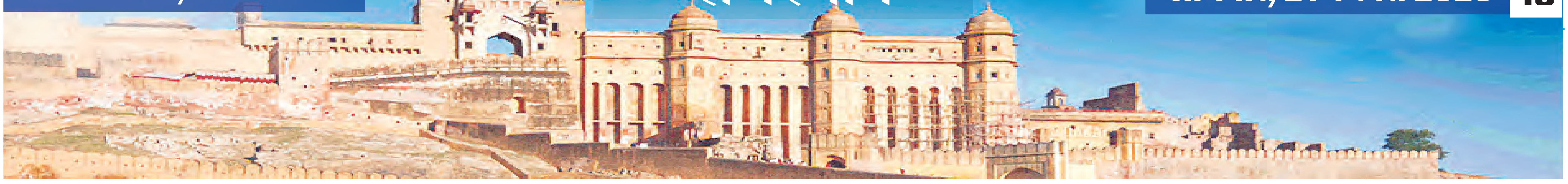

लंबित पेंशन मामलों पर एक्शन मोड में सरकार

> हजारों मामले लंबित, अब अदालतें लगाएगी सरकार

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में हजारों पेंशनर्स लंबे समय से अपने पेंशन प्रकरणों के निस्तारण का इंतजार कर रहे हैं। खासकर शिक्षा विभाग में बड़ी संख्या में मामले लंबित होने के बाद राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है।

वित्त (पेंशन) विभाग ने निर्देश जारी कर नियमित रूप से पेंशन अदालत आयोजित करने का फैसला किया है, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर उनका हक मिल सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार शिक्षा विभाग में 31 मार्च 2026 तक करीब 2200 पेंशन प्रकरण लंबित हो जाएंगे। इनमें लगभग 700 मामले ऐसे हैं, जिनमें सेवानिवृत्ति के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इन मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया

कैसे काम करेगी पेंशन अदालत?

पेंशन अदालतें संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। संबंधित विभागों के अधिकारी, कोषाधिकारी और पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे। मौके पर रिकॉर्ड की जांच कर लंबित प्रकरणों का समाधान किया जाएगा।

क्या नहीं आएंगे सुनवाई में?

नीतिगत और न्यायालय में विचाराधीन मामलों को पेंशन अदालत में शामिल नहीं किया जाएगा। जिन प्रकरणों का निस्तारण सामान्य प्रक्रिया से संभव है, उन्हें अदालत की प्रतीक्षा में नहीं रोका जाएगा। सरकार का कहना है कि प्रक्रियात्मक और तकनीकी त्रुटियों के कारण पेंशन मामलों में देरी होती है। पेंशन अदालत के जरिए इन बाधाओं को दूर कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

पेंशन अदालत में समाधान की प्रक्रिया क्या होगी?

राजस्थान सरकार ने लंबित पेंशन प्रकरणों के निस्तारण के लिए संभाग स्तर पर पेंशन अदालत आयोजित करने की प्रक्रिया तय की है। पेंशनर्स अपने आवेदन ऑनलाइन पोर्टल और निर्धारित माध्यमों से प्रस्तुत कर सकेंगे। पेंशन अदालत में संबंधित विभागों के अधिकारी, कोषाधिकारी और पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मौके पर ही लंबित प्रकरणों की सुनवाई कर निर्णय लिया जाएगा। जिन मामलों में दस्तावेजों की कमी या प्रक्रियात्मक त्रुटियां होंगी, उन्हें चिन्हित कर संबंधित विभाग को समयबद्ध कार्ययोजना के तहत निस्तारण के निर्देश दिए जाएंगे।

साथ ही जिला स्तर पर पूर्व समीक्षा बैठकें आयोजित कर लंबित और अतिदेय प्रकरणों की प्रगति की निगरानी की जाएगी। पेंशन अदालत के बाद एक माह के भीतर राज्य स्तर पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी मामलों का समय पर समाधान हो।

जयपुर में कूलर फैक्ट्री में आग, इलाके में मचा हड़कंप

धुआं बढ़ता देख लोग घबराकर घरों से निकले

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानीजयपुर के हसनपुरा इलाके में गुरुवार शाम एक कूलर फैक्ट्री में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग फैक्ट्री से जुड़ी चार दुकानों तक फैल गई। वहां रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटों के साथ उठे घने धुएं ने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोग घरों से बाहर निकल सड़क पर आ गए। धुआं इतना ज्यादा था कि कुछ ही देर में मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और दमकल विभाग सक्रिय हो गया। आग बुझाने के लिए बनीपार्क और 22 गोदाम क्षेत्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों को आग पर नियंत्रण पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बेंच को बम से उड़ाने की धमकी

मेल में लिखा-सीजेआई का दौरा कैंसिल कराओ, आरडीएक्स बम प्लांट किए हैं

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बेंच को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल में लिखा सीजेआई का दौरा कैंसिल कराओ। दोपहर 12 बजे तक हाई कोर्ट को खाली करवा लो।

आरडीएक्स बम प्लांट किए हैं। हाईकोर्ट में सघन तलाशी अभियान के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद करीब आधे घंटे की देरी से सुबह 11 बजे सुनवाई शुरू हो गई। हाई कोर्ट जयपुर पीठ को 31 अक्टूबर के बाद यह 10वीं बार बम की धमकी मिली है।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी

इससे पहले गुरुवार को भी राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पूरे परिसर की तलाशी ली गई थी। लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी। बता दें कि शुक्रवार को सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत जयपुर आ रहे हैं। वे यहां साइबर सिक्योरिटी सेमिनार का उद्घाटन करेंगे। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बैंच को पिछले चार महीने में 10वीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

31 अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट प्रशासन के पास पहली बार धमकी भरा मेल आया था। लेकिन उसके बाद से लगातार कुछ समय के अंतराल में इस तरह के मेल आ रहे हैं। इसके बाद हाईकोर्ट को 5 दिसंबर, 8, 9, 10 और 11 दिसंबर को धमकी मिली। वहीं, साल 2026 में 6, 17 और 19 फरवरी को हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। साइबर लॉ से जुड़े वकील आदर्श सिंघल का कहना है कि इस मामले में मेल करने वाले को पकड़ना मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। उन्होने कहा- इस तरह के मामलों में मेल करने वाला व्यक्ति वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल करता है।

वीपीएन में आईपी एड्रेस बदलता रहता है। ऐसे में पुलिस आईपी एड्रेस के जरिए उस व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाती है। लेकिन ऐसा नहीं है कि उस व्यक्ति को पकड़ा ही नहीं जा सकता है। जो कंपनी वीपीएन प्रोवाइडर है, वो अपना डेटा रखती है। लेकिन दिक्कत यह है कि उनसे डेटा कैसे लिया जाए, डेटा के जरिए पुलिस मेल करने वाले तक पहुंच सकती हैं।

मां-बेटे ने मिलकर सीने में उतारा था चाकू, अब कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद

कोटा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कानून के हाथ लंबे होते हैं और इंसाफ का पहिया देर से ही सही, लेकिन चलता जरूर है। कोटा की एक अदालत ने चार साल पुराने सनसनीखेज हत्याकांड में अपना फैसला सुनाते हुए एक महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला एक ऐसी मां का है जिसने अपने नाबालिग बेटे को गलत राह से रोकने के बजाय, उसके अपराध में बराबर का भागीदार बनकर एक युवक की जान ले ली।

छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी

यह खूनी संघर्ष 24 नवंबर 2020 को शुरू हुआ था। उद्योग नगर थाना क्षेत्र के निवासी एक युवक ने अपनी भांजी के साथ हो रही छेड़छाड़ का विरोध किया था। आरोपी नाबालिग लड़का युवक की भांजी को परेशान करता था, जिसे लेकर युवक ने उसे कड़ी फटकार लगाई थी। यही बात नाबालिग और उसकी मां को नागवार गुजरी और उन्होंने मौत का खौफनाक मंसूबा तैयार कर लिया।

दुकान पर खड़े युवक पर बोला हमला

24 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे, जब पीड़ित युवक एक नाई की दुकान पर खड़ा था, तभी नाबालिग हाथ में तेज धारदार चाकू लेकर वहां पहुंचा। आरोपी ने सीधे युवक के सीने पर वार कर दिया। लहूलुहान युवक जान बचाकर भागने लगा, लेकिन तभी नाबालिग की मां वहां पहुँच गई। उसने भागते हुए युवक को दबोच लिया ताकि उसका बेटा अपना काम पूरा कर सके। मां के पकड़ते ही नाबालिग ने युवक के सीने और पेट पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए। अधिक खून बहने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

अदालत का कड़ा फैसला

मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में 13 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने 46 अहम दस्तावेज और सबूत पेश किए, जो आरोपियों को दोषी सिद्ध करने के लिए पर्याप्त थे।

जेजेएम घोटाला : साहब बनाम साहब! सुबोध अग्रवाल का बड़ा दांव

> पूर्व आईएएस ने बढ़ाई सुधांश पंत की मुश्किलें

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित 900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले में अब 'ब्यूरोक्रेट्स वर्सेज ब्यूरोक्रेट्स' की जंग शुरू हो गई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से लुकआउट नोटिस जारी होने के बाद फरार चल रहे पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल ने सीधे अपने पूर्ववर्ती और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव सुधांश पंत को घेरे में ले लिया है। हाईकोर्ट में दायर याचिका में अग्रवाल ने दावा किया है कि घोटाले की नींव उनके कार्यकाल में नहीं, बल्कि सुधांश पंत के समय रखी गई थी।

'पंत ने बांटे 95% टेंडर, मैं तो बलि का बकरा'

सुबोध अग्रवाल ने अपनी याचिका में सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि जिन दो फर्मों गणपति और श्याम ट्यूबवेल ने फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर टेंडर हासिल किए, उन्हें 95 प्रतिशत वर्कऑर्डर तत्कालीन एसीबी सुधांश पंत की अध्यक्षता वाली वित्त समिति ने दिए थे। अग्रवाल के मुताबिक उनके खुद के कार्यकाल में तो महज 10 प्रतिशत से भी कम वैल्यू के टेंडर मंजूर हुए। अग्रवाल का सवाल है कि जब टेंडर देने की मुख्य प्रक्रिया पंत के समय हुई तो एसीबी केवल उनके कार्यकाल की ही जांच क्यों कर रही है? उन्होंने जांच एजेंसी पर 'पिक एंड चूज' करने का आरोप लगाया है।

'मैंने किया खुलासा, फिर भी मैं ही आरोपी?'

सुबोध अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि वे घोटाले के सूत्रधार नहीं, बल्कि उसे उजागर करने वाले अधिकारी हैं। जैसे ही आईआरसीओएन से फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत हाईलेवल कमेटी बनाई। उनकी ही पहल पर दोनों फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया और उनके टेंडर निरस्त किए गए। एसीबी जिस विशाल सक्सेना के बयानों पर भरोसा कर रही है, सुबोध अग्रवाल ने ही उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। अग्रवाल का तर्क है कि इसी रंजिश के चलते सक्सेना उन्हें फंसा रहे हैं।

सियासी और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप

सुधांश पंत का नाम इस विवाद में घसीटे जाने से राजस्थान की नौकरशाही में खलबली मच गई है। पंत भजनलाल सरकार में मुख्य सचिव जैसे कद्दावर पद पर रह चुके हैं और वर्तमान में केंद्र में सचिव हैं। अग्रवाल की इस 'नहले पर दहला' वाली चाल ने सरकार और एसीबी दोनों को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया है। हाईकोर्ट इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है। क्या कोर्ट सुबोध अग्रवाल की एफआईआर रद्द करेगा या जांच का दायरा सुधांश पंत के कार्यकाल तक बढ़ाया जाएगा?

अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर 8 लाख ठगे

साइबर पुलिस ने आरोपी को फरीदाबाद से दबोचा

अलवर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर साइबर थाना पुलिस ने अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर 8 लाख रुपये ठगने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई साइबर अपराधों के खिलाफ सतर्कता और तकनीकी जांच के आधार पर की गई। थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि मामला वर्ष 2023 का है। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने पहले उसके मोबाइल पर अश्लील वीडियो भेजकर उसे जाल में फंसाया। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित के कुछ निजी वीडियो तैयार कर लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पैसों की मांग करने लगा। ब्लैकमेलिंग के दबाव में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किस्तों में करीब 8 लाख रुपये आरोपी को ट्रांसफर कर दिए। मानसिक रूप से परेशान होकर उसने अंततः अलवर साइबर थाने में मामला दर्ज कराया।

28 को अजमेर आएंगे पीएम मोदी

अजमेर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 28 फरवरी को कायड़ विश्राम स्थली पर प्रस्तावित जनसभा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने अजमेर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की।

भाजपा जिला अजमेर शहर की ओर से प्रदेश अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कायड़ सभा स्थल पर पहुंचकर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, मंच व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री की जनसभा ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राजस्थान में अब 24 घंटे खुलेंगे बाजार, लाइसेंस का झंझट खत्म!

> सरकार के इस फैसले से होंगे 5 बड़े फायदे

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आमजन के जीवन को सुगम बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार का नया विजन 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' पर केंद्रित है।

इस मास्टरप्लान के तहत प्रदेश में अनावश्यक लाइसेंस राज और एनओसी के अंतहीन चक्करों को खत्म किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के इन निर्देशों से न केवल व्यापारियों की चांदी होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

24x7 खिलेगी अर्थव्यवस्था: रात में भी गुलजार रहेंगे बाजार

भजनलाल सरकार ने सबसे बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव है सभी प्रतिष्ठानों को 24 घंटे और सातों दिन खोलने की अनुमति। इससे नाइट लाइफ और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। देर रात तक काम करने वाले युवाओं और यात्रियों को सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, शिफ्टों में काम होने से व्यापारिक टर्नओवर कई गुना बढ़ जाएगा।

लाइसेंस राज की विदाई: 'डीम्ड लाइसेंसिंग' का कमाल

दुकानों और वाणिज्यिक संस्थानों के लिए अब आजीवन पंजीकरण का प्रस्ताव है। अब व्यापारियों को हर साल या कुछ सालों में लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए सरकारी दफ्तरों की चौखट नहीं घिसनी होगी। डीम्ड लाइसेंसिंग का मतलब है कि आपने सूचना दी और आपका काम हो गया। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

सिंगल पॉइंट कॉन्टेक्ट: एक खिड़की पर सब समाधान

भू-उपयोग, भवन निर्माण और श्रम विभाग से जुड़ी मंजूरियों के लिए अब अलग-अलग चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। एक ही जगह से सभी अप्रूवल मिलने से समय की भारी बचत होगी। जो प्रोजेक्ट्स कागजी प्रक्रियाओं में महीनों लटके रहते थे, वे अब हफ्तों में धरातल पर उतरेंगे।

'स्वघोषणा' पर बिजली कनेक्शन: अब इंस्पेक्टर राज खत्म

कम जोखिम वाली श्रेणियों में अब बिजली कनेक्शन के लिए फील्ड निरीक्षण की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। उपभोक्ता की 'स्वघोषणा' पर ही बिजली कंपनियां कनेक्शन जारी कर देंगी। इससे नए उद्योग लगाने वालों को बड़ी राहत मिलेगी और काम शुरू करने में देरी नहीं होगी।

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

जब बाजार 24 घंटे खुलेंगे और नए उद्योग शुरू करना आसान होगा, तो सीधे तौर पर युवाओं के लिए नौकरियों की बाढ़ आएगी। नाइट शिफ्ट्स के लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होगी, जिससे सेवा क्षेत्र में उछाल आएगा।

चुनाव टालना लोकतंत्र के खिलाफ : अशोक गहलोत

जोधपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने गृह नगर जोधपुर पहुँचे। एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए गहलोत ने प्रदेश की भजनलाल सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विकास कार्यों के ठप होने से लेकर संवैधानिक प्रक्रियाओं में देरी तक कई गंभीर आरोप लगाए। स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों में हो रही देरी पर गहलोत ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद राज्य सरकार जानबूझकर चुनावों को लंबा खींच रही है। गहलोत के अनुसार, समय पर चुनाव न कराना सीधे तौर पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था पर हमला है।

राजस्थान विधानसभा : शिक्षा मंत्री का कांग्रेस पर तीखा प्रहार

पिछली सरकार ने बच्चों का भविष्य अंधकार में डाल, डॉ. किरोड़ी ने गिनाई उपलब्धियां

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के मौजूदा सत्र में आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों को लेकर कांग्रेस को घेरा, वहीं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश में खाद-बीज की स्थिति और मिलावटखोरों पर हुई कार्रवाई का ब्योरा पेश किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर : कांग्रेस ने बच्चों के साथ किया अत्याचार₹प्रदेश के स्कूलों में खाली पदों से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पिछली

गहलोत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। बिना पद सृजन के क्रमोन्नत किए स्कूलः दिलावर ने कहा कि पिछली सरकार ने 6,264 स्कूलों को क्रमोन्नत तो कर दिया, लेकिन एक भी नया पद सृजित नहीं किया।

अंधकार में भविष्य : उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने बच्चों को क्लास में तो बैठा दिया, लेकिन पढ़ाने वाला कोई नहीं था। लाखों बच्चों का भविष्य दांव पर लगा दिया गया।

72 हजार भर्तियों का वादा : मंत्री ने सदन को बताया कि वर्तमान सरकार 72 हजार रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया पर काम कर रही है। 2024 और 2025 की भर्तियों के आंकड़े पेश करते हुए उन्होंने कहा कि हम युवाओं को रोजगार और बच्चों को शिक्षक देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 27 नकली खाद फैक्ट्रियों पर जड़े ताले₹खाद-बीज की किल्लत और मिलावटखोरी पर बोलते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार का पक्ष मजबूती से रखा।

ज्वैलर से व्हाट्सएप पर मांगी फिरौती

'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत पुलिस ने आरोपी लादेन को दबोचा

जोधपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का असर दिखने लगा है। सरदारपुरा इलाके में एक प्रतिष्ठित ज्वैलर को जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगने वाले आरोपी को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दस्तयाब कर लिया है। क्या है पूरा मामला? सरदारपुरा 11 बी रोड निवासी ज्वैलर कमल सिंधी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 फरवरी की दोपहर को उनके पास एक अज्ञात व्यक्ति का व्हाट्सएप कॉल आया। धमकी और फिरौतीः कॉल करने वाले ने ज्वैलर से फिरौती की रकम मांगी और पैसे न देने पर जान से मारने की गंभीर धमकियां दीं। पुलिस की कार्रवाईः पीड़ित की शिकायत पर सरदारपुरा थाना पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(4) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश जी के निर्देशन में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

विनोद जाखड़ बने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष, चयन प्रक्रिया के बाद मिली जिम्मेदारी

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष राष्ट्रीय छात्र संगठन ने अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी है। राजस्थान एनएसयूआई के अध्यक्ष विनोद जाखड़ को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस घोषणा के साथ ही संगठन को नया नेतृत्व मिल गया है, जिसे देशभर में छात्र इकाइयों के समन्वय और विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सितंबर से शुरू हुई थी प्रक्रिया

नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया सितंबर से प्रारंभ हुई थी। इस दौरान देशभर से इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए। प्राप्त आवेदनों की गहन जांच और मूल्यांकन के बाद कुल 15 उम्मीदवारों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के साथ दो चरणों में साक्षात्कार और विस्तृत चर्चा की गई। इसके बाद कांग्रेस नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श और व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी की गई। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद विनोद जाखड़ को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के कार्यकाल की सराहना की है। एनएसयूआई ने उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देशभर के विभिन्न परिसरों में संगठन को मजबूती मिली है और संगठनात्मक ढांचा सशक्त हुआ है। नए अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ संगठन ने छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को आगे बढ़ाने और देशभर में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

व्यासराजु ज्वैलर्स शोरूम का भव्य उद्घाटन

व्यापार में नैतिकता, धार्मिकता, समाज के प्रति सेवा का भाव होना आवश्यक : श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी

हैदराबाद स्थित दिलसुखनगर में रविवार 22 फरवरी को व्यासराजु ज्वैलर्स प्रबंधन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी ने भाग्यनगर हैदराबाद दिलसुखनगर के नये व्यासराजु ज्वैलर्स शोरूम को भेंट देकर ज्योति प्रज्वलन एवं पुजा कर्यक्रम में भाग लिया तथा व्यासराजु ज्वैलर्स में पारंपरिक पुजा विधि एवं वैदिक मंत्रों के उच्चारण से धार्मिक व पवित्र वातावरण छा गया।

इस मामले में व्यासराजु ज्वैलर्स प्रबंधन ने इस बात की घोषणा की कि, भाग्यनगर हैदराबाद दिलसुखनगर में नये शोरूम व्यासराजु ज्वैलर्स का भव्य उद्घाटन रविवार दि.. 22 फरवरी 2026 किया जा रहा है।

इस शुभावसर पर, श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी ने इस बात पर जोर दिया कि, व्यापार में नैतिकता, धार्मिकता, निष्कपटता के साथ समाज के प्रति सेवा का भाव होना चाहिए। साथ ही उन्होंने शोरूम में उपस्थित सभी प्रबंधन, कर्मचारीगण को निरंतर सफलता पाने, विकास पथपर अग्रसर रहने एवं ग्राहकों के सद्भाव को निरंतर बनाये रखने की शुभकामनाएं दी।

इस बारे में व्यासराजु ज्वैलर्स प्रबंधन ने श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी के दिलसुखनगर स्थित नये शोरूम में पधारकर पूजा अर्चना में भाग लेकर सभी को आशीर्वाद प्रदान करने पर हार्दिक आभार प्रकट किया। इस शुभावसर पर सभी भक्तों, शुभचिंतकों एवं समाज के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

सिविल सप्लाई आयुक्त का औचक निरीक्षण, पारदर्शिता पर सख्त निर्देश

दुर्घटना बीमा पर विचार का आश्वासन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल सप्लाई आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र ने शुक्रवार को हैदराबाद के सर्किल-IV (नामपल्ली) और सर्किल-VI (अंबरपेट) एमएलएस प्वाइंट्स का औचक निरीक्षण कर गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और श्रमिक कल्याण पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), सरकारी छात्रावासों और आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए रखे गए चावल के भंडार की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टॉक प्राप्त करते समय कड़ाई से सत्यापन किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि केवल गुणवत्तापूर्ण चावल ही लाभार्थियों तक पहुंचे। निरीक्षण के प्रमुख बिंदुओं में आयुक्त ने घोषणा की कि निगम ने स्टीम राइस की आपूर्ति शुरू कर दी है, जिससे कल्याणकारी छात्रावासों और स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए भोजन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। सामाजिक कल्याण छात्रावासों से प्राप्त फीडबैक में वर्तमान चावल की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ रद्द किए

उन्हें टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं, भारत पर लगा 18 प्रतिशत टैरिफ भी अवैध घोषित

वॉशिंगटन डीसी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने दूसरे देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध बताया है। भारत पर लगा 18 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ भी अब अवैध घोषित हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के तहत टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस (संसद) को है, राष्ट्रपति को नहीं। ट्रम्प ने टैरिफ पर सुनवाई को लेकर कहा था कि अगर केस हारे तो देश बर्बाद हो जाएगा। कोर्ट का यह फैसला ट्रम्प की आर्थिक नीतियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

दरअसल, अप्रैल 2025 में ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ यानी आयात शुल्क लगा दिए थे। टैरिफ का मतलब होता है कि किसी देश से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए, ताकि वह महंगा हो जाए और घरेलू कंपनियों को फायदा मिले।

फैसले से सभी टैरिफ खत्म नहीं होंगे :

कोर्ट के आदेश से ट्रम्प के सभी टैरिफ खत्म नहीं हुए हैं। स्टील और एल्युमिनियम पर लगाए गए टैरिफ अलग कानूनों के तहत लगाए गए थे, इसलिए वे अभी भी लागू रहेंगे।

हालांकि, दो बड़े कैटेगरी के टैरिफ पर रोक लग गई है। पहली कैटेगरी रेसिप्रोकल टैरिफ की है, जो ट्रम्प ने अलग-अलग देशों पर लगाए थे। इसमें चीन पर 34 प्रतिशत और बाकी दुनिया के लिए 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ तय किया गया था। कोर्ट के फैसले के बाद ये टैरिफ अमान्य हो गए हैं।

दूसरी कैटेगरी 25 प्रतिशत टैरिफ की है, जो ट्रम्प ने कनाडा, चीन और मैक्सिको से आने वाले कुछ सामान पर लगाया था। ट्रम्प प्रशासन का कहना था कि इन देशों ने अमेरिका में फेंटेनाइल की तस्करी रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। कोर्ट के फैसले ने इस 25 प्रतिशत टैरिफ को भी निरस्त कर दिया है।

कोर्ट की ट्रम्प को फटकार, कहा- हर देश से युद्ध की स्थिति में नहीं :

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन को फटकारते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया के हर देश के साथ युद्ध की स्थिति में नहीं है। हालांकि फैसले को लेकर 3 जजों जस्टिस सैमुअल एलिटो, क्लेरेंस थॉमस और ब्रेट कैवनॉ ने असहमति जताई। कैवनॉ ने अपने नोट में लिखा कि टैरिफ नीति समझदारी भरी है या नहीं, यह अलग सवाल है, लेकिन उनके मुताबिक यह कानूनी तौर पर वैध थी।

केजीबीवी में नाश्ता करने के बाद 22 छात्राएं और तीन शिक्षक बीमार

मेदक, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेगोडे मंडल मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शुक्रवार को नाश्ता करने के बाद कम से कम 22 छात्राएं और तीन शिक्षक बीमार पड़ गए। नाश्ता परोसे जाने के लगभग एक घंटे बाद छात्राओं को उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। विद्यालय में नाश्ता करने वाले तीनों शिक्षकों ने भी इसी प्रकार के लक्षण बताए। घटना की जानकारी मिलते ही सभी को तुरंत रेगोडे के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें सलाइन चढ़ाई और आवश्यक उपचार शुरू किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी की हालत स्थिर है और डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजर रखे हुए हैं। घटना के बाद छात्रों और अभिभावकों में रोष देखा गया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन पर घटिया गुणवत्ता का भोजन परोसने का आरोप लगाया और मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जूपल्ली ने तेलंगाना को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने शुक्रवार को कहा कि मादक पदार्थों की समस्या को समाप्त करने और तेलंगाना को नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए सरकार निरंतर और समन्वित प्रयास कर रही है। वे रवींद्र भारती में तेलंगाना निषेध एवं आबकारी कार्यकारी अधिकारी संघ द्वारा प्रकाशित डायरी और कैलेंडर का विमोचन करने के बाद बोल रहे थे। नशे के सामाजिक प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि लत युवाओं को प्रभावित कर रही है और परिवारों को संकट में डाल रही है। उन्होंने मादक पदार्थों के प्रसार को रोकने के लिए सामूहिक सतर्कता और सख्त प्रवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। ड्यूटी के दौरान गांजा तस्करी गिरोह को रोकने की कोशिश में शहीद हुई कांस्टेबल सौम्या की मृत्यु का उल्लेख करते हुए मंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि तत्काल राहत के रूप में 1 करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई है। मंत्री ने कहा कि आबकारी कर्मियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए उन्हें हथियार उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐसे कदम से पहले आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने में आबकारी अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सरकार की ओर से निरंतर सहयोग और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों का समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त सैयद यासीन कुरैशी, आबकारी अकादमी निदेशक सुरेश राठौड़, संयुक्त आयुक्त (प्रवर्तन) जी. अंजन राव, उप आयुक्त जे. हरिकिशन, संघ के अध्यक्ष सूरा कृष्णा, महासचिव चिरंजीवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

क्रिस्टल डेन्टल केयर हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेंगीचेरला मैन रोड़ स्थित बी.एम.आर.एस.स्कूल के पास, क्रिस्टल डेन्टल केयर एंड इम्प्लांट सेन्टर का भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम शुक्रवार 20 फरवरी प्रात: 10.01 बजे पूजा-अर्चना कर, मुख्य व सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक चम्पालाल सोलंकी ने बताया कि प्रवासी बन्धुओं की मांग पर क्रिस्टल डेन्टल केयर हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ हैदराबाद के हृदयस्थल चेंगीचेरला पर किया गया। मुख्यअतिथि रि.एस.पी जे.अशोक कुमार, डॉ. नवीन देवड़ा व सम्मानित अतिथि प्रभुराम परिहारिया, डायाराम लचेटा, तेजाराम परिहार, पोकरराम पँवार, प्रकाश खंडाला, सावलराम सेपटा, ताराराम गेहलोत, मगाराम बर्फा, जयराम पँवार, नारायणलाल वरपा, प्रकाश सेपटा, मोहनलाल सोयल, जगदीश प्रसाद काग, परबत सोलंकी, रमेश चौधरी, कालूराम काग, रामलाल हाम्बड़, मुकेश, मांगीलाल आगलेचा व समाज बन्धुओं के करकमलों द्वारा किया गया।

अल्पाहार की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। मुख्य अतिथि जे.अशोक कुमार ने डेन्टल हॉस्पिटल के शुभारम्भ की आयोजकों को शुभकामनाएं दी। सम्मानित अतिथि प्रभुराम परिहारिया ने आयोजकों को हॉस्पिटल की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि यह हॉस्पिटल प्रवासी बन्धुओं की डेन्टल संबंधी समस्याओं का समाधान करेंगे। आयोजक चम्पालाल सोलंकी ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का तहदिल से आभार प्रकट कर भरोसा दिलाया कि क्रिस्टल डेन्टल केयर हॉस्पिटल प्रवासी बन्धुओं की मांग को मध्य नज़र रखते हुए खिफायती दर पर एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं डॉ.राकेश सोलंकी टीम द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सोलंकी परिवार के श्रीमती कंकुबाई, भाणाराम, चम्पालाल, मन्दरूपराम, पूनाराम, रमेशकुमार, डॉ. राकेश सोलंकी एवं ताराराम हाम्बड़, नरेन्द्र परमार, अचलाराम, केसाराम, सुरेश कुमार, वीरमराम, कैलाश, मदनलाल माली, सुजाराम पँवार व समाज बन्धु उपस्थित रहे। भाणाराम सोलंकी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

बीआईएस हैदराबाद द्वारा दो दिवसीय कैप्सूल कोर्स का आयोजन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय द्वारा 19 एवं 20 फरवरी को आईएस 374:2019 विद्युत सीलिंग प्रकार पंखे एवं रेगुलेटर हेतु विनिर्देश (चौथा संशोधन) विषय पर निर्माताओं/लाइसेंसधारकों/आवेदकों के गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों के लिए दो दिवसीय कैप्सूल कोर्स का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम लाइसेंसधारक/आवेदक विनिर्माण इकाइयों के गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों के साथ-साथ विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पहला दिन- विमता लैब्स में प्रायोगिक अवलोकन :

कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को लैब्स, जीनोम वैली का औद्योगिक भ्रमण कराया गया।

वहां विशेषज्ञों द्वारा संबंधित भारतीय मानक के अंतर्गत विभिन्न परीक्षण विधियों का प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने विद्युत सीलिंग पंखों एवं रेगुलेटर से संबंधित परीक्षणों को समझा तथा विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन कर मानकों, परीक्षण प्रक्रियाओं एवं गुणवत्ता आवश्यकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

दूसरे दिन बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में बीआईएस अधिकारियों द्वारा विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। सत्रों में आईएस 374:2019 के प्रावधानों, परीक्षण विधियों, चिह्नांकन आवश्यकताओं, प्रमाणन प्रक्रिया एवं गुणवत्ता नियंत्रण उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया।

यह कैप्सूल कोर्स प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करने एवं भारतीय मानक के बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कमिश्नर ने स्वच्छ ऑटो कर्मचारियों से घर-घर कचरा संग्रहण में सहयोग की अपील

विशेष बैठक में ड्राइवरों और स्टाफ से बातचीत, नौकरी सुरक्षा का आश्वासन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी, साइबराबाद और मलकाजगिरी नगरपालिका कॉरपोरेशनों के कमिश्नरों ने स्वच्छ ऑटो टिपर कर्मचारियों से अपील की है कि वे त्रि-कॉरपोरेशन क्षेत्र को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने में पूर्ण सहयोग दें। शुक्रवार शाम जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित संयुक्त बैठक में, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन, साइबराबाद कमिश्नर जी. श्रीजना और मलकाजगिरी कमिश्नर टी. विनय कृष्ण रेड्डी ने स्वच्छ ऑटो ड्राइवरों और सफाई कर्मचारियों से सीधे बातचीत की। कमिश्नरों ने कर्मचारियों की शिकायतों और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और त्वरित समाधान तथा संस्थागत समर्थन का आश्वासन दिया। बैठक में कहा गया कि त्रि-कॉरपोरेशन क्षेत्र में सफाई मानकों को मजबूत करना आवश्यक है। सड़क किनारों और आवासीय कॉलोनियों में किसी भी प्रकार का कचरा नहीं दिखाई देना चाहिए, और यह लक्ष्य केवल स्वच्छ ऑटो कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से ही पूरा हो सकता है। कमिश्नरों ने बताया कि आगामी सौ-दिन की कार्य योजना में सफाई को शीर्ष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कचरा संग्रहण को मजबूत करना ही सफाई सुधार की शुरूआत है, और यह स्वच्छ ऑटो के कुशल संचालन पर निर्भर करता है। कर्मचारियों से अनुरोध किया गया कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों के हर घर से दैनिक सौ प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण सुनिश्चित करें। संचालन को और बेहतर बनाने के लिए, कमिश्नरों ने घोषणा की कि प्रत्येक स्वच्छ ऑटो के साथ एक निगम का सफाई कर्मचारी जुड़ा होगा, जो सौ प्रतिशत घर-घर संग्रहण में सहायता करेगा। इसके अलावा, ड्राइवरों को संचालन में कठिनाई न हो, इसके लिए आरटीओ अधिकारियों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। कचरा डंपिंग पॉइंट पर प्रतीक्षा समय कम करने, आवश्यकतानुसार इंटरमीडिएट पोर्टेबल ट्रांसफर पॉइंट बनाने, और नए मर्ज किए गए नगरपालिकाओं में मानचित्रण व दैनिक निगरानी मजबूत करने के भी निर्देश दिए गए। कर्मचारी कल्याण को ध्यान में रखते हुए कमिश्नरों ने कहा कि दुर्घटना बीमा कवर प्रदान किया जाएगा और किसी भी दुर्घटना की स्थिति में मानदेय सहायता दी जाएगी। उन्होंने स्वच्छ ऑटो कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि अनिवार्य अनुपस्थिति की स्थिति में कर्मचारियों को अपने संबंधित सफाई क्षेत्र सहायकों को अग्रिम सूचना देनी चाहिए ताकि वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। कमिश्नरों ने स्वच्छ ऑटो कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे त्रि-कॉरपोरेशन क्षेत्र को सफाई के मामले में उदाहरण बनाने और सीयूआरई क्षेत्र को देश में नंबर एक स्थान दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में अतिरिक्त कमिश्नर (सफाई) रघु प्रसाद और रवि किरण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। स्वच्छ ऑटो कर्मचारियों ने इस अवसर पर दैनिक 100 प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण का भरोसा दिया।

रमंतापुर में भाजपा की बडी रैली निकाली गई

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल, पूर्व एमएलए और बीजेपी के सीनियर नेता एनवीएसएस प्रभाकर की अगुवाई में रमंतापुर में एक बड़ी रैली हुई। रैली में सरकार और जीएचएमसी से मांग की गई कि वे इस ज़मीन के सांस्कृतिक, देशभक्त, आध्यात्मिक नायकों की मूर्तियां बनाने की इजाजत दें, जिन्होंने निजाम शासन और रजाकर अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। रैली को लीड करते हुए प्रभाकर ने कहा कि आज और आने वाली पीढ़ी को इतिहास और समाज सुधारकों, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में पता चले।

इसके लिए सरदार सरवनपन्न गौड़, संतसेवालाल, धन्वंतरि, पीवी नरसिम्हा राव, अटलबिहारी वाजपेयी, भीष्म, पंडुगा सायण्णा की मूर्तियों पर माला चढ़ाई गई। लोगों ने सांस्कृतिक नायकों के उपदेशों पर चलने का वादा किया। हज़ारों लोग नायकों की तस्वीरें लेकर शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीइ/सी-एम/एससी&सीइ/सी- VI/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनआइटी नं.-08-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.11-02-2026, कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन- सिकंदराबाद डिवीजन -डोर्नकल जंक्शन-भद्राचलम रोड सेक्शन के बीच प्रस्तावित डबलिन्ग या दोहरीकरण कार्य: नदीघाटी या एम्बैंकमेंट में मिट्टी का कार्य (एर्थवर्क) निष्पादन, आरडीएसओ मानकों नुसार ब्लैंकेटिंग तथा डोर्नकल जंक्शन-कारेपल्ली स्टेशनों के बीच किमी 35.420 से 47.50 तक डबलिंग कार्य के संबंध में छोटे पुलों का निर्माण/विस्तार कार्य एवं रोड अंडर ब्रिजेस (आऱयुबीज) का उक्त कार्य तथा अन्य छिटपुट सिविल कार्य।

विवरण: अनुमानित मूल्य रु.44,67,53,963.99, पूर्व धरोहर राशि रु.23,83,800.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, खोलने की तिथि: 6-3-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.2, एनआइटी नं.-10-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.12-02-2026, कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन- सिकंदराबाद डिवीजन -डोर्नकल जंक्शन-भद्राचलम रोड स्टेशनों के बीच प्रस्तावित ट्रैक डबलिन्ग या ट्रैक का दोहरीकरण कार्य- आरबीजी बिल्डिंग्स, स्टाफ क्वार्टर्स, प्लाटफार्म्स, गूम्पीटीज, एसपी/एसएसपीज, गेट लाजेस, ट्रैक मशीन स्टाफ रेस्ट रूम, टूल रूम, फूट-ओवर-ब्रिजेस, कवर ओवर प्लाटफार्म्स का निर्माण कार्य तथा चिमलपहाड-भद्राचलम रोड स्टेशनों के बीच किमी 35.420 से 47.500 तक डबलिंग कार्य सहित अन्य संबंधित छिटपुट कार्य।

विवरण: अनुमानित मूल्य रु.31,99,86,163.41, पूर्व धरोहर राशि रु.17,49,900.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, खोलने की तिथि: 10-03-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.3, एनआइटी नं.-इपीसी03-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.18-02-2026, कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन- ''पेरुर स्टेशन से गदवाल स्टेशन तक दोहरीकरण कार्य या डबलिंग वर्क्स सहित विद्युतीकरण व सिग्नल्लिंग कार्य के प्रति अभियांत्रिकी, प्रापण तथा निर्माण कार्य (इपीसी) हेतु ठेका तथा दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन में महबूबनगर व ढोने सेक्शन में ''तेलंगाना राज्य के महबूबनगर-ढोने सेक्शन के दोहरीकरण या डबलिंग कार्य से संबंधित मान्यमकोंडा पर 2X25 केवी एसएसपी का प्रावधान'' —बारे में तत्संबधित कार्य।

विवरण: अनुमानित मूल्य रु.427,13,80,643.05, पूर्व धरोहर राशि रु.2,00,00,000.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 24 (चौबीस) महिने, खोलने की तिथि: 23-04-2026 के 15.00 बजे

I) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

II) निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि के पंद्रह दिन पहले प्रस्तुत कर सकते हैं।

III) निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. 04-2026, दि.19-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/कोआर्डिनेशन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु बंद करने की तिथि व समय 18-03-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2025, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीइएन/मध्य क्षेत्राधिकार के तहत मोबाइल फ्लैश बट्ट प्लांट या संयंत्र द्वारा स्टेशन यार्ड लूप लाइन्स में सीटीआर (एस) तथा टीआरआर (एस) के लिए फ्लैश बट्ट वेल्डिंग कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.80,14,363.56 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.1,60,300.00

क्रम सं.2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2026, कार्य विवरण: गूटी-फ्राइट डिपो के एटीसी पर यार्ड एग्जामिनेशन सुविधाओं का सुधार कार्य तथा मोडल्स हेतु ओपन शेड कार्य। विज्ञापित मूल्य रु. 2,50,74,102.54पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.2,75,400.00

क्रम सं.3, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2027, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीइएन/सेंट्रल/जीटीएल क्षेत्राधिकार में सन्जमाला तथा बनगानीपल्ले स्टेशनों में 03एम चौडा (वाइड) एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। विज्ञापित मूल्य रु. 6,43,64,266.06 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,71,800.00

क्रम सं.4, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2028, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीइएन/सेंट्रल/जीटीएल क्षेत्राधिकार में रंगापुरम, जक्कलचेरुवु तथा मलकापुरम स्टेशनों में 03एम चौडा (वाइड) एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। विज्ञापित मूल्य रु. 9,20,37,143.34 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.6,10,200.00

क्रम सं.5, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-2029, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू I- मलकापुरम: उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना। एसडब्ल्यू II- तुगल्ली: उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना।

विज्ञापित मूल्य रु. 4,39,49,828.11 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.3,69,800.00

क्रम सं.6, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-नार्थ-2030, कार्य विवरण: /गुंटकल डिवीजन-कृष्णा: केएसएन (रोड नं.1&4) पर प्रस्तावित बाल्लास्टलेस्स ट्रैक को बिछाने का कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.9,68,25,938.44 पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.6,34,100.00

क्रम सं.7, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-नार्थ-2031, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीइएन/नार्थ/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत निम्न कार्य:एसडब्ल्यू I-तिम्मन्नाचेरला स्टेशन पर, उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना। एसडब्ल्यू II- नक्काडोड्डी स्टेशन पर उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना।

विज्ञापित मूल्य रु.5,78,81,295.02पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,39,400.00

क्रम सं.8, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-नार्थ-2032, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: डीइएन/नार्थ/जीटीएल क्षेत्राधिकार के तहत निम्न कार्य:एसडब्ल्यू I-वेंकटमपल्ली स्टेशन पर, उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना। एसडब्ल्यू II- इमामपुरम हाल्ट स्टेशन पर उंचे स्तर पर प्लेटफार्म्स को उठाना। एसडब्ल्यू III- गुलापाल्यम स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना। एसडब्ल्यू IV -खादरपेट स्टेशन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना।

विज्ञापित मूल्य रु.5,98,60,148.52पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.4,49,300.00

क्रम सं.9, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-2033, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू I- धर्मावरम: नई 12एम एफओबी हेतु 6 संख्यक एस्केलेटर्स (अप&डाउन) का प्रावधान। एसडब्ल्यू II-धर्मावरम: नई 12एम एफओबी हेतु 3 संख्यक लिफ्ट्स तथा मौजूदा एफओबी हेतु 1 का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य रु.3,83,74,213.04पैसे, पूर्व धरोहर राशि रु.3,41,900.00

किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

निविदा सूचना सी/ई.29/टीआरडी/ एससी/70, 72/2025-26, दि. 10-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनआइटी नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/70/2025-26, कार्य विवरण: सी/ई.29/टीआरडी/एससी/70/2025-26, दि.10-02-2026, एससी डिवीजन: केआई-बीपीक्यू सेक्शन में सुरक्षा व विश्वसनीयता में सुधार हेतु घिसे पिटे या वर्नआउट, फेल्युअरप्रोन एनआईसीसीओ/वीके मेक कान्टैक्ट वायर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। (फेज-II), विवरण: अनुमानित मूल्य रु. 65,23,669.92, पूरा करने की अवधि:180 दिन, बंद करने की तिथि: 13-03-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.2, एनआइटी नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/72/2025-26, कार्य विवरण: सी/ई.29/टीआरडी/एससी/72/2025-26, दि.10-02-2026, एससी डिवीजन: केजेडजे-डब्ल्यूडी सेक्शन में सुरक्षा व विश्वसनीयता में सुधार हेतु घिसे पिटे, विफलता प्रवण एनआईसीसीओ/वीके मेक कान्टैक्ट वायर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। (फेज-II), **विवरण:** अनुमानित मूल्य रु. 1,76,63,054.20, पूरा करने की अवधि:180 दिन, बंद करने की तिथि: 13-03-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in** पर लागिन करें।

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरइपीएस वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण दिया गया है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित किसी भी परिवर्तनों को देख सकते हैं।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही निविदा प्रपत्र मूल्य तथा पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को जमा करें।

इस निविदा सूचना को, एसआर.डीइइ/टीआरडी, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद कार्यालय स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्यक प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

A7523

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:
https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWAT ENGG2026007, दिनांक : 02.02.2026

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मण्डल के पुंडि- नौपाड़ा स्टेशन के बीच कि.मी. 689/1-3 पर मौजूदा मानवयुक्त समपार-381 के बदले में RE वॉल के साथ ब्रिज के पहुँच मार्ग सहित (1X42 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2X18 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2X30 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 3X24.0 मीटर RCC T-BEAM गर्डर) के साथ रोड ओवर ब्रिज का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 47,75,15,147.90, EMD : ₹ 25,37,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.03.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को उनके लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-268/CI/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सागर धनखड़ मौत मामला : पहलवान सुशील कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पहलवान सागर धनखड़ की मौत के मामले में आरोपी पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। इस मामले पर 4 मई को सुनवाई होगी। सुशील कुमार ने 6 फरवरी को रोहिणी कोर्ट द्वारा उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज किए जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की थी सुशील कुमार की जमानत

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ की हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य आरोपी सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का निर्देश दिया था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था। याचिका में सुशील कुमार को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।

2021 में हुई थी धनखड़ की मौत सुशील कुमार और अन्य लोगों पर 4 मई 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में हरियाणा के रोहतक निवासी पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू तथा अमित कुमार पर हमला करने का आरोप है। सागर धनखड़ की मौत के बाद 18 दिनों तक फरार रहने के पश्चात सुशील कुमार को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, 18 दिनों तक चले इस लुका-छिपी के दौरान सुशील कुमार ने पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा की यात्रा की थी।

अंततः उन्हें दिल्ली के मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया गया, जहां वे कुछ नकदी लेने गए थे और उन्होंने एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी से स्कूटी भी उधार ली थी। अक्तूबर 2022 में दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे मुकदमे की औपचारिक शुरुआत हुई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिवाजी आनंद ने सुशील कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे, जिनमें हत्या, दंगा और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल व्यूअरशिप रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले ने व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच को 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा। यह टी20 फॉर्मेट में किसी भी आईसीसी इवेंट के लिए एक मैच की सबसे ज्यादा रीच है।

यह मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को 20 बिलियन मिनट देखा गया है। इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 2024 T20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच को भी पीछे छोड़ दिया है। यह फाइनल मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया था। मोबाइल पर यह मैच लीग स्टेज का सबसे ज्यादा देखा गया मुकाबला बना। सभी प्लेटफॉर्म मिलाकर कुल 20 अरब मिनट का वॉच टाइम रिकॉर्ड हुआ, जो पिछले संस्करण की तुलना में 42% ज्यादा है।

वापसी करने पर होगी भारतीय हॉकी टीम की नजरें

स्पेन के खिलाफ मैच के साथ होगी होबार्ट चरण की शुरुआत

होबार्ट, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत करेगी। टीम नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नई शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

भारत को अर्जेंटीना और बेल्जियम से मिली थी हार

हाल में राउरकेला चरण भारतीयों के लिए सीखने का दौर साबित हुआ जिसमें उन्हें अर्जेंटीना और बेल्जियम से हार मिली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए आने वाले मैचों से ब्रेक लिया है। टीम इन मुकाबलों को आने वाले एफआईएच विश्व कप और उसके बाद के एशियाई खेलों से पहले संयोजन को परखने और लय बनाने के एक जरूरी मौके के तौर पर देख रही है। स्पेन के खिलाफ पहले मैच के बाद रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला होना है। 24 फरवरी को उनका सामना फिर स्पेन से होगा और 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ अंतिम मैच के साथ यह चरण खत्म होगा।

भारत और स्पेन के बीच पिछले 10 मैच का रिकॉर्ड

भारत और स्पेन अपने पिछले 10 मुकाबलों में बराबरी पर रहे हैं, दोनों ने नियमित समय में चार-चार जीत हासिल की हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार हाई-स्कोरिंग ड्रामा रहा है। मेजबान टीम अपने पिछले 10 मुकाबलों में छह जीत और दो ड्रॉ के साथ बढ़त बनाए हुए है।

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत-ए टीम फाइनल में पहुंची, राधा यादव बनीं जीत की नायक

बैंकॉक, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की बेटियों ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। टेर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में भारत-ए टीम ने श्रीलंका-ए को 5 विकेट से हराया। टीम की इस जीत की नायक कप्तान राधा यादव रहीं, जिन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 4 विकेट चटकाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका-ए ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान संजना ने 5 चौके लगाए। वहीं, शशिनी गिम्हानी ने 17 गेंदों में 22 रन बनाए।

हालांकि, इन दोनों के अलावा टीम की अन्य बल्लेबाज क्रीज पर टिककर नहीं खेल सकीं और पूरी टीम 19.4 ओवर में 118 रन बनाकर सिमट गई। भारत-ए की तरफ से कप्तान राधा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर के स्पेल में महज 19 रन देकर चार बड़े विकेट निकाले, जबकि प्रेमा रावत ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 9 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नंदिनी कश्यप 13 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद दूसरे विकेट के लिए अनुष्का शर्मा और वृंदा दिनेश ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 48 रनों की अहम साझेदारी निभाई। अनुष्का 18 गेंदों में 27 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं, वृंदा ने महज 20 गेंदों में 42 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली।

गेंदबाजी में 4 विकेट लेने के बाद राधा यादव ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया। राधा 18 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 31 रन बनाकर नाबाद रहीं और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। राधा यादव को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पीसीबी बोला-शादाब दिग्गज पाक खिलाड़ियों पर कमेंट न करें

क्रिकेटर ने कहा था-सीनियर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, हमने हराया

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर शादाब खान को अपने बयान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। शादाब ने कहा था कि पाकिस्तान के सीनियर प्लेयर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, लेकिन हमनें हराया है। शादाब का इशारा 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारत पर जीत को लेकर था। अब पीसीबी ने पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना पर दिए शादाब के बयान को अनुचित माना है। बोर्ड ने शादाब को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है। यह पूरा मामला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद हुई पाकिस्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस से शुरू हुआ, जहां शादाब ने पूर्व क्रिकेटरों पर बयान दिया था। इस मैच में पाकिस्तान ने नामीबिया से जीत हासिल की थी। वहीं, इससे पिछले मैच में पाकिस्तान को भारत से 61 रन से हार था।

शादाब ने कहा था-जो हमने किया, वो दिग्गज भी नहीं कर सके

नामीबिया के खिलाफ 36 रन बनाने और 3 विकेट लेने के बाद शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'आलोचना क्रिकेट के इतिहास का हिस्सा है। पूर्व क्रिकेटर्स की अपनी राय है। वे दिग्गज थे, लेकिन हमने जो किया, वे नहीं कर सके। हमने वर्ल्ड कप में भारत को हराया है।'

पीसीबी ने टीम मैनेजर के जरिए मैसेज भेजा

न्यूज एजेंसी के मुताबिक पीसीबी ने टीम मैनेजर नवीद चीमा के जरिए शादाब से नाराजगी जाहिर की है। चीमा ने शादाब को फोन कर बताया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपनी सीमाएं लांघी हैं। शादाब को याद दिलाया गया कि उनके ससुर सकलैन मुश्ताक समेत सभी पूर्व खिलाड़ी पाकिस्तान के दिग्गज हैं और वे सम्मान के हकदार हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि खिलाड़ियों को ऐसी भाषा के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

मैनेजमेंट की अन्य खिलाड़ियों को भी चेतावनी

पीसीबी ने सिर्फ शादाब ही नहीं, बल्कि पूरी टीम को नसीहत दी है। टीम मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी खिलाड़ियों को समझाएं कि वे अपनी टिप्पणियों को सिर्फ मैच तक ही सीमित रखें। अगर कोई खिलाड़ी दोबारा मर्यादा लांघता है तो बोर्ड उस पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भी शादाब के बयान को गैरजरूरी बताया और कहा कि दिग्गजों के खिलाफ बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

मीडिया से बातचीत पर टीम मैनेजमेंट सख्त पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट फिलहाल मीडिया इंटरैक्शन को लेकर काफी सतर्क है। भारत के साथ हुए अहम मैच से दो दिन पहले तक मैनेजमेंट ने किसी भी खिलाड़ी को मीडिया के सामने नहीं भेजा था। नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले जब उस्मान तारिक से भारत के खिलाफ उनकी गेंदबाजी को लेकर सवाल पूछा गया तो मीडिया मैनेजर नईम गिलानी ने उन्हें जवाब देने से रोक दिया। उन्होंने तर्क दिया कि हेड कोच माइक हेसन इस पर पहले ही सफाई दे चुके हैं।

भारतीय हॉकी टीम होबार्ट लेग में सकारात्मक और आक्रामक सोच के साथ उतर रही है : हार्दिक सिंह

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम एक नई शुरुआत के लिए तैयार है। टीम का फोकस एफआईएच मेन्स प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट लेग पर है। 24 सदस्यीय भारतीय टीम इस आयोजन को हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स की तैयारी के रूप में देख रही है। होबार्ट लेग का आयोजन 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया हॉकी सेंटर में होना है। भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय टीम 21 फरवरी को स्पेन के खिलाफ होबार्ट में अपना कैंपेन शुरू करेगी। दूसरा मैच 22 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया, तीसरा मैच 24 फरवरी को स्पेन और 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच के साथ ही होबार्ट लेग समाप्त होगा। भारत और स्पेन के बीच खेले गए पिछले 10 मैचों पर गौर करें तो दोनों ही टीमों ने 4-4 मैच जीते हैं, जबकि 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 10 मैचों में भारतीय टीम को 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को 2 मैचों में जीत मिली है, जबकि 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हार्दिक सिंह को हरमनप्रीत सिंह की गैरमौजूदगी में प्रो लीग के ऑस्ट्रेलिया लेग के लिए कैप्टन बनाया गया है। अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह अंगद बीर सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल और आदित्य अर्जुन लालगे जैसे उभरते खिलाड़ी टीम में शामिल हैं।

हार्दिक सिंह ने कहा, प्रो लीग जैसे बड़े टूर्नामेंट में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना बहुत बड़ा सम्मान है। हालांकि हमें पिच पर हरमनप्रीत की कमी जरूर खलेगी, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी बाकी ग्रुप के लिए आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का एक कीमती मौका देती है। एक टीम के तौर पर, हमने अपने हाल के मैचों का रिव्यू किया है, सबक सीखे हैं, और होबार्ट में बहुत सकारात्मक और आक्रामक सोच के साथ उतर रहे हैं।

युवा खिलाड़ियों पर हार्दिक ने कहा, मैं इस टूर में शामिल युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत उत्साहित हूं। युवा खिलाड़ी हमारी अटैकिंग लाइनअप में बहुत फ्रेश, निडर ऊर्जा लाते हैं। उन्होंने अपनी जगह बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना उनके लिए खुद को दिखाने का एक शानदार मंच है।

दिल्ली मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे विजेंदर सिंह और रोहन बोपन्ना, रविवार को होगा आगाज

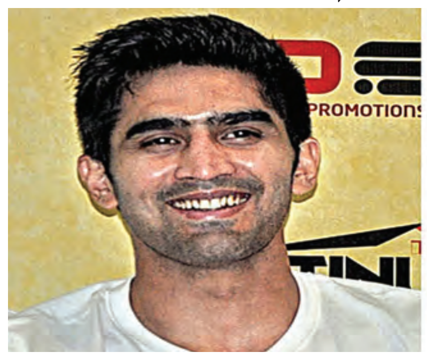

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह और देश के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नई दिल्ली मैराथन के 11वें एडिशन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस मैराथन में 30,000 से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

अफगानिस्तान के साथ कार्यकाल खत्म होने के बाद भावुक हुए जोनाथन ट्रॉट, अपनी जर्नी को किया याद

नई दिल्लीः अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा।

इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। जुलाई 2022 में ट्रॉट को यह पद मिला था। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया।मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने अपने कार्यकाल को याद किया। इस दौरान वह भावुक भी हो गए। उनके हेड कोच रहते हुए अफगानिस्तान ने 2023 विश्व कप में दमदार खेल दिखाया था। इसके बाद 2024 टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने मैच के बाद मीडिया से बात में कहा, 'शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे यह मौका वास्तव में सिर्फ सौभाग्य से मिला। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।' दक्षिण अफ्रीका में जन्मे ट्रॉट ने कहा कि उनके लिए सबसे अच्छी चीज खिलाड़ियों के व्यक्तिगत विकास को देखना था। उन्होंने कहा, 'इस कार्यकाल में मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मैं खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के विकास को भी देख सका।

बवाल के बाद पाकिस्तान सरकार की खुली आंख

हॉकी कप्तान पर लगाया दो साल का प्रतिबंध हटाया, गैरकानूनी फैसला बताया

कराची, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान हॉकी टीम और खिलाड़ियों की हुई किरकिरी पर पाकिस्तान सरकार की आंखें खुल गई हैं। पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट ने देश वापसी पर विरोध जताया था और पाकिस्तान हॉकी संघ (पीएचएफ) की आलोचना की थी।

इसके बाद पीएचएफ अध्यक्ष ने उन पर दो साल का बैन लगा दिया था और खुद भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब इस पूरे बवाल के एक दिन बाद शहबाज शरीफ सरकार ने उन पर लगा प्रतिबंध का फैसला रद्द कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मुहूयदिन अहमद वानी ने इस प्रतिबंध को गैरकानूनी और असंवैधानिक कदम बताते हुए तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया।

क्या था पूरा मामला?

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऑस्ट्रेलिया दौरे में अव्यवस्था और वित्तीय

गड़बड़ियों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। ऑस्ट्रेलिया में एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के दौरान पाकिस्तान टीम को गंभीर लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने टीम के पांच सितारा होटल में ठहरने के लिए एक करोड़ रुपये जारी किए थे, लेकिन खिलाड़ियों को होटल की बजाय एयरबीएनबी में रहना पड़ा। बताया गया कि होटल ने अग्रिम भुगतान न मिलने के कारण टीम को प्रवेश देने से इनकार कर दिया था। खिलाड़ियों को घंटों सड़क पर इंतजार करना पड़ा। इसके अलावा, कप्तान बट ने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों को एक साल से दैनिक भत्ते नहीं मिले थे।

कप्तान का खुला आरोप

स्वदेश लौटने के बाद एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में अम्माद बट ने फेडरेशन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को रसोई साफ करने और बर्तन धोने तक के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि खिलाड़ियों को मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई थी। इन बयानों के बाद तत्कालीन पीएचएफ अध्यक्ष तारिक बुगती ने बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया, यह कहते हुए कि उन्होंने पाकिस्तान हॉकी की छवि को नुकसान पहुंचाया है।

इस्तीफा और पलटवार

विवाद बढ़ने के बाद तारिक बुगती ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर लिया और मुहयुद्दीन वानी को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, वानी और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह (डायरेक्टर जनरल) अब अस्थायी तौर पर हॉकी मामलों को संभालेंगे और हुए नुकसान की भरपाई की कोशिश करेंगे।

सीताक्का ने मेडारम जातरा पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीताक्का ने शुक्रवार को ज्योति राव फुले प्रजा भवन, हैदराबाद में 'गॉडेस ऑफ फोक — सम्मक्का सारलम्मा जातरा' नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री ने काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट को इस कॉफी टेबल बुक के प्रकाशन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेडारम सम्मक्का सारलम्मा जातरा आदिवासियों के आत्मसम्मान और तेलंगाना की संस्कृति का प्रतीक बन चुकी है। सीतसक्का ने कहा कि रामप्पा मंदिर को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिलना तेलंगाना के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि में काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार मेडारम जातरा को भी अंतरराष्ट्रीय विरासत मान्यता दिलाने के लिए प्रयासरत है। सीतक्का ने इतिहासकारों, समाजशास्त्रियों, विशेषज्ञों और मानवविज्ञानियों से इस दिशा में मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। मंत्री ने मेडारम मेले की दुर्लभ तस्वीरों को संकलित कर कॉफी टेबल बुक के रूप में प्रस्तुत करने के लिए काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक की प्रत्येक तस्वीर एक इतिहास को दर्शाती है और मेडारम जातरा को विश्व पटल पर पहचान दिलाने वाले फोटोग्राफरों की सेवाओं की प्रशंसा की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट के सदस्यों और फोटोग्राफरों को मंत्री ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्रख्यात फिल्म निर्देशक एवं कॉफी टेबल बुक के संपादक बी. नरसिंगा राव, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी बी.वी. पापा राव, बी.पी. आचार्य, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एम. रतन, काकतीय हेरिटेज ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रोफेसर एम. पांडु रंगा राव, जे. श्रीधर राव सहित अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

सीएम ने एआई मंत्रालय और राष्ट्रीय एआई परिषद के गठन की मांग की

राष्ट्रीय एआई 'वॉर रूम' की स्थापना का सुझाव
इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में बोले रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए एक विशेष मंत्रालय स्थापित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह मंत्रालय एआई के दुरुपयोग को रोकने, राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने तथा एआई तकनीकों का उपयोग सामाजिक न्याय और गरीबी उन्मूलन के लिए सुनिश्चित करने हेतु कानून बनाने के लिए जिम्मेदार होगा।

मुख्यमंत्री ने जीएसटी परिषद या नीति आयोग की तर्ज पर एक 'इंडिया एआई काउंसिल' के गठन की भी मांग की, जो एआई नीति और समन्वय के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करे। रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि वैश्विक भागीदारी और निरंतर गति बनाए रखने के लिए भारत को हर छह महीने में अलग-अलग शहरों में एआई शिखर सम्मेलन आयोजित करना चाहिए। शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में मुख्य भाषण देते हुए मुख्यमंत्री ने वैश्विक और राष्ट्रीय संस्थानों को तेलंगाना के साथ एआई नवाचार और शासन को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी का आमंत्रण दिया। नीतिनिर्माताओं, वैश्विक तकनीकी विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों और उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'मानव जाति का सबसे बड़ा आविष्कार' बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही है जिसकी तुलना आग की खोज, पहिये के आविष्कार और औद्योगिक क्रांति से की जा सकती है। उन्होंने शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि एआई केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव क्षमता में एक मूलभूत परिवर्तन हैजो बुद्धिमत्ता, स्वायत्तता और निर्णय लेने की शक्ति को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जहां पहले के आविष्कारों ने मानव की शारीरिक क्षमता को बढ़ाया, वहीं एआई मानव की बौद्धिक श्रेष्ठता को चुनौती देता है और जब यह रोबोटिक्स के साथ जुड़ता है, तो मानसिक और शारीरिक दोनों क्षमताओं वाले सिस्टम तैयार करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को एआई क्रांति से वैसे वंचित नहीं रहना चाहिए जैसे वह औद्योगिक और विनिर्माण क्रांतियों से रह गया था। उन्होंने कहा कि भारत ने सेवा और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, लेकिन वैश्विक तकनीकी उत्पाद नहीं बना पाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को केवल वैश्विक प्लेटफॉर्म का उपयोगकर्ता बनने के बजाय एआई तकनीकों का उत्पादक और स्वामी बनना होगा। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि भारत को एआई के सभी स्तरों पर नेतृत्व करना चाहिए, जिसमें जीपीयू चिप निर्माण, हरित ऊर्जा और डेटा भंडारण, प्लेटफॉर्म एवं कोर एआई भाषाएं और अनुप्रयोग, तथा एआई आधारित सेवाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने भारत को एआई नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें केंद्र और राज्यों की भागीदारी के साथ एक राष्ट्रीय एआई 'वॉर रूम' की स्थापना का सुझाव भी शामिल है, ताकि एआई के तेजी से हो रहे विकास की निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि भारत सरकार स्वीकृति देती है तो हैदराबाद इस एआई वॉर रूम की मेजबानी और निर्माण के लिए तैयार है।

तेलंगाना डिजिटल गवर्नेंस का मॉडल बनने की दिशा में अग्रसरः श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए डिजिटल शासन का एक मॉडल बनने का लक्ष्य रखता है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 'एजेंट्स ऑफ चेंज: एआई फॉर गवर्नमेंट सर्विसेज एंड क्लाइमेट रेजिलिएंस' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की 'तेलंगाना राइजिंग 2047' दृष्टि के तहत प्रौद्योगिकी को परिवर्तन के प्रमुख उपकरण के रूप में स्थापित किया जा रहा है। श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार नागरिक सेवाओं के साथ प्रौद्योगिकी का एकीकरण कर सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम करने तथा सेवा वितरण को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने भारत फ्यूचर सिटी, एआई सिटी, एआई यूनिवर्सिटी, एआईकेएएम, एआई संचालित तेलंगाना डिजिटल एक्सचेंज और भू भारती जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कदम राज्य की डिजिटल शासन प्रणाली को मजबूत करेंगे। समावेशी नवाचार पर जोर देते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार एजेंटिक एआई के उपयोग की संभावनाओं का भी अध्ययन कर रही है, ताकि उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना कृषि, जलवायु अनुकूलन, स्वास्थ्य सेवा, सतत शहरी विकास, स्वच्छ ऊर्जा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी प्रौद्योगिकी के उपयोग का विस्तार कर रहा है।

कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी को शुक्रवार को जगतियाल में गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ा। उन्हें तुरंत हैदराबाद के किम्स अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, जीवन रेड्डी की तबीयत बिगड़ने का कारण फूड पॉइजनिंग है। इस बीच, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका चुनावों से लेकर उनके परिणाम और चेयरमैन पद के चुनाव तक जीवन रेड्डी की सक्रिय भूमिका को याद किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अनियमित भोजन समय और मौसम में उतार-चढ़ाव जैसे कारणों से उनकी तबीयत और बिगड़ गई हो सकती है।

गर्भवती सॉफ्टवेयर पेशेवर की हत्या मामले में पूर्व पति गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम इलाके में 30 वर्षीय सॉफ्टवेयर पेशेवर सुनीता की निर्मम हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने उसके पूर्व पति देवराकोंडा महेश (30) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सुनीता मंगलवार को कप्पला चेरुवु स्थित केएनआर मीडोज में अपने घर के बाथरूम में मृत पाई गईं। वह उस समय गर्भवती थीं। उनके वर्तमान पति वी. श्रीनाथ सुबह काम पर गए थे। दोपहर में मां का फोन आने पर वह घर लौटे तो देखा कि सुनीता खून से लथपथ पड़ी थीं। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

जांच में सामने आया कि वैवाहिक विवाद और उत्पीड़न के मामले के बाद वर्ष 2024 में सुनीता और महेश का तलाक हो गया था। इसके बाद सुनीता ने वर्ष 2025 में दूसरी शादी कर ली थी। पुलिस का कहना है कि इसी बात को लेकर महेश के मन में रंजिश थी। आरोप है कि पति की गैरमौजूदगी में महेश घर में घुसा और चाकू से हमला कर सुनीता की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक कार, मोबाइल फोन और चाकू से भरा बैग बरामद किया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

कार्बिमाज़ोल और डॉक्सीसाइक्लिन पर औषधि नियामक की चेतावनी

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मरीजों की सुरक्षा और जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से देश के औषधि नियामक प्राधिकरण केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने एक सलाह जारी की है। इसमें विशेष रूप से थायरॉइड रोगियों को दो प्रमुख दवाओं कार्बिमाज़ोल और डॉक्सीसाइक्लिन के संभावित दुष्प्रभावों के प्रति सतर्क रहने को कहा गया है। सीडीएससीओ ने हाइपरथायरायडिज्म के उन मरीजों को (जो कार्बिमाज़ोल ले रहे हैं) अचानक तेज बुखार, ठंड लगना या लगातार गले में खराश जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेने की सलाह दी है। ये लक्षण एग्रानुलोसाइटोसिस नामक दुर्लभ लेकिन जानलेवा स्थिति से जुड़े हो सकते हैं, जिसमें अस्थि मज्जा पर्याप्त श्वेत रक्त कोशिकाएं बनाना बंद कर देती है। ऐसी स्थिति में शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी गंभीर रूप ले सकता है। ऐसे लक्षण दिखने पर मरीजों को तुरंत दवा बंद कर डॉक्टर से संपर्क करने और पूर्ण रक्त जांच कराने की सलाह दी गई है।

सीडीएससीओ ने डॉक्सीसाइक्लिन के सेवन को लेकर भी सावधानी बरतने को कहा है। यह एक एंटीबायोटिक दवा है, जिसका उपयोग कई थायरॉइड मरीज मुंहासे, श्वसन संक्रमण या आंखों से जुड़ी समस्याओं के इलाज में करते हैं। इस दवा के सेवन से कुछ मरीजों में बेचैनी, चिंता, चिड़चिड़ापन, घबराहट और चक्कर आने जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उच्च थायरॉइड हार्मोन स्तर के कारण कई मरीज पहले से ही घबराहट या बेचैनी महसूस करते हैं और डॉक्सीसाइक्लिन इन लक्षणों को बढ़ा सकती है। यदि दवा लेने के दौरान असामान्य मानसिक लक्षण बढ़ जाएं तो इसे केवल थायरॉइड की समस्या न मानकर दवा के प्रभाव के रूप में भी देखा जाना चाहिए और तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

बाल-बाल बचे 90 छात्र

हैदराबाद के कोचिंग सेंटर में लगी थी भीषण आग

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आज सुबह एक कोचिंग सेंटर में आग लग गई। जानकारी के अनुसार, यह अमीरपेट स्थित मैत्रीवनम नाम के एक अपार्टमेंट में आग लगी, इस दौरान कुछ छात्र अंदर फंस गए थे, लेकिन दो दमकल गाड़ियां और बचाव दल मौके पर पहुंचे और छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। फिलहाल, आग पर काबू पा लिया गया और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका : बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है, जिससे इमारत से भारी धुआं निकल रहा था। अधिकारियों ने बताया कि तीन दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। घनी आबादी वाला अमीरपेट इलाका सॉफ्टवेयर कोर्स कराने वाले कई कोचिंग सेंटरों का घर है।

आग लगने के कारण लगा भारी जाम

वहीं इस घटना के बाद हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में यातायात को लेकर चेतावनी जारी की है। जिसमें लिखा गया- आग लगने की घटना का प्रभाव, मैत्रीवनम जंक्शन के पास आग लगने की घटना और भारी यातायात के कारण, एसआर नगर रोड और मैत्रीवनम जंक्शन से सत्यम थिएटर रोड की ओर वाहनों की आवाजाही धीमी है। यातायात कर्मी मौके पर मौजूद हैं और यातायात को नियंत्रित करने के साथ-साथ आपातकालीन सेवाओं के साथ समन्वय कर रहे हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि प्रभावित मार्ग से बचें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ड्यूटी पर तैनात यातायात अधिकारियों के साथ सहयोग करें, असुविधा के लिए खेद है और आपसे धैर्य रखने का अनुरोध है।

विधान परिषद में हंगामा, वाईएसआरसीपी नेताओं ने वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरों के साथ किया प्रदर्शन

अमरावती, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश विधान में शुक्रवार को हंगामे की स्थिति बन गई। परिषद के अध्यक्ष कोय्ये मोशन राजू ने सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी। दरअसल, वाईएसआरसीपी के सदस्य श्री वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरों को कथित तौर पर दिखाने को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। हंगामा तब शुरू हुआ जब सभापति ने टीटीडी को घी की आपूर्ति करने वाले मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू परिवार के स्वामित्व वाले हेरिटेज फूड्स से कथित तौर पर जुड़े तिरुपती लड्डू प्रसादम और इंदापुर डेयरी पर कुंभा रवि बाबू, डी माधव राव और एस मंगम्मा की चर्चा की याचिका खारिज कर दी।

मूर्तियों के कथित प्रदर्शन को आपत्तिजनक करार दिया :

राजू ने विपक्षी विधायकों के विरोध प्रदर्शन के बीच कहा, चर्चा को अस्वीकार किए जाने के बाद चर्चा की मांग करना सही नहीं है, इस बीच, राज्य के वित्त मंत्री पी. केशव ने देवता की मूर्तियों के कथित प्रदर्शन को आपत्तिजनक करार दिया और कहा कि इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने पूछा अध्यक्ष महोदय, वेंकटेश्वर स्वामी की तस्वीरों के साथ वे जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, क्या उनमें कोई गरिमा बची है? क्या वे (भगवान को) राजनीति में घसीटेंगे? ऐसा देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ। उन्हें (वाईएसआरसीपी के एमएलसी को) भगवान में आस्था नहीं है। वे भगवान का सम्मान नहीं करते, भगवान से डरते नहीं हैं। वे बस अपने नेता के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

विधान परिषद में क्या हुआ :

गुरुवार को वाईएसआरसीपी सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायुडू परिषद में इंदापुर डेयरी पर चर्चा का विरोध कर रहे हैं। रेड्डी के अनुसार, हेरिटेज द्वारा इंदापुर डेयरी को आधिकारिक तौर पर 10 फरवरी, 2026 तक अपनी विनिर्माण इकाई के रूप में नामित किया गया था और बाद में हेरिटेज के साथ कथित संबंध और टीटीडी को घी की आपूर्ति को लेकर हुए विवाद के बाद 15 फरवरी को इसे सह-विनिर्माण स्थान के रूप में पुन नामित किया गया।

विपक्ष के नेता ने नायुडू पर आरोप लगाया कि उन्होंने इंदापुर डेयरी एंड मिल्क प्रोडक्ट्स लिमिटेड को टीटीडी के निविदाओं में भाग लेने और घी की आपूर्ति के लिए अर्हता प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

चेवेल्ला मंदिर के तालाब में मिला शव, हत्या की आशंका

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी क्षेत्र चेवेल्ला स्थित एक मंदिर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं ने मंदिर की पुष्करिणी में एक व्यक्ति का शव तैरता देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों ने तालाब में शव दिखाई देने पर अधिकारियों को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि गुरुवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने व्यक्ति के सिर पर लकड़ी की लाठी से हमला किया और साक्ष्य छिपाने के इरादे से शव को तालाब में फेंक दिया। घटनास्थल से एक लकड़ी की लाठी और कुछ कपड़े बरामद किए गए हैं। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है।

800 दिन बाद भी वादे पूरे करने में विफल रही सरकार : हरीश राव

सिद्दिपेट, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर झूठे वादों के सहारे सत्ता में आने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आए 800 दिन बीत जाने के बावजूद सरकार अपने उन वादों को पूरा नहीं कर सकी, जिन्हें 100 दिनों के भीतर लागू करने का आश्वासन दिया गया था। शुक्रवार को सिद्दिपेट नगरपालिका के 37वें वार्ड में पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की उपस्थिति में बीसी उप-योजना के तहत विशेष धनराशि आवंटित करने तथा घोषणापत्र में शामिल अनुसूचित जाति घोषणा को लागू करने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा सके हैं।

पूर्व मंत्री ने वारंगल जनसभा में घोषित रायथु घोषणा को लागू न किए जाने पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट पेश करने जा रही है, ऐसे में इन योजनाओं के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया जाना चाहिए। साथ ही महा लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये तथा बुजुर्गों एवं अन्य पात्र व्यक्तियों को 4,000 रुपये मासिक पेंशन देने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राजीव युवा विकास योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए, लेकिन योजना के क्रियान्वयन के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं हुआ, जिससे युवाओं में निराशा है। गांवों में मजदूरों के लिए राजीव घरेलू भरोसा योजना भी लागू नहीं की गई। हरीश राव ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति जनता की ओर से संघर्ष जारी रखेगी और सत्ताधारी दल को अपने सभी वादे पूरे करने के लिए बाध्य करेगी। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान अधूरे वादों का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया जाएगा। इससे पूर्व उन्होंने यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

पेंशन बकाया न मिलने से जूझ रहे सेवानिवृत्त एसआई का निधन

खम्मम, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के गृह जिले खम्मम में सेवानिवृत्त पुलिस उप-निरीक्षक के. मैसैया का पेंशन और सेवानिवृत्ति भत्ते का भुगतान न होने के बीच बीमारी और आर्थिक संकट से निधन हो गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि मैसैया पिछले वर्ष फरवरी में सशस्त्र पुलिस शाखा से सेवानिवृत्त हुए थे और तब से लगभग 60 लाख रुपये के बकाया सेवानिवृत्ति लाभ का इंतजार कर रहे थे। परिवार को लंबे समय से आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसी दौरान मैसैया और उनकी पत्नी भाग्यम्मा गुर्दे और हृदय रोग से पीड़ित हो गए। दोनों को कुछ दिन पहले खम्मम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में भाग्यम्मा को बेहतर उपचार के लिए हैदराबाद ले जाया गया। मैसैया की हालत बिगड़ने पर बुधवार आधी रात के बाद उनका निधन हो गया। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष आर. राधाकृष्ण मूर्ति और महासचिव आर. वेंकट नारायण ने अस्पताल के बिल का कुछ हिस्सा अदा किया, जबकि अस्पताल प्रबंधन ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शेष राशि माफ कर दी। संघ के मानद अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रामुलु नाइक ने अंतिम संस्कार के लिए पारस्परिक सहकारी कोष से 25 हजार रुपये की सहायता प्रदान की। संघ के नेताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर बकाया राशि न मिलने से वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से इस समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.